धनबाद, बुधवार
23 अप्रैल 2025
वर्ष : 10 अंक : 323
पृष्ठ : 12
मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई पत्र वार्ता

सोच आगे की ...

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में पर्यटकों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी, 16 की मौत, कई घायल

श्रीनगर,(एजेंसी) : जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम के पास मंगलवार को एक बड़े आतंकवादी हमले में 25 से अधिक पर्यटकों के मारे जाने और कम से कम आठ अन्य के घायल होने की आशंका है।

आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। मृतकों की संख्या के बारे में अब तक हालांकि, कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गयी है। यह हमला अपराह्न करीब 1.30 बजे बैसरन मैदानी क्षेत्र में हुआ, जो पहलगाम के पास खूबसूरत लेकिन गैर-मोटर वाहन योग्य स्थान है।

हमले पर केंद्र सरकार ने तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त की और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा का नेतृत्व करने के लिए श्रीनगर पहुंचे। श्री शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी घटना के बारे में जानकारी दी, जो वर्तमान में सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों ने अपराधियों को नहीं बख्शने का प्रण लिया है। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने बैसरन में पर्यटकों के एक समूह पर गोलीबारी की, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक पर्यटक महिला रोती हुई कह रही है कि वे भेल पुरी खा रहे थे, तभी एक आतंकवादी ने उसके पति को गोली मार दी। वीडियो में एक और महिला रोती हुई अपने पति को बचाने के लिए मदद मांग रही है।

अधिकारियों ने बताया कि आठ घायलों को पहलगाम के एक चिकित्सा केंद्र में लाया गया और उनमें से दो को गंभीर हालत में श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर वाहनों से नहीं पहुंचा जा सकता और सुरक्षा बलों को पैदल ही घटनास्थल पर भेजा गया है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। वह केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा और कानून व्यवस्था की देखरेख करते हैं।गौरतलब है कि 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह पहला बड़ा आतंकवादी हमला है। पिछला बड़ा आतंकवादी हमला 14 फरवरी, 2019 को हुआ था, जब जैश-ए-मोहम्मद के एक स्थानीय आत्मघाती हमलावर आदिल डार ने लेथपोरा पुलवामा में अपनी विस्फोटकों से भरी कार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की बस से टकरा दिया था, जिसमें बल के 40 जवान मारे गये थे। इस हमले के बाद बालाकोट में हवाई हमले किये गये। एक दिन बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की और इससे दोनों देशों के बीच एक संक्षिप्त लड़ाई शुरू हो गयी। पुलवामा हमले ने भारत और पाकिस्तान को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया था। इससे पहले, जुलाई 2017 में दक्षिण कश्मीर में एक आतंकवादी हमले में अमरनाथ गुफा का दर्शन करके लौट रहे आठ तीर्थयात्री मारे गये थे तथा 10 से अधिक घायल हो गये थे।

शाह श्रीनगर के लिए रवाना, आतंकवादी हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति का जायजा लेंगे

नयी दिल्ली,(एजेंसी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए श्रीनगर रवाना हो गए हैं।

गृह मंत्रालय के सूत्रों ने अपराह्न बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले की घटना को देखते हुए श्री शाह नयी दिल्ली से श्रीनगर के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय के कुछ बड़े अधिकारी भी श्रीनगर जा रहे है।

सूत्रों के अनुसार गृह मंत्री श्रीनगर में उच्च स्तरीय बैठक में केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा करेंगे।

गौरतलब है कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के निकट मंगलवार को एक संदिग्ध आतंकवादी हमले में कम से कम आठ पर्यटक घायल हो गए।

श्रीनगर में अधिकारियों ने बताया कि हमला बैसरन मैदानी क्षेत्र में हुआ, जो पहलगाम के निकट स्थित एक सुंदर लेकिन गैर-मोटर वाहन योग्य स्थान है। वहां एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर गोलीबारी की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि आठ घायलों को पहलगाम में एक अस्पताल ले जाया गया। बाद में दो व्यक्तियों को गंभीर हालत में श्रीनगर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

ब्रीफ न्यूज

वन भूमि घोटाला मामले में धनबाद में ईडी का छापा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद, :चर्चित बोकारो वन भूमि घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मंगलवार को धनबाद के जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी और रजिस्ट्रार रामेश्वर सिंह के आवास पर छापेमारी की ।

डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी के देव बिहार कॉलोनी स्थित अपार्टमेंट और रजिस्ट्रार रामेश्वर सिंह के हीरापुर स्थित सरकारी आवास पर ईडी की टीम सुरक्षा बलों के साथ सुबह से ही जमी हुई है। बताया जा रहा है कि ईडी के अफसरों ने छापेमारी के दौरान दस्तावेजों को खंगालने के साथ उक्त अधिकारियों से पूछताछ भी कर रही है।

उल्लेखनीय है कि बोकारो जिले के तेतुलिया मौजा में लगभग 100 एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जा और घोटाले का मामला वर्ष 2022 में प्रकाश में आया था। इसके बाद से लगातार इस मामले में जांच जारी है।

मणिपुर में आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में झारखंड का जलवा

गुमला, (एजेंसी) : प्लस टू हाई स्कूल भरनो के खेल शिक्षक अमित कुमार और जितेन्द्र कच्छप के नेतृत्व में मणिपुर में आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में झारखंड के अंडर 19 बालक और बालिका वर्ग की फुटबॉल प्रतियोगिता में जीत का परचम लहराया।

अमित कुमार और जितेंद्र कच्छप कोच की भूमिका निभाते हुए झारखंड को सफलता दिलाई । झारखंड की टीम ने लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए लगातार जीत हासिल की और फाइनल में जगह बनायी । सेमीफाइनल मुकाबले में झारखंड की फुटबाल अंडर 19 बालिका वर्ग ने तमिलनाडु को 5-0 से हराया और अंडर 19 बालक वर्ग ने फुटबॉल मैच में मेजबान मणिपुर को टाईब्रेकर में 4-0 से हराकर फाइनल में जगह बनायी। फाइनल मैच में बालिका की टीम ने मणिपुर को हराकर विजेता बनी । मगर बालक टीम फाईनल में केरल से पराजित हो गई और वह उपविजेता **शेष पृष्ठ-4.....**

झारखण्ड: मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के शवों का हुआ पोस्टमार्टम, कोई नहीं पहुंचा शव लेने

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो,: बोकारो के लुगुपहाड़ी जंगल में सोमवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए आठ नक्सलियों को मार गिराया था। इन सभी नक्सलियों के शव देर रात भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चास स्थित अनुमंडलीय अस्पताल लाए गए, जहां चार सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम किया।मारे गये नक्सलियों में दो महिला और छह पुरुष नक्सली शामिल थे। आश्चर्य की बात यह रही कि पोस्टमार्टम के बाद भी किसी नक्सली के परिजन उनका शव लेने नहीं पहुंचे।

एसपी मनोज स्वर्गियारी ने बताया कि आठों नक्सलियों का पोस्टमार्टम हो गया है। इलाके में सर्च अभियान जारी है।

इनका हुआ पोस्टमार्टमजिन नक्सलियों के शवों का पोस्टमार्टम किया गया उनमें प्रयाग मांझी, अरविंद यादव, साहेबराम मांझी, गंगाराम उर्फ पवन, महेश साव, तालो दी, महेश मांझी और रंजु मांझी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा बलों को सोमवार को नक्सलियों के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली थी। बोकारो के गोमिया थाना क्षेत्र के लुगुपहाड़ी जंगल में मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने इन आठ कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया था।

सरकार के प्रयासों से महिलाओं की बढ़ रही पहचान : मंत्री

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची :कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने चान्हो और मांडर प्रखंड कार्यालय परिसर में महिलाओं के बीच सिलाई मशीन, आपदा राहत कोष, सड़क दुर्घटना के आश्रितों को मुआवजा, ओलावृष्टि से नुकसान का मुआवजे का वितरण लाभुकों में किया। मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के कथन को याद रखने की जरूरत है, जिसमें उन्होंने कहा था समाज का विकास उस समाज में महिलाओं की स्थिति से परखा जाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में राज्य सरकार के प्रयासों से सशक्त हो रही हैं। राज्य सरकार की योजनाएं महिलाओं के लिए सम्मान के तौर पर हैं।

मंत्री ने कहा कि कल्याण विभाग के सौजन्य से सिलाई मशीन के वितरण करने से महिलाएं सामूहिकता के साथ स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ा रही हैं। सरकार के इन प्रयासों से महिलाओं की पहचान रोजगार के क्षेत्र में स्थापित हो रही है। महिलाएं बेहतर ट्रेनिंग कर सहकारी समितियों से जुड़कर अपना भविष्य खुद संवार सकती हैं। समाज में कई मौके ऐसे आते हैं जब महिलाएं सामूहिक रूप से काम करते हुए पैसा अर्जित करती हैं।

ग्रामीण

मंत्री ने कहा कि ग्रामीण सरकार की योजनाओं से अब भी अनभिज्ञ हैं। लाभुकों को इस बात की भी जानकारी नहीं है कि उनके बैंक खाते में आपदा राहत कोष का पैसा आ रहा है। इसके लिए प्रखंड के अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा।

वहीं इस दौरान चान्हो प्रखंड कार्यालय के जेएसएलपीएस सभागार में 36 महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया गया। इसके अलावा आपदा राहत कोष, सड़क दुर्घटना के आश्रितों के बीच चेक का वितरण किया गया। वहीं मौके पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इश्तियाक, मुखिया शिव उरांव, अब्दुल्ला अंसारी, यास्मीन, सरिता देवी, अजीत सिंह, दिलीप सिंह, जमिल मल्लिक सहित अन्य मौजूद थे।

झारखण्ड आएं, झारखण्ड निवेश के लिए तैयार है:हेमन्त सोरेन

जीआईजीए फैक्ट्री स्थापित करने का प्रस्ताव

#झारखण्ड के फुटबॉल कोचों के प्रशिक्षण हेतु एमओयू का प्रस्ताव

#मुख्यमंत्री ने बार्सिलोना में प्रवासी भारतीय व्यवसायियों एवं विशेषज्ञों से की मुलाकात

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बार्सिलोना/रांची :

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन झारखण्ड में निवेश को आकर्षित करने के लिए स्पेन और स्वीडन की यात्रा पर हैं। इस क्रम में झारखण्ड सरकार को फळऊ एस्त्रंल्ल८ह्व' फुटबॉल क्लब ने खेल विकास, विशेषकर फुटबॉल कोचों के प्रशिक्षण हेतु समझौता ज्ञापन ट्ठ्व पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव दिया है। यह सहयोग बार्सिलोना के उत्कृष्ट खेल इकोसिस्टम, झारखण्ड में खेल खास कर फुटबॉल के विकास को बढ़ावा देगा। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री के

नेतृत्व में झारखण्ड सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने स्पेन के बार्सिलोना में प्रवासी भारतीय व्यवसायियों एवं प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से मुलाकात की। इस क्रम में स्टार्टअप मेंटरशिप, क्लीन एनर्जी, पर्यावरणीय स्थिरता, सप्लाई चेन , बायो-फार्मास्यूटिकल्स, खेल विपणन, क्रिकेट टीम ओनरशिप , डीप-टेक बी2बी मार्केटिंग, लीगल, डेंटिस्ट्री और मेडटेक जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने उद्यमिता, नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सुझाव दिए और झारखण्ड में एक जीवंत स्टार्टअप ईकोसिस्टम के निर्माण में सहयोग देने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को झारखण्ड आने और राज्य में निवेश हेतु आमंत्रित किया है।

फैक्ट्री स्थापित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री ने अ.र. (चेकोस्लोवाकिया) के उरड एवं सह-संस्थापक श्री डुशान लिचार्डस से भी भेंट की। उन्होंने झारखण्ड में एक ग्रक्क्र फैक्ट्री स्थापित करने का प्रस्ताव दिया, जो वाणिज्यिक और औद्योगिक बैटरी भंडारण **शेष पृष्ठ-4.....**

झारखंड में मतदाता सूची में सुधार से संबंधित एक भी अपील नहीं

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के अनुसार हर मतदान केंद्र पर एक बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया जाता है और हर बूथ पर हर राजनीतिक दल को बूथ लेवल एजेंट नामित करने का अधिकार होता है। देश का हर नागरिक जिसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है वह निर्वाचक बन सकता है। इस हेतु नए मतदाता के रूप में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6, मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फार्म 7 एवं मतदाता सूची में प्रविष्टि में सुधार या बदलाव करने के लिए फॉर्म 8 का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके उपरांत बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा इसका सत्यापन किया जाता है एवं उक्त सूची पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) द्वार संशोधन करने हेतु अंतिम निर्णय लिया जाता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24(क) के तहत अगर किसी व्यक्ति को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के निर्णय पर आपत्ति है तो, वह जिला निर्वाचन

पदाधिकारी/डीईओ के समक्ष प्रथम अपील कर सकता है, साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ के निर्णय के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष द्वितीय अपील दायर की जा सकती है।

झारखंड में लगभग 2 करोड़ 62 लाख निर्वाचक हैं। राज्य में 29 हजार से भी अधिक बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रमों में घरझघर जाकर मतदाता सूची में पंजीकृत निर्वाचकों को सत्यापित एवं नये निर्वाचकों का पंजीकरण का कार्य किया जाता है। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट्स ने भी बूथ स्तर पर इन सूचियों को सत्यापित करने का कार्य किया है। वर्तमान में झारखंड में एक भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ या सीईओ कार्यालय के समक्ष मतदाता सूची में संशोधन हेतु कोई भी अपील लंबित नहीं है, जिसका मतलब है कि झारखंड में मतदाता सूची मतदाताओं एवं अन्य सभी के शत प्रतिशत संतुष्टि के करीब है।

Page 2_Page 3.qxd 4/22/2025 8:59 PM Page 1

अधिकाधिक पौधारोपण से ही समृद्ध और खुशहाल बनेगी धरती : प्राचार्य डॉ. गंगवार

अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस पर डीपीएस बोकारो में विद्यार्थियों ने लिया हरित धरा बनाने का संकल्प

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : संपूर्ण जीव-जगत को अपनी गोद में शरण देने वाली धरती मां के प्रति कृतज्ञता अर्पित करने तथा इसकी रक्षा के संकल्प के साथ मंगलवार को डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो में अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया तथा अपनी धरा को सदैव हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राइमरी व सीनियर, दोनों ही इकाइयों में विद्यार्थियों ने इस वर्ष की थीम - हमारी शक्ति, हमारा ग्रह - पर आधारित विभिन्न जागरुकतापरक गतिविधियों में भाग लिया और पृथ्वी की रक्षा का संदेश दिया।

स्पेशल एसेंबली में बच्चों ने कविता, माइम शो (मूक अभिनय), नुक्कड़ नाटक, संभाषण और गीत-संगीत की मनोरम प्रस्तुतियों से धरा बचाने का भावपूर्ण संदेश दिया। वहीं, समूह नृत्य में पृथ्वी पर जैव-विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग आदि के कारण आए संकट का मार्मिक प्रस्तुतीकरण कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने संबोधन में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने धरती की रक्षा के प्रति बच्चों की संवेदनशीलता और इससे संबंधित उनकी प्रस्तुतियों को सराहा। इस वर्ष की थीम के अनुरूप नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की अपील करते हुए उन्होंने धरती को प्रदूषण से बचाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चे ही देश-दुनिया के भविष्य और इस धरा के संवाहक हैं। पृथ्वी की रक्षा के लिए उनकी गंभीरता और जागृति अत्यावश्यक है, ताकि वे बढ़-चढ़कर इस निमित्त आगे आ सकें। उन्होंने धरती की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व और नैतिक धर्म बताया। कहा कि औद्योगीकरण और शहरीकरण की होड़ में वन-संपदा को हुई क्षति ने मां धरती को काफी दुख पहुंचाया है। ऐसी स्थिति में अधिकाधिक पौधे लगाकर ही हम अपने इस ग्रह को हरा-भरा, स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल बनाए रख सकते हैं। साथ ही, मानव और प्रकृति में तभी संतुलन भी बना रह सकेगा। पृथ्वी एक ग्रह मात्र नहीं, संपूर्ण जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है।

ईको क्लब के स्वयंसेवक सम्मानित; मिलेट पर रखे जाएंगे बच्चों के नाम

इस क्रम में विद्यालय को शून्य-कचरा क्षेत्र बनाए जाने के उद्देश्य से गठित ईको-क्लब के पर्यावरण-सेवकों (ईको वॉलंटियर्स) को प्राचार्य ने बैज पहनाकर सम्मानित किया। वहीं, बच्चों ने भांति-भांति की कलाकृतियां और आकर्षक कार्ड भेंट किए। इस बीच विद्यालय के उपप्राचार्य अंजनी भूषण एवं शालिनी शर्मा ने प्राचार्य डॉ. गंगवार को इको क्लब की ओर से मिलेट्स (मोटा अनाज) भेंट किया। प्राचार्य ने सेहत के दृष्टिकोण से मोटे अनाज की महत्ता रेखांकित करते हुए कहा कि कक्षाओं में बच्चों के नाम मिलेट्स के नाम पर रखे जाएंगे, जिससे कि उनमें इसके प्रति जागरुकता आ सके। इसके पश्चात प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने पृथ्वी की रक्षा की शपथ ली। बच्चों सहित विद्यालय के सभी कर्मियों ने दिनभर अर्थ डे का बैज लगाकर काम किया।

शिक्षकों व विद्यार्थियों ने लगाए दर्जनों पौधे

पृथ्वी दिवस पर प्राचार्य डॉ. गंगवार सहित अन्य शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से सघन पौधारोपण अभियान चलाया। विद्यालय की प्राइमरी व सीनियर इकाइयों के परिसर में चंदन, महोगनी, अर्जुन, काजू, आंवला, तेजपत्ता आदि के दर्जनों पौधे लगाए गए। इस क्रम में कई बच्चों ने अपने जन्मदिन को स्मरणीय बनाने के लिए भी पौधारोपण किए।

पृथ्वी दिवस पर बीएसएल में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस हमारी शक्ति, हमारा ग्रह थीम के साथ मनाया गया। इस वर्ष का विषय समुदायों, व्यक्तियों और राष्ट्रों की सामूहिक शक्ति पर प्रकाश डालता है ताकि टिकाऊ समाधानों के माध्यम से इसकी रक्षा और पुनर्स्थापना की जा सके। बीएसएल में पृथ्वी दिवस के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) कुंदन कुमार के नेतृत्व में सेक्टर 05 लाइब्रेरी ग्राउंड के पास वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर महाप्रबंधक (ईसीएस) नवीन प्रकाश श्रीवास्तव, महा प्रबंधक नगर सेवा ए के अविनाश, उप महा प्रबंधक नगर सेवा पी एस सिंह के साथ वरीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि बीएसएल ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 1.10 लाख पौधों का सफलतापूर्वक रोपण किया है। यह व्यापक वृक्षारोपण अभियान न केवल संयंत्र परिसर तक सीमित रहा, बल्कि बोकारो टाउनशिप क्षेत्र में भी प्रभावी रूप से संचालित किया गया। इस प्रयास ने बीएसएल की हरित पर्यावरण एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रमाणित किया है।

विगत वित्तीय वर्ष में, टाउनशिप क्षेत्र में कुल 1,00,873 पौधों का रोपण किया गया। इनमें से सर्वाधिक लगभग 70,000 पौधे उकरीद मोड़ के निकट, जबकि 28,500 पौधे सिटी कॉलेज क्षेत्र में लगाए गए। इसके अतिरिक्त, आशालता केंद्र के समीप 1,375 तथा बीजीएच परिसर के पास 998 पौधों का रोपण किया गया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप टाउनशिप क्षेत्र में हरियाली को एक नया आयाम दिया गया है। संयंत्र परिसर के भीतर भी पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए 9,300 से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इस अभियान के तहत मुख्य रूप से सभी उत्पादन इकाइयों के आसपास व्यापक रूप से वृक्षारोपण किया गया, जो बीएसएल की औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति उसकी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ज्ञातव्य है कि बीएसएल द्वारा गरगा डैम के बेसिन क्षेत्र में कार्बन सिंक का सृजन किया गया है, जहां पूर्व में लगभग 1.6 लाख पौधों का रोपण किया गया था। यह अभिनव पहल न केवल वायुमंडलीय कार्बन को अवशोषित करने की क्षमता को सशक्त बना रही है, बल्कि जल स्तर के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही, यह जैव विविधता को समृद्ध करने एवं भविष्य में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को न्यूनतम करने की दिशा में एक प्रभावशाली प्रयास के रूप में उभर रही है।

बीएसएल द्वारा उठाए गए ये पर्यावरणीय पहलें न केवल टाउनशिप एवं संयंत्र परिसर के हरित आवरण को सुदृढ़ कर रही हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में भारत के संकल्पों के प्रति अपनी सक्रिय भागीदारी को भी दर्शा रही हैं।

उत्पाद विभाग के द्वारा बलहारा गांव में छापामारी की गई

अवैध शराब बनाने के कारखाने को किया गया ध्वस्त

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :अवैध विदेशी शराब एवं स्पिरिट के अवैध गोदाम, निर्माण और परिवहन की सूचना पर अब शराब बनाने के कारखाने में छापामारी की गई।उत्पाद विभाग के द्वारा स्थानीय थाना के सहयोग से घोड़थंबा थाना के अंतर्गत बलहारा गांव में छापामारी की गई। छापामारी का नेतृत्व रवि रंजन, अवर निरीक्षक उत्पाद, गिरिडीह द्वारा किया गया। छापेमारी के दौरान अवैध शराब बनाने वाले उपकरण, जावा महुआ एवं भट्ठी को नष्ट किया गया और जावा महुआ को जब्त किया गया।

साथ ही अवैध शराब कारोबारी कुल 02 अभियुक्त के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया। मौके पर अवर निरीक्षक उत्पाद, गिरिडीह के अलावा सशस्त्र बल एवं गृह रक्षक जवान शामिल थे। छापामारी का उद्देश्य अवैध शराब की भट्ठियों को ध्वस्त करना, शराब कारोबारियों को पकड़ना और अवैध शराब का उत्पादन और बिक्री रोकना है।

संक्षिप्त खबर

युवा योग महोत्सव पर बच्चों ने योगाभ्यास किया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :गिरिडीह के बरगंडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मंगलवार को युवा योग महोत्सव पर बच्चों ने योगाभ्यास किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आनंद कमल ने बताया कि पूज्य बाबा रामदेव के परम शिष्य स्वामी विष्णु देव और कौशल देव का आगमन विद्यालय में हुआ।उन्होंने बच्चों को योग,आयुर्वेदऔर स्वदेशी को अपनाने का संदेश दिया। इस मौके पर हरिद्वार से आए हुए योग साधकों ने कहा कि हम योग करके अपने स्वास्थ्य को ठीक कर सकते हैं और दवाइयों से छुटकारा पा सकते हैं।उन्होंने बच्चों को सूर्य नमस्कार,ताड़ासन, वृक्षासन आदि का अभ्यास कराकर उसके फायदे को बताया। इस मौके पर युवा पतंजलि के जिला प्रभारी रणधीर गुप्ता एवं आचार्य दीदी उपस्थित थे।

पूर्व सांसद तिलकधारी प्रसाद सिंह को राष्ट्रीय सम्मान मिलना चाहिए : ई अनिल चौधरी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :कोडरमा से दो बार लोकसभा सांसद रहे तिलकधारी प्रसाद सिंह बेदाग छवि के नेता थे।अपने क्षेत्र के लोगों के लिए हमेशा खड़ा रहते थे। जब भी किसी की समस्या हो उसके लिए आवाज उठाते थे।तिलकधारी बाबू ने अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत शिक्षक पद को त्याग कर किया था। उनका राजनीतिक सफर एक मुखिया पद से लेकर 12 वर्षों तक जिला परिषद अध्यक्ष, छोटा नागपुर परिषद के अध्यक्ष के साथ-साथ कई अन्य पद भी उनको मिला था।उनको जो भी पद मिला बड़ी तत्परता से निर्वहन किया। कभी किसी काम को निपटाने मे देर नहीं करते थे। स्वर्गीय तिलकधारी बाबू एक बार राजधनवार विधानसभा से विधायक रहे थे और दो बार कोडरमा लोकसभा से सांसद पद के लिए चुने गए थे। अपने राजनीतिक जीवन मे रहते हुए कभी किसी तरह का कोई दाग नहीं था उन पर।सभी दल के लोगों के साथ मिलजुल कर रहते थे।अपने कामों मे राजनीतिक विद्वेष को नहीं आने देते थे, चाहे किसी भी दल के हो अगर उनके पास आते थे तो वे बेझिझक उनका काम करते थे। अपने जन्म से ही कांग्रेस पार्टी के नीतियों से प्रभावित थे जिस कारण पार्टी को अपने मरते दम तक सेवा किए और पूरा झारखंड मे पार्टी के अस्तित्व को बचाए

रखने मे तत्पर रहे। मैं कहूंगा पार्टी ने एक ऐसे नेता खो दिया जिसकी भरपाई करना पार्टी के लिए मुश्किल है। मेरे पिताजी तिलकधारी बाबू के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से एक बार इस क्षेत्र से विधायक भी रहे। दुर्भाग्य है कि आज मेरे पिताजी भी इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन मैं यह भरोसा देता हू आने वाले दिनों में अगर लोगों का आशीर्वाद और प्यार मेरे ऊपर बना रहा तो मैं जरूर तिलकधारी बाबू के सपनों को पूरा करूंगा।उक्त बातें ई अनिल चौधरी ने कही।

झारखंड यूथ फोर्स का अनिश्चित कालीन धरना 30 वें दिन भी जारी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : जमुआ प्रखंड कार्यालय के समक्ष झारखंड यूथ फोर्स का अनिश्चित कालीन धरना मंगलवार को 30वें दिन भी जारी रहा। बताया जाता है कि धरनार्थियों से वार्ता करने डीएसओ, बीडीओ, माइनिंग इंस्पेक्टर धरना स्थल पर कुछ दिन पूर्व गए थे। लेकिन वार्ता विफल रहा। इस बाबत फोर्स के अध्यक्ष गौतम सागर राणा ने बताया कि भ्रष्टाचार चरम पर है और 30 दिन होने के बाद भी पदाधिकारी हमारी बातों को समझना नहीं चाह रहे हैं। जमुआ के कई गांव अब भी जल नल योजना से वंचित हैं। लिहाजा सभी गांवों को जलनल योजना से आच्छादित किया जाय। जमुआ का 24 हजार 945 क्विंटल सरकारी राशन की कालाबाजारी की गई है। जिसकी उच्च स्तरीय जांच हो।अंचल अधिकारी संजय पांडेय और एजीएम बसंत हाजरा के कार्यकाल में हुए कार्यों की जांच करने सहित उनकी आठ मांगे हैं। लेकिन एक नई बात हटना एजीएम को था और बड़े स्पीड के साथ बीएसओ मदन मोहन को हटा दिया। जबतक सार्थक पहल नहीं किया जाता है तबतक यूथ फोर्स के कार्यकर्ता धरना में बैठे रहेंगे। सचिव रंजीत मंडल ने कहा सिस्टम के कारनामों के कारण हम 30 दिन से यहां बैठे हैं। ठीक है और हमारे यूथ फोर्स के अध्यक्ष गौतम सागर राणा बीमार भी हो रहे हैं। इसके लिए हमने प्रखंड विकास पदाधिकारी को संकेत भी दिया है इतनी कड़कड़ाती गर्मी में हम अपने लिए नहीं जनता के लिए बैठे हैं। लेकिन पता नहीं अधिकारियों को क्यों नहीं सुनाई दे रहा धरना में गौतम सागर राणा,रंजीत मंडल, रवि राणा, मंटू यादव, कृष्णा यादव, प्रमोद यादव, सुधीर रजक, कैलाश मंडल, टूपलाल यादव, रीतलाल यादव, गीता देवी, कविता देवी, पीयाशी देवी, सूमा देवी, सारो देवी समेत कई अन्य शामिल हैं।

मधुबन स्थित अर्बन हाट का निरीक्षण किया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, गिरिडीह के निदेशानुसार पीरटांड़ प्रखण्ड अन्तर्गत मधुबन पारसनाथ स्थित अरबन हाट के 25 दुकानों एवं दो फुडकोर्ट को हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प से जुड़े कारिगरों एवं उनसे संबंधित सुयोग्य दुकानदारों के बीच निलामी के जरिए आवंटित किए जाने हेतु प्राप्त निदेश के आलोक में अनुमण्डल पदाधिकारी, डुमरी के द्वारा मधुबन स्थित अर्बन हाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, पीरटांड़ उपस्थित रहे।

कोडरमा के पूर्व सांसद का हुआ निधन, क्षेत्र वासियों ने दी श्रद्धांजलि

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह झारखंड की राजनीति के भीष्म पितामह कहे जाने वाले एक कुशल नेतृत्व क्षमता के महान योद्धा देवरी के धरतीपुत्र एवं कोडरमा लोक सभा क्षेत्र के पूर्व सांसद तिलकधारी सिंह का आकस्मिक निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर सुबह उनके आवास चतरो लाया गया वे 94 वर्ष के थे। सुबह से ही उनके अंतिम दर्शन की भीड़ उमड़ पड़ी। शोक संवेदनाओं का दौर चलता रहा। स्व. सिंह अपनी राजनीतिक जीवन कांग्रेस पार्टी से शुरू की थी और कांग्रेस पार्टी में ही उनकी अपनी राजनीतिक जीवन का पटाक्षेप भी हुआ।वे इंसानियत के धनी ईमानदार और मृदुभाषी एवं उत्कृष्ट प्रतिभा व संस्कार के जनक भी थे। उन्होंने अपनी राजनीतिक जीवन में कभी किसी का मोहताज नहीं हुए और अपनी राजनीतिक विरासत एवं स्वाभिमान को कभी झुकने नहीं दिया। स्व. तिलकधारी बाबू इस क्षेत्र वासियों के लिए एक कुशल राजनीतिज्ञ और गरीब समाज के प्रेरणाश्रोत थे।इस श्रद्धांजलि सभा में गरिमामय उपस्थिति कोडरमा लोक सभा के पूर्व सांसद भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. रविन्द्र राय, जमुआ विधान सभा के पूर्व विधायक सह जेएमएम के केंद्रीय सदस्य केदार हाजरा, जेएमएम के केंद्रीय सदस्य प्रणव वर्मा,कांग्रेस के जिला अध्यक्ष उनके पुत्र धनंजय कुमार सिंह, प्रखण्ड प्रमुख प्रतिनिधि अजय कुमार राय, जिला परिषद सदस्य विमल कुमार सिंह, जिला परिषद सदस्य उस्मान अंसारी, पूर्व जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेत्री गीता हाजरा, अजय तिवारी, विजयनंदन तिवारी, बीरेंद्र तिवारी, सहायक अध्यापक महासंघ के जिला महासचिव सुखदेव हाजरा, प्रखण्ड अध्यक्ष उमेश प्रसाद राय, सचिव उमेश कुमार, जनकल्याण समिति के अध्यक्ष रुपेश सिंह, मांजो राय, रघुनंदन सिंह,अंसारी, राजकुमार राम,वरिष्ठ समाज सेवी फुलचंद हाजरा, बैकुंठ चौधरी, राजद नेता रामकिशुन यादव, कांग्रेस के प्रखण्ड अध्यक्ष मनोज कुमार राय,मुमताज अंसारी, रामकिशुन हाजरा, पंकज राम, चतरो पंचायत मुखिया अयोध्या हाजरा, पूर्व मुखिया सुरेश हाजरा,एमडी जाकिर हुसैन अंसारी, जेएमएम के मंजूर अंसारी, चहाल पंचायत के मुखिया आरिफ अंसारी, जेएमएम के प्रखण्ड सचिव रघु मरांडी, कोषाध्यक्ष व्यास राय, माले के प्रखंड सचिव मुस्तकीम अंसारी, अजय कुमार चौधरी, पुरुषोत्तम कुमार चौधरी, माले प्रवक्ता कुलदीप राय, रामकिशुन यादव, भाजपा के जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, अविनाशचंद राय, ढेंगाडीह पंचायत मुखिया बनारस राय, पंचायत समिति सदस्य राजीव रंजन राय, बच्चू राय, अजय डॉक्टर, हरियाडीह के मुखिया बाबुमणि सिंह, फाल्गुनी राय, भुनेश्वर हाजरा, पूर्व जिला परिषद सदस्य मीरा तिवारी, लालगोविंद मिश्र, बांसडीह के पूर्व मुखिया राजनारायण देव, किशोर सिंह, किशोर वर्मा, 20 सूत्री उपाध्यक्ष धोकल दास, पूर्व मुखिया कांग्रेस नेता रामनारायण दास, अर्जुन तुरी, अब्दुल मियां, सहायक अध्यापक तसलीम अंसारी, उपेन्द्र राय, अवध किशोर राय, सहायक शिक्षक विनय कुमार राय, अनिल कुमार राय, शोभन हाजरा, रामदेव बाबा, मनोज हाजरा, बरुण राय, इसके अलावा इस श्रद्धांजलि सभा में गिरिडीह के डीसी नमन प्रियेश लकड़ा, एसपी विमल कुमार, देवरी प्रखण्ड के बीडीओ कुमार बंधु कश्यप,सीओ, थाना प्रभारी सोनू कुमार साहू सहित तमाम प्रशासनिक पदाधिकारी, तमाम मीडिया कर्मियों, तमाम सहायक अध्यापक , जन प्रतिनिधि, समाज सेवी सहित सभी समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

त्रिसाइकिल वितरण हेतु 18-55 वर्ष वर्ग लाभुकों के मुल्यांकन हेतु शिविर आयोजित किया जायेगा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के द्वारा पत्र प्रेषित कर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, गिरिडीह, जमुआ, धनवार, गाण्डेय, तिसरी, गावां एवं देवरी को निर्देश दिया गया कि गिरिडीह जिला अन्तर्गत निःशुल्क मोटोरिजेड त्रिसाइकिल वितरण हेतु 18-55 वर्ष वर्ग लाभुकों का मुल्यांकन हेतु शिविर आयोजित किया जाना है।

शिविर आयोजित करते हुए उक्त कम्पनी को आवश्यक सहयोग प्रदान करते हुए योग्य लाभुकों का चयन कर सूची जिला समाज कल्याण कार्यालय, गिरिडीह को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

शिविर का आयोजन इन सभी प्रखंडों में पूर्वाह्न 11:00 बजे से गिरिडीह, जमुआ, धनवार, गाण्डेय, तिसरी, गावां एवं देवरी प्रखंड के प्रखण्ड कार्यालय परिसर में किया जायेगा। 23 अप्रैल को गिरिडीह प्रखंड, 24 अप्रैल को देवरी प्रखंड, 25 अप्रैल को धनवार प्रखंड, 26 अप्रैल को गांडेय प्रखंड, 28 अप्रैल को तीसरी प्रखंड, 29 अप्रैल को गांवा प्रखंड,30 अप्रैल को जमुआ प्रखंड में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

अपनी जमीन का सर्वे कराने के लिए पहले से तैयारी करके रखना है : अवधेश कुमार सिंह

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :रैयत को अपनी जमीन का सर्वे कराने के लिए, पहले से तैयारी करके रखना है और क्या सावधानी बरतनी है के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए मंगलवार को किसान जनता पार्टी की एक बैठक झंडा मैदान गिरिडीह में हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए किसान जनता पार्टी के केंद्रीय कमिटी अध्यक्ष सह अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि 6 दिसंबर 2024 को झारखंड उच्च न्यायालय में रिट याचिका की सुनवाई के दौरान झारखंड सरकार ने 6 महीना के अंदर झारखंड में जमीन सर्वे का काम पूरा कर लेने का हलफनामा दायर किया है।झारखंड के लातेहार और लोहरदगा जिला में जमीन सर्वे का पूरा भी हो गया है। ऐसे में गिरिडीह जिला में भी किसी भी क्षण जमीन सर्वे का काम शुरू हो सकता है। गिरिडीह जिला के कई अंचलों में अंचल अधिकारी ने पैसे के प्रलोभन में आकर किसानों के जमीन को भूमाफियाओं के नाम पर मूल रजिस्टर टू में जमाबंदी कायम कर दिया है। तिसरी, गिरिडीह एवं बेंगाबाद अंचल अधिकारी द्वारा किए गए इस व्यापक गड़बड़ी से गांव के सीधे साधे गरीब किसान अनजान हैं। गांव के भोले भाले किसानों को यह लगता है कि उसके पास जमीन का केवाला, पर्चा, खतियान और रसीद है तो भला उसके जमीन को कैसे कोई दूसरा व्यक्ति अपने नाम पर करा सकता है पर उन्हें यह मालूम नहीं है कि रजिस्टर टू में जिसका नाम है उसी को सरकार जमीन का मालिक मानती है। ऐसे में अंचल अधिकारी द्वारा किए गए गड़बड़ियों का पदाफांश तब ही हो सकता है जब पूरा मौजा के रजिस्टर टू का सत्यापित प्रति एक साथ निकालकर उस मौजा के रैयतों के बीच वितरित किया जाय। किसान जनता पार्टी के संयोजक दासो मुर्मू ने कहा कि किसान जनता पार्टी की ओर से अवधेश कुमार सिंह ने झारखंड उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर किया था उसमें न्यायालय ने 27 फरवरी 2024 को ही आदेश पारित कर झारखंड सरकार को गिरिडीह जिला के सभी मौजा के रजिस्टर टू की सत्यापित प्रति उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। पर जहां के अंचल अधिकारी ने व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी की है वहां के अंचल अधिकारी रजिस्टर टू देने में सोची समझी साजिश के तहत विलंब कर रहे हैं ताकि उनके काले कारनामे का पदाफांश नहीं हो और सर्वे के समय रैयतों से जमकर मुद्रमोचन किया जा सके। बैठक में निर्णय लिया गया कि किसान जनता पार्टी गिरिडीह जिला के वैसे सभी मौजा में एक एक मौजा अध्यक्ष का अतिशीघ्र चयन करेगा जो साक्षर हो, शराबी नहीं हो, किसी दूसरे पार्टी में नहीं हो, थाना, ब्लॉक या अन्य कार्यालयों में भ्रष्ट अधिकारियों का दलाली नहीं करता हो तथा किसान जनता पार्टी के कार्यक्रमों व आंदोलन में निस्वार्थ भाव से निडरतापूर्वक भाग लेने का साहस रखता हो। मौजा अध्यक्ष के सहयोग से बिना घूस का पूरे मौजा का रजिस्टर टू निकालने, प्लॉट ऑनलाइन इंट्री कराने, उत्तराधिकार दाखिल खारिज कराकर मृत पूर्वजों के जगह पर जीवित किसानों के नाम पर जमीन कराने का अभियान चलाने का निर्णय लिया गया ताकि आसानी से लोग अपना जमीन का सर्वे कराकर अपने नाम से खतियान बना सके।

Page 3_Page 3.qxd 4/22/2025 10:07 PM Page 1

बीसीसीएल के अन्नपूर्णा सभागार में नारी शक्ति से विकसित भारत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा कार्यक्रम में हुई शामिल

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : वीमेन इन पब्लिक सेक्टर (विप्स) के तत्वावधान में उपायुक्त धनबाद सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में बीसीसीएल के अन्नपूर्णा सभागार कोयला नगर में ह्यनारी शक्ति से विकसित भारतह्न विषय पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मूल रूप से बीसीसीएल की महिला कार्मिकों को समर्पित इस सांस्कृतिक समारोह-सह-कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण की दिशा में बीसीसीएल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की एक सशक्त प्रस्तुति थी, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महिलाओं की भूमिका की विवेचना एवं उनके योगदान को रेखांकित करते हुए सार्वजनिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी तथा विशेषकर माइनिंग उद्योग में महिलाओं की सहभागिता एवं उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना था. आयोजन इस वर्ष महिला दिवस 2025 के अवसर में बीसीसीएल मुख्यालय एवं भिन्न क्षेत्रों में आयोजित गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतिस्पर्धाओं इत्यादि की समापन कड़ी के रूप में भी मनाया गया. जिसमें उक्त गतिविधियों एवं प्रतिस्पर्धाओं में विजयी प्रतिभागियों एवं महिला कर्मियों को पुरस्कृत किया गया.उपायुक्त सुश्री मिश्रा के अतिरिक्त कार्यक्रम में दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती पूर्बिता रमैया, श्रीमती नमिता सहाय तथा श्रीमती रंजना सिंह भी उपस्थित रही. निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया भी कार्यक्रम में शामिल हुए. औपचारिक रूप से बीसीसीएल की ओर से मुख्य अतिथि उपायुक्त, धनबाद तथा दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्षों का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत अभिनन्दन किया. सीएमएस डॉ. पूनम दुबे भी उपस्थित रही.अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने अपने ओजस्वी और प्रेरणादायक संबोधन में महिला सशक्तिकरण के बहुआयामी पहलुओं पर प्रकाश डाला और कहा कि महिलाओं को हर परिस्थिति में खुद पर भरोसा होने के साथ अपने-आप पर गर्व होना चाहिए. उन्होंने कहा कि जब एक महिला आगे बढ़ती है, तो वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए रास्ता बनाती है.खनन जैसे पारंपरिक पुरुष-प्रधान क्षेत्र में महिलाएं जिस प्रकार निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं, वह अनुकरणीय है.उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बीसीसीएल को बधाई दी तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की.इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य हेतु बीसीसीएल की दो महिला कार्मियों, अधिकारी श्रेणी में सीएमएस डॉ. पूनम दुबे तथा गैर-अधिकारी श्रेणी में श्रीमती लक्ष्मी कुमारी (जनरल असिस्टेंट, सिजुआ एरिया) को पौधा एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया.निदेशक (मानव संसाधन) श्री रमैया ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि आयोजित कार्यक्रम केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं की हर क्षेत्र विशेषकर सार्वजनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी का स्वीकरण है, जो बीसीसीएल जैसे किसी भी संस्थान के लिए प्रेरणास्पद है.दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती पूर्बिता रमैया ने सभा को संबोधित करते हुए महिला मंडल द्वारा किए जा रहे समाजसेवी कार्यों की जानकारी दी और कहा कि महिलाओं के पास समाज निर्माण की असाधारण क्षमता है. उन्होंने एक कविता के माध्यम से यह अभिव्यक्त किया कि जब महिलाओं को केवल सहयोगी नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया जाता है, तभी समाज में सच्चा परिवर्तन आता है.दिवस के कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान और कोल इंडिया के कॉर्पोरेट गीत के साथ हुई.जिसके पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप-प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ किया गया.सांस्कृतिक टीम द्वारा स्वागत गीत के पश्चात वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती निर्मला किरण ने स्वागत भाषण दिया.जिसके उपरांत मुख्यालय की टीम द्वारा एक सुंदर समूह गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया. तत्पश्चात वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से महिला दिवस के उपलक्ष्य में बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों और मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां प्रस्तुत की गई.

इसके अतिरिक्त संभलपुरी लोक नृत्य तथा क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें महिला सशक्तिकरण, बीसीसीएल की उपलब्धियों और सामाजिक विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। इसके पूर्व कार्यक्रम के अंतिम सत्र में उन विजेताओं को सम्मानित किया गया.जिन्होंने महिला दिवस के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था.कार्यक्रम में मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बीसीसीएल की महिला अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थी.कुल 48 महिला कार्मियों को सम्मानित किया गया.जिन्होंने महिला दिवस समारोहों के दौरान भिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया था. मंच संचालन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री गार्गी मुखोपाध्याय एवं योगिता सकलानी ने संयुक्त रूप से किया तथा धन्यवाद शोभा जैतुन कुजूर (विभागाध्यक्ष, अधिकारी स्थापना विभाग) ने व्यक्त किया. कार्यक्रम में सुश्री मधु स्मिता लकड़ा, किरन रानी नायक आदि का सराहनीय योगदान रहा.

संक्षिप्त खबर

झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक में बांग्ला भाषा को लेकर उग्र आंदोलन करने पर बनीं रणनीति

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

निरसा : झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक निरसा विधानसभा के समिति अध्यक्ष बबलू दास के आवासीय कार्यालय में हुई. बैठक में समिति के संस्थापक बेंगु ठाकुर व निरसा विधानसभा अध्यक्ष बबलु दास मौजूद थे. इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने बांग्ला नव वर्ष को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी. बैठक में बेंगु ठाकुर व निरसा अध्यक्ष बबलु दास ने कहा कि, पूरे झारखंड में एक करोड़ 20

लाख 26 हजार बांग्लाभाषी हैं. आज भी निरसा विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों की मूल भाषा बांग्ला है.जमीन के खतियान एवं कागज भी बांग्ला में ही लिखे हुए हैं. इसके बावजूद साजिश के तहत बांग्ला भाषा का अस्तित्व मिटाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है.समिति सरकारी स्कूलों में मातृभाषा की पढ़ाई की मांग करती रही है. मातृभाषा की रक्षा के लिए समाज के लोग अब उग्र आंदोलन करेंगे.इसमें घर की महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल रहेंगे, किसी भी हालत में मातृभाषा के साथ खिलवाड़ को

हमलोग बर्दाश्त नहीं करेंगे. बैठक में माया दास, सुनीती चंद्र, मौमिता मुखर्जी, रिमझिम मुखर्जी, आकृति जायसवाल, प्रिया सेन, ममता दे आदि मौजूद थे. सभी ने एक स्वर से झारखंड सरकार से स्कूलों में बांग्ला भाषा में पढ़ाई शुरू करवाने की मांग की.कहा कि सरकार बार-बार इसकी घोषणा करती है पर पढ़ाई शुरू नहीं करवाती है.ऐसे में झारखंड में बांग्ला भाषा की लगातार अवहेलना हो रही है. इसे अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, सबको एकजुट होकर आंदोलन करना होगा.

पानी बिजली व रोजगार की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया मधुबन वाशरी का चक्का जाम

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : बीसीसीएल ब्लॉक दो क्षेत्र के मधुबन कोल वाशरी से प्रभावित खानुडीह के ग्रामीणों ने पानी, बिजली एवं बेरोजगारों को रोजगार देने सहित छह सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को आजसू के अगुवाई मे वाशरी लोडिंग प्वाइंट का चक्का जाम कर अनिश्चित कालीन धरना पर बैठ गये. जिससे रैक लोडिंग एवं वाश्ड कोल का ट्रांसपोर्टिंग बाधित हो गया है. नेतृत्व कर रहे पूर्व मुखिया गोपाल महतो का कहना है कि मांगों का शीघ्र समाधान के लिए सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने महाप्रबंधक को अनुशंसा पत्र प्रेषित किया गया है. जिसमें सीएसआर योजना के तहत पानी, बिजली, स्वास्थ्य व शिक्षा की व्यवस्था को गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए यथाशीघ्र समुचित कार्रवाई करने का अनुशंसा किया गया है. लेकिन प्रबंधन द्वारा ग्रामीण के उपरोक्त मांगों को समाधान करने के बजाय टालमटोल की नीति अपना रही है. प्रदूषण के रोकथाम के लिए आवश्यक कदम भी नहीं उठाया जा रहा है. ठेका कर्मियों को एचपीसी वेतन भी नहीं दिया जा रहा है. बसंती चौक पर अंधेरा पसरा हुआ है. बाध्य होकर ग्रामीणों ने आंदोलन शुरू किया. कहा कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा. मौके पर सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार, सुभाष रवानी, पिंकू पांडेय, खानु महतो, शंकर महतो, राजेश महतो, संदीप पांडेय, अमृत मांझी, सोनू पांडेय, सिताराम मांझी, अशोक महतो, खोगन दास, संतोष महतो, पिंटू महतो, मनोज महतो, डेगलाल महतो, तुलसी महतो, महेश झांझी, धनीराम महतो, चंदन कुमार महतो आदि मौजूद थे.

फतेहपुर प्रखंड में चौकीदार भर्ती के एडमिट कार्ड 24 अप्रेल तक मिलेंगे : अंचल अधिकारी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : चौकीदार के पद पर सीधी और बैकलॉग नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र 22 से 24 अप्रैल तक अंचल कार्यालय फतेहपुर में दिए जा रहे हैं। इसी दौरान चार टेबल पर रोल नंबर के अनुसार प्रवेश पत्र वितरित किए जा रहे हैं। टेबल नम्बर 1 पर निखिल कुमार, निम्न वर्गीय लिपिक और सीमन्त मंडल, अमीन को 198 अभ्यर्थियों के लिए रोल नम्बर 21010001 से प्रवेश पत्र देने की जिम्मेदारी दी गई है। टेबल नम्बर 2 पर उत्पल सोरेन, राजस्व उपनिरीक्षक और राजीव कुमार मंडल, अनुसेवक को रोल नम्बर 21010197 से 21010398 तक 202 अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र देने हैं। टेबल नम्बर 3 पर प्रकाश कुमार रजक, उच्च वर्गीय लिपिक और मलय मंडल, कम्प्यूटर ऑपरेटर को रोल नम्बर 21010399 से 21010594 तक 196 अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र देने की जिम्मेदारी दी गई है। टेबल नम्बर 4 पर सुनील सोरेन, राजस्व उपनिरीक्षक और अनन्त मंडल, अनुसेवक को रोल नम्बर 21010595 से 21010785 तक 191 अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र देने हैं। सीओ हिम्मतलाल महतो ने बताया कि कुल 785 अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र तैयार किए गए हैं। मंगलवार को 375 प्रवेश पत्र वितरित किए जा चुके हैं। कुल विट संख्या 140 है। रिक्त पद 86 हैं। शेष दिनों में सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र उपलब्ध करा दिए जाएंगे। सीओ ने अपील की है कि अभ्यर्थी स्वयं अंचल कार्यालय पहुंचकर जल्द से जल्द प्रवेश पत्र प्राप्त कर लें।

भौंरा फोर ए पैच आउटसोर्सिंग में मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल व सीआईएसएफ को तैनात कर उत्पादन शुरू

कार्य शुरू होने से प्रबंधन ने ली राहत की सांस, आउटसोर्सिंग मजदूरों में छायी खुशी

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौंरा: पूर्वी झरिया क्षेत्र अंतर्गत संचालित हो रही भौंरा फोर ए पैच आउटसोर्सिंग में धारा 163 लगने के बाद भारी पुलिस बल और सीआईएसएफ और मजिस्ट्रेड की उपस्थिति में मंगलवार शाम से उत्पादन शुरू हो गई है. पैच से कोयला,ओबी निकासी के साथ कोल डिस्पैच भी शुरू हो गई है.कार्य शुरू होने से जहां एक ओर प्रबंधन ने राहत कि सांस ली है, वही दुसरी ओर आउटसोर्सिंग में कार्यरत कर्मियों में भी खुशी देखी जा रही है. बताते चले कि ग्रामीणों के विरोध के कारण पिछले मंगलवार से आउटसोर्सिंग परियोजना बंद थी .वहां ग्रामीण सड़क बनवाने,जमीन के बदले में बकाया मुआवजा भुगतान , पानी, बिल सहित आठ सुत्री मांगों को लेकर पिछले 15 अप्रैल से उक्त परियोजना के पैच को बंद रखा था. आउटसोर्सिंग में कार्यरत कर्मियों को आउट सोर्सिंग प्रबंधन ने नो वर्क नो

पे का नोटिस थमा दिया था. इधर धनबाद जिला प्रशासन कि ओर से तनाव कि स्थिति को देखते हुए पैच के 200 मीटर कि परिधि में धारा 163 लगा दिया गया था. साथ ही स्थानीय पुलिस के अनुशंसा पर तीन ग्रामीणों के खिलाफ धारा 126 के तहत धनबाद एसडीओ ने कार्रवाई भी शुरू कर दिया है. साथ ही एसडीओ धनबाद ने तीनों ग्रामीणों को मंगलवार को कोर्ट में हाजिर होने को कहा है.

इधर सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ग्रामीणों से मिलने के लिए मंगलवार को भौंरा जहाजटांड़ बस्ती पहुंचे थे.ग्रामीणों से उनकी समस्या व मांगो कि जानकारी ली.इस दौरान विधायक ने पत्रकारों से कहा कि हम ग्रामीणों से उनकी समस्या जानने आए थे, ग्रामीणों कि मांग को बीसीसीएल प्रबंधन को पूरा करना चाहिए, प्रबंधन ग्रामीणों से वार्ता करे. उन्हें उनकी जमीन के एवज में मुआवजा नियोजन मिलनी चाहिए, दूसरी ओर भौंरा पुलिस विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस बल बुला लिया है. परियोजना के आसपास कई पुलिस जवानों की तैनाती भी की गयी है.पुलिस पैच के आसपास किसी को जमने नहीं दे रही है. परियोजना के पास धरना प्रदर्शन के लिए लगी टेंट को भी पुलिस ने हटा दिया है.इधर पिछले आठ दिनों से परियोजना बंद रहने से बीसीसीएल को करीब 10 करोड़ रुपए कि क्षति उठानी पड़ी है. वही राज्य सरकार को भी करीब 3 करोड़ से अधिक का राजस्व का नुक्सान हो चुका है. जबकि आउट सोर्सिंग कम्पनी को भी लाखों कि क्षति उठानी पड़ी है.

दूसरी ओर आउट सोर्सिंग मजदूरों में भी धीरे धीरे आक्रोश बढ़ता जा रहा है.पिछले आठ दिनों से रोज अपने कार्य स्थल पर पहुंचकर घर वापस लौट रहे थे.उन मजदूरों का कहना है कि हम गरीब मजदूरों का आखिर क्या कसूर है, हमलोग मजदूरी करके अपना घर परिवार चलाते है.पूर्वी झरिया क्षेत्र के महाप्रबंधक जेसी राय ने कहा कि देश कि ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोल निकासी जरूरी है. कम्पनी ग्रामीणों कि मांगो को नियमानुसार पूरा करने का प्रयास करेगी.

महुदा डीएवी पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर किया गया नुक्कड़ नाटक का मंचन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

महुदा : डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा में मंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया. इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र -छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के रूप सज्जा कर नुक्कड़ मंचन में हिस्सा लिया. नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आधुनिक विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन से बचने एवं उसका संरक्षण करना आदि विषयों को उठाया गया. विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक आरके सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल 22 अप्रैल के दिन विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है, पृथ्वी दिवस मनाने का मकसद पर्यावरण संरक्षण की तरफ सभी का ध्यान खींचना और यह कोशिश करना है कि सभी लोग पृथ्वी को खुशहाल बनाए रखने में योगदान दें.

भारी मात्रा में पेड़ काटे जाने, नदी व वायु प्रदूषण के चलते बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग पूरे विश्व के लिए खतरे का संकेत है. हर किसी को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए. आज विश्व पृथ्वी दिवस के दिन सभी को पर्यावरण को बेहतर बनाने व पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए. इस दौरान विद्यालय परिवार की ओर से छात्रों के साथ पर्यावरण को अभिन्न अंग मानते हुए, जल, वायु, पृथ्वी को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया.

भागवत बनें सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण एसएमएस के नेशनल इंचार्ज

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण एस एम एस के पुनर्गठन में 43 पुस्तकों के लेखक भागवत प्रसाद वशिष्ठ को सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण एस एम एस के भारत का नेशनल इंचार्ज के रुप मनोनीत किया गया है, संतोष कुमार शर्मा अध्यक्ष,डा. रघुवंश प्रसाद मिश्रा सचिव,डा.अनुराधा कोषाध्यक्ष बने हैं। साथ ही झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष त्रिलोचन पाण्डेय, सुरेश चंद्र तिवारी प्रदेश सचिव, गोपाल पाण्डेय एसडी,एन के मिश्रा सीएमडी आदी के साथ प्रमोद कुमार, श्रीमती कुमारी, मोहम्मद जाहिद, अनीस अंसारी, बैद्यनाथ साहु, मिथिलेश पाण्डेय, अरुण कुमार राजवंशी, शुभाशीष पाण्डेय आदीअन्य लोगों को मनोनीत किया गया है। स्टेट बार कौंसिल एक्स्क्यूटिव कमिटी के को चेयरमैन राधेश्याम गोस्वामी,प्रमोद कुमार दूबे, बोबी पाण्डेय, सुभद्रा झा, राजीव रंजन त्रिवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता रमाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता दीपक कुमार चौबे, वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश तिवारी आदी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी.इस अवसर पर सुरेश चंद्र तिवारी प्रदेश सचिव ने कहा कि जो जिम्मेदारी हमें मानवाधिकार की ओर से सौंपा गया है उसे हर-संभव पुरा करने का प्रयास करेंगे। सामाजिक दोहन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई जायेगी।

सरस्वती शिशु मंदिर श्यामडीह में राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा संपन्न

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

कतरास : सरस्वती शिशु मंदिर श्यामडीह में 17 अप्रैल से 23 अप्रैल 2025 सीबीएसई के तत्वावधान में राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ कतरास बाजार की समाज सेविका डॉ मधुमाला ने सरस्वती वंदन-पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया.अतिथियों का परिचय कराते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य अभिमन्यु कुमार ने कार्यक्रम पर प्रकाश डाला. विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डॉ संजय कुमार ने भैया,बहनों को पोषण और कुपोषण के अंतर को समझाते हुए बताया कि हमारे खान-पान इसका प्रमुख कारण है जंक फूड्स खाने से बच्चे मोटापा और कुपोषण का शिकार हो जाते है. हमें यदि बीमारियों से बचना है तो जंक फूड्स, सोफ्ट ड्रिंक को छोड़कर प्राकृतिक कंद-मूल, फल, सब्जियाँ, दूध, दही, पनीर इत्यादि का सेवन करना चाहिए.

मुख्य अतिथि श्रीमती डॉ मधुमाला ने भैया,बहनों को संतुलित आहार, दूध से निर्मित मक्खन, पनीर, छेंछ, चना, हरी सब्जियां, चावल, ड्राई फ्रूट्स खाने की सलाह दी तथा आधुनिक फास्ट फूड पिज्जा, बर्गर या जंक फूड्स से बचने को कहा. इन कूडा, खाद्य के प्रयोग से शरीर में मोटापा के साथ भयंकर बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाएगा.कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अभिमन्यु कुमार ने मुख्य अतिथि तथा सभी अभिभावकों, भैया,बहनों, आचार्यों, उप प्रधानाचार्य को धन्यवाद ज्ञापन किया.

झारखंड विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा की वार्षिक बैठक आयोजित

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

रांची : झारखंड विधानसभा सह सभापति राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखण्ड शाखा रवीन्द्रनाथ महतो ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य से शुरू की। सीपीए झारखंड शाखा के पूर्व सदस्य

कृष्णानंदन झा एंव बच्चा सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन धारण भी किया गया।

अध्यक्ष ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की स्थापना एवं संगठन की भूमिका के संबंध में कहा कि वर्ष 1911 में गठित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ 56 देशों का भव्य संगठन बनकर उभरा है जो संयुक्त राष्ट्र संघ के बाद दूसरा सबसे बड़ा संगठन है।सुशासन लोकतंत्र एवं मानव अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए तथा कानून निर्माण के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।अध्यक्ष ने यह भी कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ जैसे बड़े संगठन में हम अपनी उपस्थिति दर्ज कराने तक सिमित न होकर,ऐसे सम्मेलन से राष्ट्र की तरक्की में हम अपनी भागीदारी किस तरह निभा पाये इस पर भी हमें सोचना चाहिए। आगामी सम्मेलन के संबंध में उन्होंने बैठक में जानकारी दी कि 06 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक सीपीए का 68 वां सम्मेलन सम्मेलन बारबाडोस में आयोजित होगी।प्रभारी सचिव झारखंड विधानसभा सह सचिव राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा माणिक लाल हेम्ब्रम बैठक में वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किए एवं जानकारी दी कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा के सदस्यों की संख्या वर्तमान में 137 है।

उक्त बैठक में संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री दीपक बिरूवा, सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिंह , सदस्य जनार्दन पासवान, सदस्य डॉक्टर नीरा यादव, सदस्य निरल पूर्ती, सदस्य उमाकांत रजक, सदस्य रामचंद्र सिंह, पूर्व सदस्य दिनेश उरांव, पूर्व सदस्य शशांक शेखर भोक्ता, पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह सहित सीपीए झारखंड शाखा से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर मुगमा डीएवी पब्लिक स्कूल में विशेष सभा समारोह आयोजित

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

निरसा : पर्यावरण संरक्षण के लिए बच्चों को जागरूक करने और संवेदनशील बनाने के लिए, आज डीएवी पब्लिक स्कूल मुग्मा ने स्कूल परिसर में उत्साहपूर्वक 'पृथ्वी दिवस समारोह' का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एक विशेष सभा आयोजित की गई. जिसमें एलकेजी से लेकर कक्षा दशम तक के विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने पृथ्वी को बचाने के महत्व और हमारे ग्रह को बचाने के लिए अपनाए जा सकने वाले उपायों के बारे में अपने विचार साझा किए.हमारे ग्रह के महत्व और हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा

रखने के उपायों पर आधारित एक हैंड-आउट छात्रों को दिया गया.बच्चों को जागरूक किया गया कि 'हर दिन एक पृथ्वी दिवस है' और पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य अधिक से अधिक पेड़ लगाकर और कम प्रदूषण करके हमारी धरती को हरा-भरा और हमारे आसमान को नीला रखना है. प्रिंसिपल एस चट्टोराज ने विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में एक विशेष संदेश दिया और बताया कि कैसे हम सभी अपने दैनिक अनुष्ठानों और आदतों में छोटे-छोटे समायोजन करके बदलाव ला सकते हैं.बच्चों ने पृथ्वी दिवस पर ज्ञानवर्धक नाटक प्रस्तुत किए ह्नहमारी प्यारी धरती मां के संरक्षण का महत्वह्न.

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा रचनात्मक समूह गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत किए गए. ह्नपर्यावरण बचाओ-पृथ्वी बचाओह्नपर ऐसे सशक्त संदेशों को देखना बहुत ही मार्मिक और ज्ञानवर्धक था. अंत में फिर से प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल के प्रधानाचार्य ने कहा कि ह्नहमारे बच्चे हमारा भविष्य हैंह्न और हम सभी को पर्यावरण में सकारात्मक योगदान देने के लिए अपना योगदान देना चाहिए, क्योंकि यह हमारे बच्चों के लिए हमारे द्वारा किया जाने वाला सबसे अच्छा निवेश होगा.

संक्षिप्त खबरें

मेगा टिकट जांच में 440 बेटिकट यात्रियों से 2 लाख 40 हजार जुर्माने की गई वसूली

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर मंगलवार को विशेष मेगा टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान में 440 बेटिकट यात्री पकड़े गए। पकड़े गए इन यात्रियों से जुर्माने के रूप में करीब 2 लाख, 40 हजार 885 रुपये की वसूली की गई। डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीणा के निर्देश पर सीनियर डीसीएम के निगरानी में विशेष मेगा टिकट जांच अभियान सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक प्लेटफार्मों सहित एफओबी और ट्रेनों में टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों से टिकट लेकर यात्रा करने की नसीहत दी जा रही थी। यात्रियों के बीच जागरूकता अभियान चला कर हर संभव जरूरत के अनुसार टिकट लेकर रेल यात्रा करने का संदेश दिया गया। टिकट जांच में डीडीयू रेल मंडल के एसीएम और आर के सिन्हा ,गया जंक्शन के सीआईटी (प्रशासन) आर आर सिन्हा सहित टीटीई, टीसी, चेकिंग स्टाफ व आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी व जवान शामिल थे।

स्वच्छता व्यवस्था पर नियमित निगरानी जरूरी : डीडीयू डीआरएम

डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीणा ने डिवीजन के लोगो को दिया अपना संदेश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया :पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू सहित गया जंक्शन पर मंगलवार को एक व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत सकुर्लेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफार्मो, पोर्टिको, नालियों, रेल लाइनों तथा यात्रियों के उपयोग वाले समस्त क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। डीआरएम उदय सिंह मीणा ने स्टेशन पर तैनात सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्वच्छता व्यवस्था पर नियमित निगरानी रखें तथा यह सुनिश्चित करें कि स्टेशन परिसर में हर समय साफ-सफाई बनी रहे।स्टाफ एवं यात्रियों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्टेशन पर स्वच्छता बनाए रखने का संदेश देते हुए कहा कि इसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता के प्रति किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य में नहीं है। स्वच्छता और साफ सफाई के प्रति लापरवाही की शिकायत मिलने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ स्टेशन और साफ सुथरा प्लेटफॉर्म बनाए रखने में यात्रियों की भी अहम भूमिका होती है। इसके लिए यात्रियों को भी हर संभव सहयोग देना चाहिए। डीडीयू जंक्शन सहित आसपास के स्टेशनों पर भी विशेष स्वच्छता अभियान का संचालन किया गया।

फतेहपुर में शराबी पति ने पत्नी को पीटकर किया जख्मी, पत्नी ने भेजवाया जेल

फतेहपुर (गया): फतेहपुर थाना क्षेत्र के बगोदर गांव में एक शराबी पति ने अपनी पत्नी को खंती से मारकर जख्मी कर दिया। पत्नी के तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।बगोदर गांव की रहने वाली पीड़ित महिला बबिता देवी ने पुलिस को बताया कि उसका पति अरविंद कुमार सोमवार की शाम में शराब के नशे में धुत होकर घर आया। वह घर आते ही उसके साथ गाली गलौज करने लगा। गाली देने से जब वह मना की तो शराबी पति उसके साथ मारपीट करने लगा। उसने खंती से मारकर उसका हाथ जख्मी कर दिया। साथ ही पुरे शरीर चोटिल हो गया। पीड़िता ने बताया कि मारपीट से जब उसका मन नहीं भरा तो घर में आग लगा दिया। आग लगने से घर में रखा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। उसने पति पर बराबर शराब के नशा में घर आकर उसके मारपीट व प्रताड़ित करने का आरोप लगाई है। उसने कहा कि उसका पति घर का खर्चा भी नहीं देता है। वह किसी तरह से गांव में मेहनत मजदूरी करके बच्चों का भरण पोषण करती है।थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि पति के मार से जख्मी हुई पत्नी बबीता देवी को सीएचसी में इलाज कराया गया। उसके लिखित आवेदन पर थाना में पति अरविंद कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पटना के आसमान में दिखा शौर्य का पराक्रम, सूर्यकिरण की कलाबाजियों ने रचा इतिहास

पटना,(एजेंसी) : राजधानी पटना का जेपी गंगा पथ मंगलवार को गर्व और रोमांच का गवाह बना, जब भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम ने आकाश में अद्भुत करतब दिखाए। यह नजारा सिर्फ एक एयर शो भर नहीं था, बल्कि वीरता, अनुशासन और देशभक्ति का जीवंत प्रदर्शन भी था। इस दौरान शौर्य दिवस की गरिमा को नई ऊंचाइयां मिली और बाबू वीर कुंवर सिंह के शौर्य को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने की सराहनीय पहल भी हुई।

बिहार सरकार की ओर से महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती को शौर्य दिवस के रूप में मनाने की पहल को एक ऐतिहासिक रंग मिल रहा है। नौ हॉक-132 जेट विमानों ने पटना के नीले आकाश को अपनी लहरदार फॉर्मेशन, लूप्स और धमाकेदार डाइव्स से सजा दिया।

इस रोमांचक प्रदर्शन को देखने के लिए हजारों की संख्या में छात्र, बच्चे और आमजन सभ्यता द्वार के सामने उमड़े। बच्चों की आंखों में उत्साह था, युवाओं के चेहरों पर देशभक्ति की चमक और हर दिल में भारतीय वायु सेना के प्रति गर्व का भाव दिखाई दे रहा था। जब आकाश में सूर्यकिरण विमान दिखाई दिए तो हर कोई इस पल को अपने कैमरे में कैद करने की कोशिश करते दिखा।यह आयोजन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दूरदर्शी और नेतृत्व का मजबूत प्रमाण बन रहा है। मुख्य आयोजन से पहले प्रशासन की सशक्त तैयारियां, सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट तक का अभ्यास नजर आया। छात्रों के लिए बस, जलपान और गाइड की व्यवस्था की गई। इससे सरकार की संवेदनशीलता और समर्पण झलकता है।यह आयोजन साबित कर रहा है कि बिहार अब केवल अपने इतिहास पर नहीं बल्कि अपने भविष्य की दिशा तय करने वाले आयोजनों के लिए भी जाना जाएगा। 23 अप्रैल से पहले का ये अभ्यास एयर शो ना केवल युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत बन रहा है बल्कि उन्हें भारतीय वायुसेना में करियर बनाने की ओर भी आकर्षित कर रहा है।

विशेष: वंदे भारत के बाद बिहार में अब अमृत भारत एक्सप्रेस व नमो भारत रैपिड रेल की मिली सौगात

राजेश मिक्की

नई दिल्ली/गया :प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है। जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है। परियोजनाएं द्रुत गति से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल- पिपरा नई लाइन, खगड़िया-अलौली नई लाइन और हसनपुर- बिथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है। नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है। कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है। पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है। साथ ही सभी कोचों में सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगाई गई है जो काफी कंफर्टेबल हैं। ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए टाइप सी और टाइप ए चार्जिंग सॉकेट लगाए गए हैं। ट्रेन के सभी टॉयलेट्स को आधुनिक वैक्यूम आधारित बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए अलग से फ्रेंडली शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे और डस्ट प्रूफ शील्ड गैंगवे की व्यवस्था की गई है। ट्रेन में सेमी परमानेंट कपलर भी लगाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर रेलवे ओपन लाइन में पहली बार हर कोच में रूट मैप इंडिकेटर की व्यवस्था की गई है जो यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के संबंध में जानकारी देगी। सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलाई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस है। पहले दो अमृत भारतीय एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से कर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु के बीच में किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस को 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस आधुनिक ट्रेन का निर्माण मेड इन इंडिया अभियान के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री, श्री पेरम्बूर, चेन्नई में किया गया है। ट्रेन में पुश एंड पुल टेक्नोलॉजी है जिससे गाड़ी को दोनों दिशाओं में चलाया जा सकता है। वंदे भारत की तरह की सुविधा इस नॉन एसी एक्सप्रेस में उपलब्ध कराई गई है। इसके सभी कोच स्लीपर और नॉन एसी अनरिजर्व्ड क्लास के होंगे। इस ट्रेन में फोल्डेबल स्नेक्स टेबल मोबाइल होल्डर फोल्डेबल बॉटल होल्डर हवाई जहाज की तर्ज पर रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप और स्प्रिंग बॉडी जैसी सुविधाएं दी गई है जिससे यात्रा अधिक आरामदायक होगी। इस ट्रेन के शौचालय में इलेक्ट्रो न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली लगाई गई है जिससे शौचालय को साफ सुथरा रखने में मदद मिलेगी और पानी का भी कम खर्च होगा सॉप डिस्पेंसर एवं एरोसोल आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम भी लगाया गया है। यात्रियों और ट्रेन मैनेजर के बीच दो तरफ संचार के लिए प्रत्येक कोच में इमरजेंसी टॉकबैक सिस्टम है। सभी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है। भारतीय रेल के गैर एसी कोच में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा दी गई है। गाड़ी की सेफ्टी को बढ़ाने के उद्देश्य से ऑन बोर्ड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है जिसके माध्यम से रियल टाइम व्हीलल और बियरिंग निगरानी संभव हो पाएगी। रेलवे ने पिपरा और सहरसा के बीच नई पैसेंजर सेवा प्रारंभ करने का फैसला लिया है जो कि नवनिर्मित सुपौल पिपरा लाइन को भी जोड़ेगा। इसी तरह समस्तीपुर और सहरसा के बीच एक नई पैसेंजर सेवा प्रारंभ की जा रही है जिसका परिचालन बिथान और अलौली के रास्ते होगा। इन सेवाओं के प्रारंभ हो जाने से उत्तर बिहार के लोगों खासकर मिथिला क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत होगी। अमृत भारत ट्रेन की कुछ प्रमुख विशेषताएं

पुश-पुल ऑपरेशन के लिए अंतिम दीवारों पर एमयू कंट्रोल कपलर, जर्क फ्री सेमी परमानेंट कपलर,सीलबंद वेस्टिब्यूल गैंगवे, एंटी वाइब्रेशन उपायों के साथ एक्सटूजन के साथ एसीपी पैनलिंग, बेहतर और सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन प्रकाश व्यवस्था, गार्ड रूम में मॉनिटर के साथ लगेज रूम में सीसीटीवी, दिव्यांगजन के लिए रैंप,फोल्डेबल स्नैक टेबल, उपयुक्त होल्डर के साथ मोबाइल चार्जर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर, सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन और एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई सीट और बर्थ, बेहतर लगेज रैक, रेडियम रोशनी फ्लोरिंग स्ट्रिप, सुरक्षित यात्रा के लिए सीसीटीवी निगरानी, पैसेंजर अनाउंसमेंट एंड पब्लिक इंफॉर्मेशन सिस्टम, सौंदर्यपूर्ण रूप से बेहतर रंगों के मिश्रण के साथ मनभावन और एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किया गया शौचालय,स्लीपर क्लास में दिव्यांगजन शौचालय की भी सुविधा है।

फतेहपुर के मध्य विद्यालय बदऊंआ का डीपीओ ने शिकायत का किया जांच

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया):फतेहपुर प्रखंड के मध्य विद्यालय बदऊंआ में मिली शिकायत की एमडीएम डीपीओ साकेत रंजन ने मंगलवार को विद्यालय पहुंचकर जांच की। वे विद्यालय में स्कूल प्रभारी और शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ ही ग्रामीणों से भी पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। जांच रिपोर्ट जिला शिक्षा पदाधिकारी को सुपुर्द किया जाएगा। डीपीओ बताया कि ग्रामीणों ने विद्यालय से संबंधित शिकायत की थी। जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को विद्यालय पहुंचकर शिकायत की जांच की गई। विद्यालय में उपस्थिति पंजी, मध्याह्न भोजन योजना से संबंधित पंजी आदि की जांच की गई। साथ ही इस बारे में बच्चों और अभिभावकों से पूछताछ की गई। डीपीओ साकेत रंजन प्रखंड ने विद्यालय में प्रभार को लेकर चली आ रही विवाद की भी जांच की। इस बारे में शिक्षक-शिक्षिकाओं से पूछताछ कर पूरी जानकारी ली।

डीपीओ ने बताया कि विद्यालय में प्रधानाध्यापक के प्रभार को लेकर उत्पन्न विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया। इस बारे में ग्रामीणों से भी मंतव्य लिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय का प्रभार किसी स्वच्छ छवि वाले शिक्षक को दिया जाए। यहां पूर्व में दो प्रभारी प्रधानाध्यापक विद्यालय किसी मामले में निलंबित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपा जाएगा। डीपीओ ने यह बताया कि वर्तमान प्रभारी को विद्यालय के वरीय शिक्षक को विद्यालय का प्रभार देने का निर्देश दिया गया है। हालांकि इसका ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन्हें प्रभार देने के लिए कहा जा रहा है वे विद्यालय को गर्त में पहुंचा चुके। वे निलंबित हो चुके है। फिर वैसे शिक्षक को विद्यालय का प्रभार देना उचित नहीं है।

चारु मजूमदार ने पार्टी के लिए कर दिया अपना सर्वस्व न्योछावर : वीरेंद्र सन्याल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया): फतेहपुर प्रखंड के नारायणपुर गांव में मंगलवार को भाकपा माले के कार्यकताओं ने पार्टी की 57वा स्थापना दिवस और एवं लेलिन के 156 वां पुण्यतिथि मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत माले नेताओं और कार्यकताओं ने पार्टी का झंडा फहराकर किया। इसके बाद लेलिन व चारुम मजुमदार के चित्र पर पुष्पांजलि कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर माले सचिव वीरेंद्र सन्याल ने कहा कि पार्टी के संस्थापक लेलिन एवं चारु मजुमदार ने पार्टी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन्होंने समाजवाद का निर्माण किया। देश में गरीबों को जुबान दी। ताकि वे लड़कर अपना हक और अधिकार को पा सके। उनकी यह कुर्बानी कभी बेकार नहीं जाने दिया जाएगा। कार्यक्रम में मौजुद भाकपा माले कार्यकताओं ने पार्टी के सिद्धांत एवं बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में देवनारायण यादव, पप्पु शर्मा, आरती देवी, अनिता देवी, दारुण देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजुद रहे।

आरपीएफ ने रंगेहाथ चोरी के मोबाइल फोन के साथ दो चोर को दबोचा

कटिहार, (एजेंसी) : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त अभियान में मंगलवार को कटिहार स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर दो मोबाइल चोरों को रंगेहाथ चोरी के मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है। आरपीएफ के ईस्ट पोस्ट कमांडर राकेश कुमार ने बताया कि कटिहार जिला निवासी 25 वर्षीय कुणाल कुमार चौधरी और 22 वर्षीय पंकज कुमार पासवान नामक दो मोबाइल चोरों को यात्री के चोरी के मोबाइल फोन के साथ पकड़ा गया है, जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपये बताई जा रही है। ये लोग मोबाइल चोर गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और पूर्व से स्टेशन और ट्रेन में यात्रियों का मोबाइल चोरी करते आ रहे हैं।

आंदोलन को लेकर विधायक राज के नेतृत्व में हुई भाजपा की बैठक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद: विधायक राज सिन्हा के आवासीय कार्यालय में जिला पदाधिकारीयों,मंडल अध्यक्ष, मंडल कमेटी एवं प्रमुख कार्यकताओं की अहम बैठक में बुधवार को भाजपा धनबाद महानगर के द्वारा पुर्वघोषित कार्यक्रम, हेमंत सरकार के मंत्री हाफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान के खिलाफ विशाल आक्रोश मार्च की सफलता हेतु तैयारी बैठक हुई.

बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने की एवं संचालन महामंत्री मानस प्रसून ने किया.विधायक राज सिन्हा ने सभी जिला पदाधिकारी एवं सातों मंडल अध्यक्षों से अब तक की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की, एवं सभी कार्यकताओं से गंभीरता पूर्वक तैयारी सुनिश्चित करने की बात कही.कल आहूत आक्रोश यात्रा की सफलता हेतु धनबाद विधानसभा क्षेत्र के सभी पंचायतों, वार्डों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाये जाने एवं बैठक करने का आहवान विधायक राज सिन्हा ने किया. आज के बैठक में अब तक हुए तैयारी की मंगलवार समीक्षा भी की गई, सभी प्रमुख कार्यकताओं को विभिन्न जिम्मेवारियां दी गई. उपस्थित सभी मंडल अध्यक्षों एवं पार्टी कार्यकताओं ने एक स्वर में झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हाफीजुल हसन के राष्ट्रविरोधी बयान की निंदा कड़े शब्दों में की गई.बैठक को संबोधित करते हुए धनबाद विधायक राज सिन्हा ने उपस्थित सभी कार्यकताओं को बुधवार के आक्रोश यात्रा की जोरदार तैयारी में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर कदम संविधान के साथ होगा, हर विरोध अन्याय के खिलाफ होगा.विधायक सिन्हा ने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन के चहेते मंत्री हाफीजुल हसन खुलेआम मार -काट की धमकी देते फिर रहे हैं.झारखंड के लोगों ने झामुमो- कांग्रेस के नेताओं को वोट क्या इसलिए दिए थे कि यह आज झारखंड को मुर्शिदाबाद बनाने की धमकी दे.हेमंत सरकार के मंत्री अब राज्य की शांति और संस्कृति को बर्बाद करने पर तुले हैं, यह शरिया की आड़ और संविधान का अपमान कर हिंदुओं के खिलाफ जहर घोलने का कार्य कर रहे हैं.राज्य की आम जनमानस सब देख और समझ रही है .इनके एजेंडा को भाजपा कभी सफल होने नहीं देगी.विधायक श्री सिन्हा ने कहा आम लोगों में भी इन झामुमो- कांग्रेस के मंत्रियों के खिलाफ उबाल है, और कल के आक्रोश यात्रा में आमलोगों की भी बड़ी भागीदारी होगी.महानगर अध्यक्ष सरवन राय ने कहा कि हम स्वाभिमान से सौदा नहीं करते झामुमो- कांग्रेस के नेताओं का छाती चौड़ी करके मार -काट की धमकी देना उनकी मानसिकता को दर्शाता है.भाजपा कार्यकर्ता इसका माकुल जवाब देना जानते हैं.तैयारी के संबंध में महानगर अध्यक्ष सरवन राय ने कहा कि सुबह 9:30 बजे सभी कार्यकर्ता गोल्फ ग्राउंड शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम पहुंचेंगे एवं वहां से एकजुट हो पार्टी के झंडा बैनर के साथ नगर निगम कार्यालय लुबी सर्कुलर रोड होते हुए रणधीर वर्मा चौक जाएंगे.धनबाद अनुमंडलाधिकारी को झारखंड के राज्यपाल के नाम से ज्ञापन सौंपा जाएगा.भाजयुमो जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने कहा कि, युवाओं को ठगने वाली हेमंत सरकार के खिलाफ आक्रोश यात्रा में युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी होगी. बैठक को संबोधित करने वालों में महामंत्री मानस प्रसून, जिला मंत्री पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, रीता यादव, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष विभा रानी सिंह, अनुसूचित जाती मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामजीत भुइयां आदि मौजूद थे.मुख्य रूप से उपस्थित लोगों में ओबीसी मोर्चा जिला महामन्त्री राजेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष गोविंदा राउत, राजाराम दत्ता, सन्नी रवानी, सूरज पासवान, संजय कुशवाहा, किशोर मंडल, निर्मल प्रधान, किरण सिंह,बसंती देवी, तमाल राय, सुमन सिंह, मौसम सिंह, अमरजीत कुमार, मनोज मालाकार,बालमुकुंद राम, रंजय सिंह, बबलू सिंह, विकाश मिश्रा, सुनील कुमार, सचिन सिंह, सदानंद बरणवाल, पप्पु गुप्ता, दिलीप सिंह, रामचंद्र पंडित, संजय गोस्वामी, नीरज सिन्हा,मनोज सिंह सहित सैंकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

पृष्ठ एक का शेष...

झारखण्ड आएं, झारखण्ड निवेश के लिए तैयार....

उत्पादों के असेंबली पर केंद्रित होगी। यह संयंत्र नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में कंपनी के रोमानिया के ब्रेइला में किए गए निवेश के समान होगा।

सरकार ने रखा प्रस्ताव

प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि झारखण्ड में स्टार्टअप्स और उनके मेंटर्स का मैपिंग किया जाए और उन्हें वैश्विक इनक्यूबेटरों से जोड़ा जाए। खाद्य प्रसंस्करण, विशेष रूप से झारखण्ड के कटहल और टमाटर जैसे उत्पादों के मूल्यवर्धित प्रसंस्करण में निवेश की संभावनाएं तलाशने का सुझाव दिया गया। इसके अतिरिक्त पारंपरिक चिकित्सा (होम्योपैथी), अनुसंधान एवं विकास, फार्मास्युटिकल, मेडटेक तथा बायोटेक में अनुसंधान जैसे विषय शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने किया आश्वस्त

मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि स्पेनिश कंपनियों के साथ सतत संवाद, बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि, सहयोग की दिशा में ठोस प्रगति हो सके। राज्य सरकार प्राप्त सुझावों को नीतियों के मूल्यांकन एवं अद्यतन करते समय ध्यान में रखेगी। उन्होंने यह भी बताया कि झारखण्ड ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उल्लेखनीय प्रगति की है और निवेश को शीघ्र एवं सहज रूप से धरातल पर उतारने हेतु प्रतिबद्ध है।

मणिपुर में आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल...

बनी। कोच अमित कुमार ने बताया कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और लगन से टीम इतना लंबा सफर तय कर विजेता बनी है। आगे पूरी कोशिश रहेगी कि बालक वर्ग की टीम भी सफलता हासिल करें ।

Page 5_Page 3.qxd 4/22/2025 8:57 PM Page 1

कुपोषण मुक्त जामताड़ा बनाने में सबों की भागीदारी है अहम : उपायुक्त

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : समाहरणालय में स्थित एसजीएसवाई प्रशिक्षण भवन सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कुमुद सहाय की अध्यक्षता में पोषण पखवाड़ा 2025 के जिला स्तरीय समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत शुभारंभ उपायुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। उपायुक्त एवं अन्य अधिकारियों ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी खिंचवाकर एवं हस्ताक्षर अभियान में भाग लेकर लोगों को पोषण के महत्व को बताया।इस अवसर पर उपायुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विगत 8 अप्रैल से चल रहे 7वें पोषण पखवाड़े का समापन हो रहा है। इस दौरान जिले भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कुपोषण का प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली जैसे बिंदुओं पर जोर दिया गया। उन्होंने अपील

कर कहा कि भले ही यह पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम समाप्त हुआ है लेकिन हम सबों को इस अभियान का हिस्सा बनकर यह शपथ लेना है कि जामताड़ा को कुपोषण मुक्त बनाएंगे। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि महिलाओं को पोषण से संबंधित जानकारी अवश्य रखनी चाहिए क्योंकि अधिकतर महिलाएं घर पर सभी के लिए भोजन बनाती हैं। अगर महिलाओं को सही पोषण के बारे में जानकारी नहीं होगी, तो अपने परिवार के लोगों को पोष्टिक आहार नहीं देगी। जिसकी वजह से परिवार के लोग बीमार हो सकते है। साथ ही बच्चे कुपोषण का शिकार हो सकते हैं। महिलाओं को पोषण के प्रति जानकारी लेने में रुचि रखना चाहिए और अपने आहार में सही पोषण को शामिल करना चाहिए क्योंकि आज का स्वस्थ बच्चा कल का स्वस्थ भारत का भविष्य है। उपायुक्त ने आगे कहा कि अपने क्षेत्र में हो रहे मौसमी फल, साग- सब्जी एवं मोटे अनाज (मिलेट्स) को अपने आहार में शामिल करें। महिलाओं की जिम्मेदारी बनती है, अपने बच्चों को पौष्टिक आहार खिलाएं। साथ ही बच्चों को पौष्टिक आहार से मिलने वाले फायदे के बारे में जानकारी दें। जिससे बच्चा पौष्टिक आहार की ओर रुचि ले और बाहर की चीजों को कम खाना पसंद करें.जीवन शैली में लाएं बदलाव; योग को करें दिनचर्या में शामिल.वहीं उन्होंने सबों से अपने जीवन शैली में बदलाव लाने, योग को अपने दिनचर्या में शामिल करने, गर्भवती महिलाओं के विशेष ध्यान रखने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रसूति एवं गर्भवती महिलाओं को आयरन की गोली दी जाती है साथ ही बच्चों का टीकाकरण किया जाता है।अपने बच्चों का ससमय अपने नजदीकी अस्पताल में टीकाकरण कराएं। जिससे बच्चा गंभीर बीमारियों से बचे और स्वस्थ रहे। बताया कि अगर कोई बच्चा कुपोषण का शिकार हो जाता है। उसके लिए, जिले में कुपोषण से मुक्त करने के लिए जिले में कुपोषण उपचार केंद्र बने हुए हैं।

कुपोषण मुक्त जामताड़ा बनाने हेतु दिलाया शपथ

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने लगाए गए पोषण स्टॉल का भी भ्रमण किया एवं जरूरी निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने सभी को कुपोषण मुक्त जामताड़ा बनाने एवं सही पोषण का संदेश घर घर पहुंचाने हेतु शपथ भी दिलाया। वहीं पोषण के क्षेत्र में जिले के विभिन्न पोषक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न कर्मियों को उपायुक्त ने प्रशस्ति पत्र आदि देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. आनंद मोहन सोरेन, जिला शिक्षा अधीक्षक चार्ल्स हेंब्रम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कलानाथ, जिला शिक्षा अधीक्षक विकेश कुणाल प्रजापति, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी राहुल प्रियदर्शी के अलावा सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षिका, आंगनवाड़ी सेविका एवं अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक संपन्न

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : झालसा, रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह के मार्गदर्शन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह की ओर से व्यवहार न्यायालय परिसर गिरिडीह में किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सफदर अली नैयर ने कहा कि झालसा, रांची द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन पुनः एक बार 10 मई को कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला

विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह अरविन्द कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में इस आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। इसी कड़ी में आज 22 मई को विभिन्न विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया गया।विदित हो कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहनीय मामले वन विभाग, उत्पाद विभाग, बैंक वाद से संबंधित मामलों का निष्पादन पक्षकारों के आपसी सहमति के आधार पर किया जाना है। इसके लिए सभी संबंधित न्यायालयों तथा विभागों से सुलहनीय मामलों को चिन्हित करने तथा संबंधित पक्षकारों को नोटिस प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है.इस संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सफदर अली नैयर ने कहा कि झालसा, रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह ने आम पक्षकारों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, विद्वान अधिवक्ताओं, मीडिया बंधुओं से अपील की कि सभी अपने अपने-अपने स्तर से इस आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में आम जनों में प्रचार प्रसार कर इसे सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

चिरेका यूनियन कार्यालय में हुई कैडर मीटिंग

संगठन की मजबूती और चुनाव को लेकर बनी रणनीति

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : रेल नगरी चितरंजन के एरिया-4 स्थित चिरेका रेलवे एम्प्लाइज यूनियन कार्यालय में सोमवार शाम एक महत्वपूर्ण कैडर मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक में संगठन को मजबूत करने और आने वाले सीसीएस चुनाव को लेकर कार्ययोजना तैयार की गई। भारतीय रेलवे एम्प्लाइज फेडरेशन के महासचिव सरबजीत सिंह ने कहा कि संगठन को आगे ले जाने के लिए आत्मविश्लेषण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि मन में अहंकार या क्रोध हो तो संगठनात्मक कार्य में बाधा आती है। विनम्रता और सहयोग की भावना ही संगठन की असली ताकत होती है। चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि यूनियन को पूरी सक्रियता के साथ चुनाव में उतरना चाहिए। यदि सभी सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतारे जा सकें, तो वैचारिक समानता रखने वाले किसी अन्य संगठन को समर्थन देना चाहिए। बैठक में प्रदीप बनर्जी, सुभाष चक्रवर्ती, स्वदेश चटर्जी, विराज गांगुली और किशानु भट्टाचार्य ने भी भाग लिया। वक्ताओं ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली की जोरदार मांग उठाई। प्रदीप बनर्जी ने संगठन की संघर्षशील छवि को दोहराते हुए केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध जारी रखने की बात कही। बैठक से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखने को मिला।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने तिलकधारी सिंह के निधन पर दुख जताया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूरे कांग्रेस पार्टी की तरफ से कांग्रेस के पुराने साथी स्वर्गीय तिलकधारी सिंह के निधन पर उनके पुत्र धनंजय सिंह जो कि गिरिडीह कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष हैं उन्हें पत्र भेज कर दुख प्रकट किया है और अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

इस पत्र के जरिए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से अपने राजनीतिक जीवन काल में स्वर्गीय तिलकधारी सिंह ने जिस तरह से पूरी ईमानदारी के साथ कांग्रेस पार्टी के लिए और क्षेत्र के लिए जनहित के लिए कार्य किए हैं उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

उन्होंने पत्र के मार्फत से कहा कि स्वर्गीय सिंह की कमी हमेशा कांग्रेस पार्टी को खलेगी तथा इसकी भरपाई करना बड़ा ही मुश्किल है। उन्होंने पूरे परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की बात कही तथा स्वर्गीय तिलकधारी सिंह के आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की।

बोकारो स्टील प्लांट के यूटिलिटीज विभाग में सुझाव मेला का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : मंगलवार को बोकारो स्टील प्लांट के यूटिलिटीज विभाग तथा औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग (आईईडी) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सुझाव मेला का उद्घाटन संजीव रंजन सिंह, मुख्य महा प्रबंधक (यूटिलिटीज) के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को संगठनात्मक सुधार हेतु नवीन विचारों और रचनात्मक सुझावों के लिए प्रेरित करना था। सुझाव मेला में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक संचालन दक्षता, सुरक्षा सुधार, ऊर्जा संरक्षण तथा उपभोक्ता सेवा में सुधार से संबंधित कई

प्रभावशाली सुझाव प्रस्तुत किए।

औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के महा प्रबंधक हिमांशु गुप्ता एवं वरीय प्रबंधक प्रीति प्रिया, ने सुझाव मेला में समन्वयक की भूमिका निभाई। सुझाव मेला में कुल 200 से ज्यादा सुझाव प्राप्त हुए, जिनमें से 20 सुझावों को व्यावहारिकता और प्रभाव के आधार पर चयनित किया गया। श्रेष्ठ सुझाव देने वाले कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए गए।

मुख्य महा प्रबंधक (यूटिलिटीज) संजीव रंजन सिंह ने सुझाव मेला आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए प्लांट की समृद्धि के लिए कर्मचारियों को सुझाव मेला में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने और रचनात्मक सुझाव देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संयंत्र की बेहतरी के लिए प्रत्येक कार्मिक का रचनात्मक सुझाव जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन अमन कुमार मिश्रा, प्रबंधक (गैस उपयोगिताएं) द्वारा किया गया।

झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने दूसरे दिन भी की बैठक

श्रम अधीक्षक, कारखाना निरीक्षक एवं प्रदूषण बोर्ड धनबाद के आरओ के विरूद्ध कार्यवाही की अनुशंसा का दिया निर्देश, रांची में विभागीय समीक्षा बैठक में बुलाने को कहा

समीक्षा क्रम में सभापति ने सभी पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन की कहीं बात, नियमों के अनुपालन में सख्ती दिखाने, उद्योग इकाईयों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, दिया जरूरी दिशा – निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : मंगलवार को झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने बोकारो परिसदन सभागार में दूसरे दिन भी कुछ विभागों एवं विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति उदय शंकर सिंह ने की। उनके साथ समिति के सदस्य जिगा सुसारण होरो, संजीव सरदार, बोकारो विधायक श्वेता सिंह उपस्थित थीं। मौके पर डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्त मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, आरसीडी के कार्यपालक अभियंता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मी एवं विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

समिति ने क्रम में सोमवार को विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के भ्रमण के दौरान इकाईयों में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर तय मानकों का शतप्रतिशत अनुपालन नहीं पाया।

इसे सुनिश्चित करने को लेकर प्रदूषण बोर्ड के आरओ, श्रम अधीक्षक बोकारो एवं कारखाना निरीक्षक से विभिन्न बिंदुओं व किए गए कार्यों की जानकारी ली। सभी संबंधित पदाधिकारियों द्वारा कार्य/दायित्व में लापरवाही बरतने को लेकर कार्यवाही करने के लिए समिति ने अनुशंसा करने का निर्देश दिया। वहीं, अन्य विभागों की भी समीक्षा क्रम में समिति सभापति ने पदाधिकारियों को अपने कार्य, दायित्व को ईमानदारी से निर्वहन करने की बात कहीं।

समिति ने क्रमवार बीएसएल, डीवीसी-सीटीपीएस, ईस्टर्न, इंद्राणी, बीपीसीएल आदि इकाईयों के प्रतिनिधियों से पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रबंधन के इंतजाम पर असंतोष जताते हुए तय मानकों का अनुपालन करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशाझ्निर्देश दिया।

पृथ्वी बचाओ संकल्प पूजा का आयोजन कर पृथ्वी को बचाने का लिया संकल्प

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : मंगलवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा पृथ्वी बचाओ संकल्प पूजा का आयोजन कर पृथ्वी को बचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा ने पृथ्वी मां की विधिवत पूजा की और कहा कि दुनिया का अस्तित्व तभी है जब पृथ्वी मां सुरक्षित हैं।

अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर विकास के नाम पर मानव प्रकृति को अंधाधुंध मिटाने पर लगा हुआ है। जंगल काटे जा रहे हैं, नदियों के किनारों को अतिक्रमित कर उनमें घरों और कल कारखानों के गंदे पानी को प्रवाहित किया जा रहा है, पहाड़ों को तोड़ा जारहा है और वातावरण में जिस प्रकार जहरीली और ग्रीन गैसों को उत्सर्जित किया जा रहा है ये सब हम धरती पर प्रदूषण को बढ़ाने का ही काम कर रहे हैं। धरती की बढ़ती गर्मी से ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, असमय मौसम का परिवर्तन सब तो आने वाले समय में अनेक समस्याओं को ही जन्म देंगे। अगर हम चाहते हैं कि हमारा जीवन सुरक्षित रहे, आने वाली पीढ़ियों को विपदाओं का सामना नहीं करना पड़े तो सबों को पृथ्वी मां को बचाने के लिए संकल्पित होना होगा और प्रकृति को बचाना होगा ।

इस अवसर पर पं. चंदन शास्त्री, वैद्य गणेश साव, अधिवक्ता रमण ठाकुर, मृणाल चौबे, वीरेंद्र चौबे, लक्ष्मण शर्मा, गौरी शंकर सिंह, जादूगर दयाराम परमार, मिली मनी चौबे, ललित कुमार, शिवजी ओझा, ललन दुबे, राम लखन द्विवेदी, प्रो. गणेश सिंह, अक्षय दुबे, गोलु, अनुराग मिश्र सहित कई पर्यावरण संरक्षक उपस्थित हुए।

संक्षिप्त खबर

रक्तदान को बनाइये अभियान, रक्तदान करके बचाइये जान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह :समाहरणालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में कई अधिकारियों व आमजनों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग, गिरिडीह के तत्वाधान में समाहरणालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाहरणालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 34 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। रक्तदान शिविर में उपायुक्त गिरिडीह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी समेत कई अधिकारियों व कर्मचारियों व आमजनों ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस संबंध में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने आमजनों से रक्तदान की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान से न केवल राष्ट्रीय आवश्यकता पूरी होती है बल्कि यह समाज एवं मानवता के प्रति एक बड़ी सेवा भी है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा दिए गए रक्त से कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। इस पुनीत कार्य में सभी को जुड़कर रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की वजह से घायल या बीमारी की वजह से रक्त की कमी से जूझ रहे व्यक्ति को रक्त मिलने से उस व्यक्ति का जीवन बच पाता है। साथ ही सभी से रक्तदान करने की अपील की और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने को कहा। हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करना चाहिए। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि गिरिडीह जिले मे खून की कमी से किसी की मौत न हो। जिला प्रशासन इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समय समय पर जिला मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है ताकि अधिकाधिक संख्या में रक्त का संग्रह किया जाय और जरूरतमंद लोगों को सही समय पर रक्त उपलब्ध कराई जाय।

बड़जोड़ा मध्य विद्यालय को मिली सुरक्षा की दीवार

मुखिया खुशबू टुडू ने किया बाउंड्री वॉल का शिलान्यास

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम : जामताड़ा जिले के आदर्श ग्राम पंचायत बड़जोड़ा में शिक्षा क्षेत्र को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। ग्राम पंचायत की मुखिया खुशबू टुडू द्वारा 15वें वित्त आयोग के तहत बड़जोड़ा मध्य विद्यालय के बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। विद्यालय के स्थापना के वर्षों बाद भी चारदीवारी न होने के कारण स्कूल प्रशासन, छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। इस विषय पर पूर्व में कई बार प्रयास किए गए, लेकिन निर्माण कार्य आरंभ नहीं हो सका था। मुखिया खुशबू टुडू की सक्रिय पहल और प्रयासों से अंततः यह बहुप्रतीक्षित कार्य शुरू हो सका। शिलान्यास के इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। शिक्षक, छात्र और ग्रामीणों ने मुखिया के प्रति आभार प्रकट किया। मुखिया खुशबू टुडू ने इस मौके पर कहा, हमारी प्राथमिकता शिक्षा है। विद्यालय की जरूरतों को पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है और भविष्य में भी शिक्षा से जुड़ी किसी भी समस्या पर हम तत्पर रहेंगे। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मुखिया प्रतिनिधि देवनाथ मुर्मू, प्रभारी प्रधानाध्यापिका मालतीलता यादव, सहायक शिक्षक हरदेव यादव, नाजिर हुसैन, मिहिर मंडल, कंप्यूटर शिक्षिका अर्चना साह, सहायक अध्यापक संभुनाथ महतो, वार्ड सदस्य रमेश महतो, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष लखिंद्र महतो, मन्तोष महतो, सुकदेव महतो, प्रकाश महतो, अर्जुन महतो, उड़िया महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। यह कदम न केवल विद्यालय की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा, बल्कि विद्यार्थियों को एक सुरक्षित और अनुशासित वातावरण भी प्रदान करेगा।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं : डीपीएलआर निदेशक

समाहरणालय परिसर में रेडक्रास द्वारा रक्तदानश शिविर का किया गया आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निदेशानुसार भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी बोकारो के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ समाहरणालय परिसर में डीपीएलआर निदेशक मेनका ने फिता काटकर किया। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, रेड क्रास के चिकित्सक व टीम के सदस्य आदि उपस्थित थे।

शिविर में कई अधिकारियों व कर्मियों ने रक्तदान किया। मौके पर डीपीएलआर निदेशक ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान कर हम एक-दूसरे की जान बचाते है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से जहां दूसरे की मदद होती है वहीं खुद के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। रक्तदान करने से शरीर ने रक्त की कमी नहीं होती हैं। स्वस्थ मनुष्य को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने आमजनों से भी आयोजित शिविर में शामिल होकर रक्तदान करने की अपील की।

मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया ने बताया कि उपायुक्त के निदेशानुसार अप्रैलझ्मई-जून व जुलाई माह तक अंतराल वार अलगझ्अलग स्थानों पर रेड क्रास द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आज से इस शिविर का शुभारंभ हुआ। आगे यह निरंतर जारी रहेगा। आज आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 30 यूनिट रक्तदान किया गया।

संपादकीय

अनुचित और अमर्यादित

कुछ समय पहले तक उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणियों की चर्चा होती रही है। कहा गया कि इससे न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव सार्वजनिक हुआ है। चर्चा रही कि इससे जनमानस में अविश्वास व भ्रम की स्थिति बनती है। अब इस टिप्पणी से उत्साहित होकर भाजपा के दो सांसदों ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण स्तंभ पर अमर्यादित ढंग से निशाना साधा है। उस महत्वपूर्ण स्तंभ पर जिसका कार्य संविधान की गरिमा बनाना और न्याय सुनिश्चित करना है। दरअसल, विधानसभाओं में विधेयकों को मंजूरी देने के लिये समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि 'कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।' वहीं दूसरी ओर लोकसभा में झारखंड के गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद निशिकांत दुबे ने भी चिंताजनक ढंग से तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने का काम अपने हाथ में ले ले तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। यहां तक कि उन्होंने देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को भी नहीं बख्शा और उन्हें देश को गृह युद्ध की ओर धकेलने वाला बताया। इतना ही नहीं, कुछ समय उपरांत उन्होंने अपने बयान को और हल्का करते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त 'मुस्लिम आयुक्त' की भूमिका में रहे हैं। बहुत संभव है कि दोनों भाजपा नेताओं ने पार्टी में अपना कद बढ़ाने के मकसद से ऐसे बयान दिए होंगे। यह भी कि उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को बड़ा कर-के दिखाने का ही प्रयास किया। उन्हें लगता है कि शायद पार्टी उन्हें उनकी वफादारी के लिये पुरस्कृत करेगी। लेकिन भगवा पार्टी ने उन्हें सिर्फ फटकार ही लगाई है। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने खुद को उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियों से अलग रखने की बात कही है। निस्संदेह भाजपा को लोकतंत्र के अभिन्न अंग के रूप में न्यायपालिका के प्रति अपने सम्मान की भी पुष्टि करनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि जब तक दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक भाजपा का यह दावा अविश्वसनीय ही बना रहेगा। पहले भी भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तब भी उस बयानबाजी को प्रश्रय नहीं दिया, जब आक्रामक बयानबाजी करने वाली सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अनर्गल बयानबाजी की थी। उल्लेखनीय है कि प्रज्ञा ने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहकर हंगामा कर दिया था। तब भी पार्टी ने बस इतना किया था कि उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और संसदीय पैनल से हटा दिया था। तब उन्होंने दो बार लोकसभा में माफी भी मांगी थी। कालांतर समय के साथ मामला शांत हो गया था। जैसा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उम्मीद भी थी। लेकिन इस बार भी यदि ऐसा ही नतीजा सामने आता है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता। यह देखते हुए कि दुबे और शर्मा ने मर्यादा की एक सीमा रेखा को पार किया है ,वह स्पष्ट रूप से न्यायालय और संविधान की अवमानना के दायरे में है। जिसके लिये उन्हें क्षमा नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, ऐसे अप्रिय विवादों से जनता में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव का नकारात्मक संदेश जाता है। जिससे अनावश्यक संवैधानिक संकट की स्थिति भी बन सकती है। जनता में लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों को लेकर अविश्वास का भाव पैदा नहीं होना देना चाहिए। दरअसल, ऐसे अनावश्यक विवादों से किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती। बल्कि तल्ख बयानबाजी से बेकार की बहस बढ़ने की आशंका ही बलवती होती है। खासकर संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को तो ऐसी बयानबाजी से परहेज करना ही चाहिए। दरअसल, संविधान ने न्यायपालिका को कुछ ऐसे अधिकार दिए हैं कि जब पूर्ण न्याय के लिये कोई अन्य रास्ता नहीं बचता, तब वह विशिष्ट अनुच्छेदों से मिली शक्तियों का प्रयोग कर सकती है। दूसरे शब्दों में इसे उम्मीद के एक दरवाजे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

(चिंतन-मनन)

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनियां मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है।

अजमेर से इंस्टाग्राम तक: बेटियों की सुरक्षा पर सवाल

-प्रियंका सौरभ-

पढ़ी-लिखी लड़कियों को यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामलों में इतनी आसानी से कैसे फंसने दिया जाता है? यह सवाल अक्सर तब पूछा जाता है, जब मीडिया में किसी लड़की के साथ यौन शोषण या ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आता है। लेकिन यह सवाल गलत है। सही सवाल यह होना चाहिए कि वह फंसी नहीं, फंसाई गई-एक साजिश, एक शोषण तंत्र और एक चुप्पी के गठजोड़ द्वारा। इस मामले में केवल लड़की दोषी नहीं, बल्कि वह समाज और सिस्टम भी दोषी है, जिसने उसे सुरक्षित और संवेदनशील बनाने के बजाय सिर्फ संभल कर रहने की शिक्षा दी।

अजमेर कांड: एक काला अध्याय

अजमेर का नाम जब भी यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के मामलों में लिया जाता है, तो 1992 में हुए गैंगरेप कांड का जिक्र जरूरी हो जाता है। उस समय के अजमेर गैंगरेप कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था, जब राजनीतिक और धार्मिक रसूख वाले लोग, और खासकर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह से जुड़े लोग, हजारों स्कूल और कॉलेज छात्राओं को फंसा रहे थे। पहले तो उन्हें प्यार के जाल में फंसा कर, फिर उनकी अश्लील तस्वीरें खींच कर, उन्हें ब्लैकमेल किया गया। इस कांड के कारण कई लड़कियों ने आत्महत्या तक कर दी थी। लेकिन अब, 30 साल बाद, एक बार फिर अजमेर में वैसा ही मंजर सामने आया है। इस बार सोशल मीडिया, इंस्टाग्राम चैट, फर्जी प्रोफाइल और वीडियो के जरिए सैकड़ों छात्राओं को ब्लैकमेल किया गया है। पुलिस ने कई लड़कों को गिरफ्तार किया है, जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं।

क्या बदला इन तीन दशकों में?

30 साल पहले की तुलना में आजकल लड़कियों की शिक्षा और जागरूकता के स्तर में जरूर बदलाव आया है, लेकिन क्या आज भी हमें यह लगता है कि अजमेर जैसी घटनाओं को टाला जा सकता था? क्या हम लड़कियों को पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त कदम उठा पा रहे हैं? क्या आज भी स्कूल और कॉलेजों में सुरक्षा के बारे में गहरे सवाल नहीं खड़े होते?

परवरिश की खामोश पटरियां

अक्सर जब कोई लड़की यौन शोषण का शिकार होती है, तो यह सवाल उठता है कि उसने यह क्यों होने दिया? क्या उसका कोई दोष था? लेकिन असलियत यह है कि जब लड़कियों को बचपन से ही यह शिक्षा दी जाती है कि "लड़कों से दूर रहो" या "तुमसे गलती हो सकती है", तो वे इस डर में बड़ी होती हैं कि अगर कुछ हुआ तो कौन उनका साथ देगा? यही डर और चुप्पी उन्हें अपराधियों का शिकार बना देती है। अगर उन्हें यह सिखाया जाए कि "यह तुम्हारी गलती नहीं है, तुम सुरक्षा की हकदार हो, और तुम्हें मदद मांगने का अधिकार है, तो शायद वे इन स्थितियों से उबर पातीं।

शिक्षा संस्थान: किताबें हैं, करुणा नहीं

हमारे स्कूल और कॉलेज अब केवल शैक्षिक संस्थान बनकर रह गए हैं, जहां शिक्षा का केवल एक ही उद्देश्य होता है- अंकों के आधार पर परिणाम प्राप्त करना। इन्हीं संस्थानों में न तो कोई यौन शिक्षा होती है, न लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में कक्षाएं होती हैं, और न ही कोई मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग की सुविधा। लड़कियों को न केवल आत्मरक्षा की शिक्षा की जरूरत है, बल्कि उन्हें यह समझने की भी जरूरत है कि प्यार और रिश्तों में शोषण के क्या संकेत हो सकते हैं। जब लड़कियों की शिकायतों पर यह प्रतिक्रिया मिलती है, "तुमने ही कुछ किया होगा, तब उसने वीडियो बनाया," तो यह समस्या की गंभीरता को नजरअंदाज करने जैसा है।

सोशल मीडिया: आधुनिक शिकारी की बंदूक

सोशल मीडिया और चैटिंग ऐप्स ने अपराधियों के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। अजमेर के नए मामले में जो हुआ, वह आधुनिक डिजिटल शिकारी के रूप में सामने आया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और व्हाट्सएप का उपयोग करके पहले झूठे प्रेम संबंध बनाए जाते हैं, फिर इंटिमेट चैट्स और वीडियो बनाए जाते हैं, और अंत में ब्लैकमेलिंग और शोषण की प्रक्रिया शुरू होती है। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि लड़कियां इन प्लेटफॉर्म्स पर भावनात्मक रूप से असुरक्षित होती हैं। वे इन्हें एक सुरक्षित, गुप्त रिश्ते के रूप में देखती हैं, और फिर अपराधी उनका विश्वास तोड़ते हैं।

समाज का दोगलापन

जब लड़कियां पढ़ाई में अव्वल होती हैं, तो उन्हें सराहा जाता है। लेकिन जैसे ही वे किसी लड़के से दोस्ती करती हैं, या सोशल मीडिया पर सक्रिय होती हैं, उन्हें "आवारा" और "बिगड़ी हुई" करार दे दिया जाता है। अजमेर जैसी घटनाओं के बाद समाज यही सवाल करता है- "तुमने ही क्यों भरोसा किया?" जब कि यह सवाल उल्टा होना चाहिए-"तुम्हारे स्कूल और कॉलेज में सुरक्षा तंत्र कहां था?" हमारे समाज में लड़कियों को केवल एक दिशा में ही शिक्षित किया जाता है, वह है, "संभल कर रहो"। लेकिन क्या लड़कियों को यह भी सिखाया गया है कि वे अपने अधिकारों की रक्षा कैसे कर सकती हैं? क्या हमें यह समझने की जरूरत नहीं कि लड़कियों को "अपने बचाव" के लिए तैयार करना केवल उनका व्यक्तिगत जिम्मा नहीं, बल्कि पूरे समाज का जिम्मा है?

पुलिस और प्रशासन की चुप्पी

कभी 1992 में अजमेर गैंगरेप कांड के समय पुलिस और प्रशासन ने राजनीतिक दबाव के कारण मामले को दबा दिया था। अब भी वही हो रहा है- कई आरोपियों के नाम सामने नहीं आ रहे हैं, और नाबालिगों को किशोर न्याय कानून का सहारा मिल रहा है। क्या यही वह सिस्टम है, जिस पर हमें भरोसा करना चाहिए?

जब पुलिस और प्रशासन चुप रहते हैं, तो शोषण और बलात्कार की घटनाओं को दबा दिया जाता है। यही हाल आजकल के कॉलेजों और स्कूलों में भी हो रहा है, जहां सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है।

अजमेर और कोटा जैसे मामलों में यह भी सामने आया कि लड़कियों को सोशल मीडिया, चैटिंग ऐप्स, फर्जी प्रोफाइल के जरिए जाल में फंसाया गया। जब ऑनलाइन संवाद शुरू होता है, तो वह एक 'गोपनीय रिश्ता' जैसा लगने लगता है। इसी भरोसे का शोषण होता है। किसी लड़की का विश्वास करना, प्रेम में पड़ना या किसी से बात करना अपराध नहीं है। अपराध तब होता है जब कोई इस भरोसे का बलात्कार करता है, ब्लैकमेल करता है, और उसे अपमान में जीने पर मजबूर करता है। ऐसे मामलों में हमें पीड़िता को दोष नहीं देना चाहिए, बल्कि यह पूछना चाहिए कि उस कॉलेज में सुरक्षा तंत्र कैसा था? स्कूल प्रशासन को क्यों नहीं पता चला? पुलिस और प्रशासन ने पहले की घटनाओं से क्या सीखा?

समाधान क्या हो?

समाधान केवल एक दिशा में नहीं आ सकता। इसके लिए हमें शिक्षा प्रणाली, समाज, पुलिस और प्रशासन, और मीडिया को हर स्तर पर जागरूक करना होगा। सबसे पहले, हमें यौन शिक्षा को स्कूल पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल करना होगा। कॉलेजों में काउंसलिंग और डिजिटल सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए।

हर जिले में महिलाओं के लिए साइबर हेल्पलाइन और त्वरित कार्रवाई इकाई की स्थापना होनी चाहिए। इसके साथ ही, मीडिया को पीड़िता को दोषी ठहराने से रोकना होगा और पुराने मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अजमेर की छात्राएं पढ़ी-लिखी थीं, लेकिन वे सामाजिक चुप्पियों और डिजिटल खतरों से अनजान थीं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं, सुरक्षा भी सिखाए। और परवरिश सिर्फ आज्ञाकारी बनाने के लिए नहीं, संघर्षशील और सचेत नागरिक बनाने के लिए होनी चाहिए। हमारी बेटियां फंसती नहीं हैं, फंसाई जाती हैं-और जब तक शिक्षा सिर्फ अंकों तक सीमित रहेगी, ये शिकारी जाल बार-बार बुने जाते रहेंगे।

लॉर्ड जीसस के सच्चे शिष्य थे पोप फ्रांसिस

-राकेश अचल-

पोप फ्रांसिस को न मैंने कभी देखा और न मिला लेकिन टेलीविजन के पर्दे पर वे जब भी दिखे एक आकर्षक धार्मिक नेता की तरह ही नजर आये। उनके चेहरे से दया, करुणा ही झलकती दिखाई दी, उन्हें कभी उत्तेजित होते हुए नहीं देखा गया। पोप फ्रांसिस रोमन कैथोलिक ईसाई समाज के सबसे बड़े धार्मिक गुरु थे। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक पोप फ्रांसिस रोमन कैथोलिक समुदाय के 266 वें और सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट ऑर्डर) के पहले पोप थे, दक्षिणी अमेरिका से पहले पोप थे, तथा 8वीं शताब्दी के सीरियाई पोप ग्रेगरी तृतीय के बाद यूरोप के बाहर जन्मे या पले-बढ़े दूसरे पोप थे।

अर्जेंटीना के बोनस आइरिस में जन्में पोप फ्रांसिस की भी ईश्वर में आस्था एक बीमारी की गिरफ्त में आने के बाद बढ़ी। ये बात 1958 की है। वे 1969 में पहली बार पादरी बने और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पोप फ्रांसिस 2013 में तत्कालीन पोप के इस्तीफे के बाद उनके उत्तराधिकारी बनाये गए। आप जानते ही हैं कि पोप की हैसियत सिर्फ एक धार्मिक नेता की ही नहीं होती बल्कि वे विश्व राजनीति में एक कूटनीतिज्ञ की तरह भी किरदार अदा करते है। पोप फ्रांसिस प्रगतिशील और दक्षिणपंथ विरोधी नेता के रूप में उभरे। उन्होंने अनेक विवादास्पद रिश्तों और प्रवासियों के मुद्दों पर चीन जैसे देशों से मुठभेड़ की। पोप फ्रांसिस हमेशा प्रवासियों के हितों की रक्षा को सभ्य समाज का कर्तव्य मानते थे। उन्होंने इस मुद्दे पर अमरीकी नीतियों का भी विरोध किया। मुझे लगता है कि पोप फ्रांसिस का पूरा जीवन लॉर्ड और चर्च की सेवा में समर्पित रहा। पोप फ्रांसिस ने दुनिया को हमेशा साहस, प्यार और हाशिए के लोगों के पक्ष में खड़ा रहने के लिए प्रेरित किया। एक मायने में कहें तो पोप फ्रांसिस लॉर्ड जीसस के सच्चे शिष्य थे। पोप फ्रांसिस को कैथोलिक चर्चों में सुधार के लिए भी जाना जाता है। इसके बावजूद पोप परंपरावादियों के बीच भी लोकप्रिय थे। फ्रांसिस दक्षिण अमेरिका (अर्जेंटीना) से बनने वाले पहले पोप थे। पोप फ्रांसिस ईस्टर संडे को ही वेटिकन में सेंट पीटर्स स्क्वेयर पर अपने भक्तों के सामने प्रकट हुए हुए थे। पोप फ्रांसिस को मैं कोरा धार्मिक नेता नहीं मानता क्योंकि चुनाव के दौरान उन्हें रूढ़िवादियों और सुधारकों दोनों का जबरदस्त समर्थन मिला। पोप ने आलोचनाओं की परवाह किये बिना यौन मामलों में रूढ़िवादी और सामाजिक मामलों में उदारता दिखाई। पोप को उनके समर्थक उन्हें लोगों से जुड़ने, क्यूरिया (वेटिकन नौकरशाही) में सुधार लाने, वेटिकन बैंक में भ्रष्टाचार को समाप्त करने और चर्च में बाल यौन शोषण रोकने के संकल्प के कारण खासा पसंद करते थे। पोप बनने के चार साल बाद हुए सर्वेक्षणों से पता चला कि पोप की लोकप्रियता कैथोलिक और अन्य धर्मों के बीच बहुत ज्यादा है। सोशल मीडिया एक्स पर उन्हें डेढ़ करोड़ से भी ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। कई मुद्दों पर सीधा दखल न देने के कारण वेटिकन के अंदर और बाहर उनके विरोधियों की संख्या भी काफी रही।

आप माने या न मानें किन्तु मुझे पोप फ्रांसिस हमेशा गांधीवादी लगे। उनका जीवन सादा और उच्च विचारों का था। एक बार की बात है कि पोप फ्रांसिस वेटिकन लौटते समय इतालवी राजधानी के मध्य में पादरी वर्ग के लिए बने एक होटल में रुके। ये होटल पोप के लिए निशुल्क था किन्तु उन्होंने अपना बिल चुकाने पर जोर दिया, इससे उनकी शैली की छाप पोप पद पर तुरंत पड़ गई। पोप ने उस विशाल पेंटहाउस अपार्टमेंट को त्याग दिया, जिसे पोप कई शताब्दियों से इस्तेमाल कर रहे थे। वह वेटिकन गेस्टहाउस के एक छोटे से सुइट में रहने लगे। पोप फ्रांसिस ने पोप के ग्रीष्मकालीन निवास कासल गंडोल्फो को भी त्याग दिया था। पोप फ्रांसिस मुझे इसलिए भी आकर्षित करते रहे क्योंकि वे कोरे धार्मिक भाषणों तक ही सीमित नहीं रहे। उन्होंने सामाजिक सरोकारों को भी रेखांकित किया। उन्होंने मुक्त बाजार अर्थशास्त्र पर सवाल उठाए, उन्होंने कहा कि चर्च को समलैंगिक लोगों के लिए राय बनाने के बजाय उनसे माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने अन्य बातों के अलावा यूरोपीय प्रवासी हिरासत केंद्रों की तुलना नजरबंदी शिविरों से की। कभी-कभी पोप फ्रांसिस की झलक मुझे भारत की द्वारिकापीठ के शंकराचार्य रहे स्वामी स्वरूपानद जी और उनके उत्तराधिकारी स्वामी अविमुक्तेश्वरानद में भी दिखाई देती है।

पोप फ्रांसिस इस साल 2025 के बाद भारत दौरे पर आने वाले थे। इसके लिए भारत की तरफ से पोप फ्रांसिस को आधिकारिक तौर पर निमंत्रण दिया जा चुका था, लेकिन भारत यात्रा से पहले ही वे अनंत यात्रा पर निकल गए। पोप फ्रांसिस भारतीय संत परम्परा से भी खासे प्रभावित थे। उन्होंने पिछले साल संत श्री नारायण गुरु की खुलकर प्रशंसा की थी। । पोप फ्रांसिस ने तब कहा था कि संत नारायण गुरु का सार्वभौमिक मानव एकता का संदेश आज बहुत प्रासंगिक है, क्योंकि दुनिया में हर तरफ और हर जगह नफरत बढ़ रही है। पोप ने ये बातें तब कहीं थीं, जब केरल के एनार्कुलम जिले के अलुवा में श्री नारायण गुरु के सर्व-धर्म सम्मेलन के शताब्दी समारोह के मौके पर धर्मगुरुओं का सम्मेलन हुआ था। पोप ने तब वेटिकन में भी जुटे धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए ये बातें कही थीं। मानवता के इस महान प्रहरी को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि।

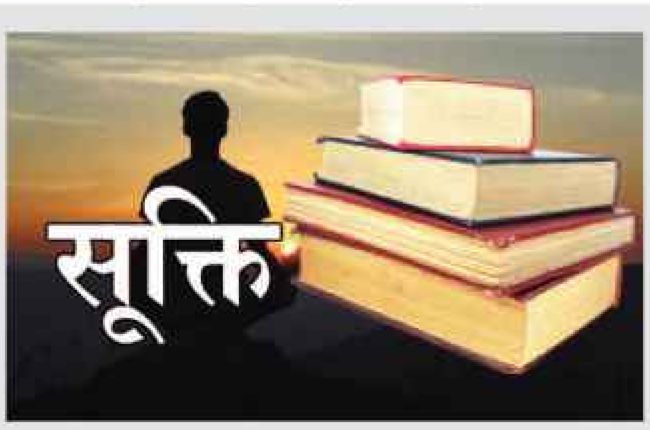

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद कर-के आप अपना जीवन नष्ट करते है।- अज्ञात

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है, तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है। - मैक्स लर्नर

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

-ललित गर्ग-

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फामूर्ले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएं सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएं होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेजी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फामूर्ले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फामूर्ले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फामूर्ले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण हैं? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडु में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है।

राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

श्यामू: डाक्टर अंकल, मैं आजकल अपने आप से बातें करता हूं।

डाक्टर: कभी-कभी ऐसा हो जाता है, पर इससे दिक्कत क्या है?

श्यामू: दिक्कत तो कोई खास नहीं, पर कभी-कभी मैं खुद को इतना ज्यादा बोर कर देता हूं कि सिर दर्द हो जाता है।

अध्यापक: हेमंत, आज जब मैं कक्षा में पढ़ा रहा था तो मुझे लगा कि तुम किसी के साथ बातें कर रहे हो।

छात्र: सर, आपसे गलती हुई है। मैं नींद में कभी नहीं बोलता।

बेटा (अपने दुकानदार पिता से): बापू, मुझे हिसाब में 100 में से 80 नंबर मिले।

दुकानदार:(नाराज होते हुए): नालायक, हम तो 100 से 150 बनाते हैं और तूने 20 रुपए का घाटा करवा दिया।

अध्यापक (छात्र से): बेटा, मेरा चश्मा लाकर दो, ताकि मैं तुम्हें यह सवाल बता सकूं।

छात्र: लेकिन वह तो मैंने एक अंधे को दे दिया।

अध्यापक (गुस्से से): क्यों?

छात्र: गुरुजी, कल आपने ही तो कहा था कि अंधों पर दया किया करो।

पिता जी (पुत्र से): डरो मत बेटे, चिंता की कोई बात नहीं। डॉक्टर ने कहा है कि तुम जल्दी अच्छे हो जाओगे।

बेटा: वो तो ठीक है पिताजी, पर मैं जिस ट्रक से टकराया था, उस पर लिखा था, फिर मिलेंगे।

राजू (मां से): मम्मी, मम्मी...

मां: हां, बोलो बेटे।

राजू: पापा को सड़क पार करने में डर लगता है क्या?

मां: नहीं बेटा।

राजू: तो फिर सड़क पार करते समय मेरा हाथ क्यों पकड़ लेते हैं।

गोलू (पुलिस से): आप लोग अकसर कुत्ता लेकर क्यों घूमते हैं?

पुलिस वाला : क्योंकि कुत्ता चोर को पकड़ता है।

गोलू(आश्चर्य से): तो फिर आप क्या करते हैं?

पुलिस वाला: अरे भाई, कुत्ते को तो हम ही पकड़े रहते हैं न।

कौआ और लक्कड़हारा

कहानी

एक बार की बात है कि एक गांव में एक गरीब लकड़हारा रहता था, वह प्रतिदिन जंगल से लकड़ी काट कर लाता और उन्हें बेचकर अपना और अपने परिवार का पेट पालता था। लकड़हारा बहुत गरीब लेकिन ईमानदार, दयालु और अच्छे चरित्र वाला आदमी था। वह हमेशा दूसरों के काम आता और बेजबान जानवरों और पक्षियों आदि का भी ख्याल रखता था।

एक दिन जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने के बाद वह काफी थक गया और एक छाया दार पेड़ के नीचे सुस्ताने के लिए लेट गया, लेकिन जैसे ही उसकी नजर ऊपर पड़ी उसके रोंगटे खड़े हो गए। उसने क्या देखा कि एक सांप पेड़ पर बने हुए घोंसले की ओर बढ़ रहा था, इस घोंसले में कौवे के बच्चे थे जो सांप के डर से चीं-चीं कर रहे थे। बच्चों के मां बाप दोनों दाना चुगने कहीं दूर गए थे। दयालु लकड़हारा अपनी थकान भूल कर फौरन उठ बैठा और कौवे के बच्चों को सांप से बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ने लगा। सांप ने खतरा भांप लिया और घोंसले से दूर भागने लगा। उसी बीच कौवे भी लौट आए, लकड़हारे को पेड़ पर चढ़ा देखा तो वह समझे कि जरूर उसने बच्चों को मार दिया होगा। वह गुस्से में काओं...काओं... चिल्लाने लगे और लकड़हारे को चोंच मार-मार कर अधमरा कर दिया। बेचारा लकड़हारा किसी तरह जान बचाकर नीचे उतरा और चैन की सांस ली। लेकिन जब कव्वे अपने घोंसले में गए तो बच्चे वहां दुबके हुए बैठे थे, बच्चों ने मां बाप को सारी बात बता दी और तभी उन्होंने देखा कि सांप भी पेड़ से उतर कर भाग रहा है। अब कौवे को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह बहुत शर्मिंदा हुए। कौवे लकड़हारे का शुक्रिया अदा करना चाहते थे, कव्वे ने घोंसले में रखा वास्तविक मोती का कीमती हार जो उन्हें कुछ ही दिन पहले गांव के तालाब के किनारे मिला था, उठा कर लकड़हारे के आगे डाल दिया और थोड़ी दूर हटकर बैठकर काओं काओं करने लगे। इस तरह कव्वे अपने हथियारे बच्चों की जान बचाने पर दयालु लकड़हारे को धन्यवाद कर रहे हैं, गरीब लकड़हारा भी कीमती हार पाकर बहुत खुश हुआ और उसने मन ही मन में अल्लाह का शुक्रया अदा किया। जब लकड़हारा लकड़ियों का गट्ठर सिर पर उठा कर अपने गांव की ओर चला तो कव्वे भी उसके ऊपर काओं काओं करते उड़ रहे थे, लेकिन अब चोंच मारने के लिए नहीं बल्कि दूर कर अलविदा करने के लिए।

लकड़हारे को पेड़ पर चढ़ा देखा तो वह समझे कि जरूर उसने बच्चों को मार दिया होगा। वह गुस्से में काओं काओं चिल्लने लगे और लकड़हारे को चोंच मार-मार कर अधमरा कर दिया बेचारा लकड़हारा किसी तरह जान बचाकर नीचे उतरा और चैन की सांस ली....

ग्लोबल वार्मिंग को समझें!!!!

तापमान बढ़ने लगा है। ऐसे में लोग एसी और फ्रिज की मदद से अपने आपको चिल रखने की जुगत में लग गए हैं। लेकिन एसी और फ्रिज से हमारे वातावरण को काफी नुकसान हो रहा है। इन कूलिंग उपकरणों से क्लोरोफ्लोरा कॉर्बन गैसें उत्सर्जित होती हैं,जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या हो रही है। जानें कैसे?

गर्मियां बढ़ने लगी हैं। गर्मी से बचने के लिए लोग एसी, फ्रिज कूलर आदि कूलिंग मशीनों का प्रयोग करते हैं। इससे उन्हें गर्मी से तो राहत मिल जाती है लेकिन इन कूलिंग मशीनों से निकलने वाली गैसों से वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इन गैसों को क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसें कहते हैं। इन गैसों के दुष्प्रभाव से हमें ग्लोबल वार्मिंग का सामना करना पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग का मतलब है कि पृथ्वी लगातार गर्म होती जा रही है। तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर इस पर रोक न लगाई गई, पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ सकता है। तापमान के बढ़ने से आने वाले दिनों में सूखा बढ़ेगा, बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी और मौसम प्रभावित होगा। ठंड के दिनों में ठंड नहीं पड़ेगी और गर्मी के दिन लम्बे हो जाएंगे।

क्या होगा असर

ग्लोबल वार्मिंग का असर दिखने भी लगा है। तापमान के बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और रेगिस्तान बढ़ते जा रहे हैं। कहीं असामान्य बारिश हो रही है, तो कहीं असमय ओले पड़ रहे हैं। जाहिर सी बात है गर्मियां ज्यादा होंगी, तो मच्छर ज्यादा होंगे और बीमारियों के बढ़ने के आसार होंगे। ग्लेशियरों के लगातार पिघलने के

क्या पीने के पानी के स्रोत में कमी होगी। वैज्ञानिकों की मानें तो इस परिवर्तन के पीछे ग्रीन हाउस गैसों की मुख्य भूमिका है, जिन्हें सीएफसी या क्लोरो फ्लोरो कार्बन गैसें भी कहते हैं। इनमें कार्बन डाई ऑक्साइड है, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड गैसें आती हैं।

कैसे काम करती हैं

ग्रीन हाउस गैसें

उद्योगों के विस्तार से ग्रीन हाउस गैसें वातावरण में बढ़ती जा रही हैं, और इससे ओजोन परत में छेद का दायरा भी बढ़ रहा है। ओजोन की परत सूरज और पृथ्वी के बीच एक कवच की तरह है। ओजोन परत ऐसा कवच है, जिससे सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें हम तक नहीं पहुंच पातीं। जिस वजह से हम तमाम तरह के त्वचा रोगों से बचे रहते हैं।

क्या कारण है

ग्लोबल वार्मिंग का

तापमान में आए दिन जो बढ़ोत्तरी सुनने को मिल रही है। इसके पीछे तेजी से उद्योगों का बढ़ना भी एक कारण है। हमने अपने आवास के लिए जिस तरह से जंगलों को तेजी से काटा है, वह भी नुकसान पहुंचा रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों के धुंए से होने वाला प्रदूषण इन्हीं कारणों में शामिल है। हम एसी और फ्रिज से अपने को ठंडा तो रख लेते हैं। लेकिन क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसें सबसे ज्यादा इन्हीं उपकरणों से उत्सर्जित होती हैं। इसलिए इनका प्रयोग जरूरत के हिसाब से करना होगा, ताकि गैसों का उत्सर्जन कम से कम हो।

क्या होगा असर

वैज्ञानिकों के अनुसार इस समय दुनिया का औसत तापमान 15 डिग्री सेंटीग्रेड है और आने वाले दिनों में इसमें और भी वृद्धि हो सकती है। जब तापमान के बढ़ने से ग्लेशियर पिघलेंगे तो समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा। और समुद्री इलाकों के आस-पास रहने वालों को परेशानी होगी। सुनामी जैसी आपदाओं के आने पर ज्यादा जानमाल का नुकसान होगा।

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए फ्रिज, एसी का प्रयोग कम से कम करना होगा। क्योंकि मुख्य रूप से सीएफसी यानी क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों का उत्सर्जन इन्हीं से होता है। औद्योगिक चिमनियों से निकले वाले धुंए में कार्बन-डाई-ऑक्साइड होती है, जो गर्मी बढ़ाती है। इनमें प्रदूषण रोकने के उपाय करने होंगे। सीएनजी चालित वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा देना होगा। इंडस्ट्री से निकलने वाले कचरे को फिर से रिसाइकल करने की कोशिश करनी होगी। जंगलों की कटाई पर रोक लगानी होगी। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे। तब जाकर थमेगी ग्लोबल वार्मिंग।

चाणक्य के 10 अमर वाक्य

दोस्तों क्या तुम जानते हो कि दुनिया का सबसे महान अर्थशास्त्री कौन है। जी हां वह हैं हिंदुस्तान के गौरव आचार्य चाणक्य। आचार्य चाणक्य की ही नीतियां आज भी बड़े-बड़े अर्थशास्त्री उपयोग करते हैं। उनके इतिहास पर भारत को गर्व है। चाणक्य एक महान शिक्षक, प्रखर राजनीतिज्ञ एवं अर्थशास्त्रकार थे। आपके लिए प्रस्तुत है आचार्य चाणक्य के पंद्रह अमर वाक्य।

1 हर मित्रता के पीछे कोई स्वार्थ जरूर होता है, यह कड़वा सच है।

2 दूसरों की गलतियों से सीखो, अपने ही ऊपर प्रयोग करके सीखने को तुम्हारी आयु कम पड़ेगी।

3 व्यक्ति अपने आचरण से महान होता है जन्म से नहीं।

4 अगर कोई सर्प जहरीला नहीं है तब भी उसे जहरीला दिखना चाहिए। वैसे दंश भले ही न दो पर दंश दे सकने की क्षमता का दूसरों को अहसास करवाते रहना चाहिए।

5 किसी भी व्यक्ति को बहुत ईमानदार नहीं होना चाहिए। सीधे वृक्ष और व्यक्ति पहले काटे जाते हैं।

6 भय को नजदीक न आने दो, अगर यह नजदीक आए इस पर हमला कर दो यानी भय से भागो मत इसका सामना करो।

7 दुनिया की सबसे बड़ी ताकत पुरुष का विवेक और महिला की सुन्दरता है।

8 काम का निष्पादन करो, परिणाम से मत डरो।

9 ईश्वर चित्र में नहीं चरित्र में बसता है, अपनी आत्मा को मंदिर बनाओ।

10 सुगंध का प्रसार हवा के रुख का मोहताज होता है, पर अच्छाई सभी दिशाओं में फैलती है।

अंतर ढूंढो

दोनों चित्रों में आपको दस अंतर ढूढ़कर बताने हैं।

संक्षिप्त खबरें

केंद्र ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने दूसरी बार उन्हें एक साल का और सेवा विस्तार दिया है, जो 3 मई से प्रभावी होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने विस्तारित अवधि के लिए, टी. रबी शंकर की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। एसीसी ने 3 मई से एक साल या अगले आदेश तक उनकी फिर से नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। इस सम्बन्ध में 21 अप्रैल को एक सरकारी आदेश जारी किया गया है।

टी. रबी शंकर को मई, 2021 में तीन साल की अवधि के लिए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने केंद्रीय बैंक में विभिन्न पदों पर काम किया है। शंकर कार्यकारी निदेशक की अपनी पिछली भूमिका में आरबीआई में भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, फिनटेक और जोखिम निगरानी विभाग की देख-रेख कर रहे थे। उन्होंने इससे पहले सरकारी बॉन्ड बाजारों और ऋण प्रबंधन के विकास के लिए आईएमएफ सलाहकार (2005-11) के रूप में भी काम किया है। अब एक साल मई, 2026 तक के लिए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया है।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 15 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली, (एजेंसी) : निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर में मंगलवार को करीब दो फीसदी की तेजी आई, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 15 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। ये उपलब्धि हासिल करने वाली यह देश की तीसरी कंपनी बन गई। एचडीएफसी बैंक के अलावा देश की दो कंपनियां ही यह उपलब्धि हासिल कर सकी हैं।

एचडीएफसी बैंक का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1.78 फीसदी चढ़कर 1,961.90 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में इसका शेयर 2.23 फीसदी उछलकर 1,970.65 रुपये पर पहुंच गया था, जो इसका रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयर 1.70 फीसदी बढ़कर 1,960 रुपये पर पहुंच गया। बैंक के शेयर में नौ अप्रैल से 11.12 फीसदी की तेजी आई है। इस दौरान बैंक के बाजार पूंजीकरण में 1,50,289.64 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है, जो 15,01,289.37 करोड़ रुपये हो गया।

उल्लेखनीय है कि अभी तक केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने ही 15 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण को पार किया है। एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को बताया था कि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ सात फीसदी बढ़कर 18,835 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, बैंक ने आवास और कॉर्पोरेट ऋण खंडों में मूल्य निर्धारण से जुड़े मुद्दों पर चिंता जताई, जिससे बैंक की ऋण वृद्धि प्रभावित हो रही है।

लखटकिया हुआ सोना, देश-दुनिया में सोने ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, (एजेंसी) :वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बनी चिंता के कारण देश और दुनिया में सोने की कीमत में तेजी का दौर लगातार जारी है। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना आज अपने सर्वोच्च स्तर 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज पुराने सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त करते हुए 3,500 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान सोना पहली बार तीन प्रतिशत जीएसटी जोड़ने के बाद 1 लाख रुपये के स्तर को पार करके 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। वहीं, वायदा बाजार में एमसीएक्स पर सोना 1.76 प्रतिशत उछल कर 98,991 रुपए के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। सोने की तरह वायदा बाजार में एमसीएक्स पर चांदी 0.62 प्रतिशत की छलांग लगा कर 95,840 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं, जीएसटी समेत चांदी की कीमत 98,715 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही।

भारतीय बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गया। इस चमकीली धातु ने आज 3,434.37 डॉलर प्रति औंस के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में सोना मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 3,499.87 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह यूएस गोल्ड फ्यूचर्स भी 1.7 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3482.40 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता नजर आया।

कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर की वजह से निवेशकों के बीच सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने की मांग लगातार बढ़ी है। इसी तरह डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट ने भी सोने की मांग को बढ़ा दिया है। डॉलर इंडेक्स फिलहाल 3 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे निवेशकों के बीच सोने का आकर्षण बढ़ गया है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बीच ब्याज दर को लेकर चल रही खींचतान की वजह से भी अमेरिकी बाजार में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसके कारण निवेशक वॉल स्ट्रीट की तुलना में गोल्ड मार्केट में निवेश करना ज्यादा बेहतर समझ रहे हैं।

भारतीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल दो दिवसीय नेपाल दौरे पर काठमांडू पहुंचे

काठमांडू, (एजेंसी) : भारत के विद्युत, आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ऊर्जा मंगलवार सुबह काठमांडू पहुंचे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नेपाल के ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों और काठमांडू में भारतीय दूतावास के प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। अपने प्रवास के दौरान मंत्री मनोहर लाल भारतीय सहायता से निर्मित ऊर्जा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल 220 केवी कोशी कॉरिडोर ट्रांसमिशन लाइन और तुमलिंगतार, बानेश्वर और बसंतपुर में सबस्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इनरुवा-बसंतपुर-बानेश्वर-तुमलिंगतार ट्रांसमिशन लाइन और संबंधित सबस्टेशनों का निर्माण दोनों देशों के बीच बिजली व्यापार और ग्रिड स्थिरता को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के पूर्ण आर्थिक सहयोग से किया गया है। वह अरुण 3 हाइड्रोपावर परियोजना के पावरहाउस और बांध स्थल का भी दौरा करेंगे, जो पूर्वी नेपाल में निर्माणाधीन भारत से वित्त पोषित एक प्रमुख उद्यम है। इसके अलावा नए सीमा पार संचरण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए एक संयुक्त कंपनी की स्थापना के लिए एक समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारतीय मंत्री 23 अप्रैल को मुस्तांग में मुक्तिनाथ के पवित्र तीर्थ स्थल का दौरा करेंगे। वह उसी दिन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और उपप्रधानमंत्री और शहरी विकास मंत्री प्रकाश मान सिंह से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। भारत के लिए रवाना होने से पहले शाम को पशुपतिनाथ मंदिर में प्रार्थना करके अपनी यात्रा समाप्त करेंगे।

मजबूती का सिक्सर, लगातार छठे दिन बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की मजबूती से निवेशकों को 1.39 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार छठे दिन बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से कुछ देर के लिए शेयर बाजार के दोनों सूचकांक लाल निशान में भी गिर गए, लेकिन थोड़ी ही देर बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.24 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, रियल्टी और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह मेटल, फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस तथा कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.82 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.24 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 425.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,130 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,470 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,510 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, जबकि 150 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,595 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,657 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 938 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 319.89 अंक की मजबूती के साथ 79,728.39 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 5 मिनट में ही यह सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 155.06 अंक की कमजोरी के साथ 79,253.44 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक 415.80 अंक की मजबूती के साथ 79,824.30 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इस तेजी के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 225 अंक से ज्यादा टूट कर 187.09 अंक की बढ़त के साथ 79,595.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 59.85 अंक उछल कर 24,185.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से थोड़ी देर में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 110 अंक से ज्यादा टूट कर 53.55 अंक की कमजोरी के साथ 24,072 अंक के स्तर तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाला और आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 11 बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक 117.05 अंक की मजबूती के साथ 24,242.60 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से 75 अंक से अधिक लुढ़क कर 41.70 अंक की तेजी के साथ 24,167.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईटीसी 2.54 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.03 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.92 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.80 प्रतिशत और जियो फाइनेंशियल 1.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। इंडसइंड बैंक 4.91 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.33 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 2.13 प्रतिशत, इंफोसिस 1.94 प्रतिशत और विप्रो 1.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के खिलाफ खुदरा दुकानदार करेंगे देशव्यापी आंदोलन

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने 'क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के काम करने के तौर-तरीकों से देश के पारंपरिक खुदरा दुकानदारों को हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध देशव्यापी आंदोलन चलाने का संकल्प लिया है। कैट के बैनर तले राजधानी नई दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स का क्रूर चेहरा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में सर्वसम्मति से यह ऐलान किया गया।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने मंगलवार को कहा कि भारत का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता 'पारंपरिक खुदरा व्यापार', आज उन कंपनियों के निशाने पर है, जो खुलेआम कानूनों का उल्लंघन कर रही हैं। बाजार को विकृत कर रही हैं और छोटे व्यापारियों को योजनाबद्ध तरीके से बर्बाद कर रही हैं। खुदरा कारोबारियों ने क्विक कॉमर्स व ई-कॉमर्स जैसी कंपनियों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजा दिया है। खुदरा दुकानदार क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के तौर-तरीकों के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि ये कंपनियां खुदरा व्यापार को नुकसान पहुंचा रही हैं।

कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एमरा), ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (आईसीपीडीएफ) और ऑर्गनाइज्ड रिटेलर्स एसोसिएशन (ओरा) के साथ मिलकर विदेशी फंड से संचालित ई-कॉमर्स कंपनियों और तथाकथित भारतीय क्विक कॉमर्स प्लेटफार्मों के खिलाफ आंदोलन करने का ऐलान किया है।

कारोबारी संगठन कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने कहा कि 1 मई से पूरे देश में एक निर्णायक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें हर राज्य और शहर की व्यापारिक संस्थाएं हिस्सा लेंगी। इस आंदोलन की रणनीति 25झ26 अप्रैल को भुवनेश्वर में आयोजित कैट की नेशनल गवर्निंग काउंसिल मीटिंग में घोषित की जाएगी।

सम्मेलन में सर्वसम्मति से ये नीति प्रस्ताव पास किया गया-

एफडीआई और ई-कॉमर्स नीतियों का तत्काल और सख्त प्रवर्तन एवं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत ई-कॉमर्स नियमों को तुरंत लागू किया जाए। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स द्वारा किए जा रहे इन्वेंट्री-आधारित संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगे, यदि वे स्वयं को मार्केटप्लेस बताते हैं। डिजिटल कॉमर्स के लिए एक स्वतंत्र और सक्षम नियामक संस्था का गठन किया जाए। प्लेटफार्मों के एल्गोरिद्म, मूल्य निर्धारण और विक्रेता चयन में पूर्ण पारदर्शिता अनिवार्य की जाए। छोटे किराना दुकानों और ऑफलाइन व्यापार को संरक्षण और प्रोत्साहन मिले। ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से वस्तुओं की खरीद पर जीएसटी के अंतर्गत लग्जरी टैक्स लगाया जाए। क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा किए जा रहे मानवाधिकार उल्लंघनों को रोका जाए। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय की जाए। बैंकों को यह निर्देश दिया जाए कि वे क्रेडिट कार्ड कैशबैक ऑफर में ई-कॉमर्स और छोटे दुकानदारों के बीच भेदभाव न करें।

ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म जुपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में कमाए 1123 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी) : ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म जुपी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने वार्षिक परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने इस अवधि में 1,123 करोड़ रुपये का शुद्ध राजस्व अर्जित किया और 146 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। 2018 में जुपी के स्थापना के बाद यह पहला अवसर है जब जुपी ने लाभ कमाया है। मंगलवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में जुपी के संस्थापक और सीईओ दिलशेर सिंह माल्ही ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 हमारे लिए एक ऐतिहासिक साल रहा। स्थापना के बाद से पहली बार कंपनी लाभ में आई है और तेजी से गेमिंग के क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि जुपी ने ऑनलाइन स्किल-बेस्ड लूडो की शुरूआत की, जिसने ऑनलाइन गेमिंग जगत में एक नई श्रेणी बनाई। उस समय जब रम्मी और फैंटेसी स्पोर्ट्स का बोलबाला था, जुपी ने कौशल आधारित देश के घर घर में खेले जाने वाले खेल लूडो और सांप सीढ़ी खेलों को ऑनलाइन माध्यम से आगे बढ़ाया। कंपनी की सफलता यह साबित करती है कि संस्कृति से जुड़े गेम सीमाओं और उम्र की सीमा से परे जाकर लोगों को जोड़ते हैं। दिलशेर ने कहा कि जुपी का फोकस हमेशा से नवाचार, नियमों का पालन और जिम्मेदार गेमिंग का रहा है। इसलिए जुपी भारत के गेमिंग बाजार में एक मजबूत और भरोसेमंद नाम बनाता है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में देश में खेले जा रहे पारंपरिक खेलों को भी इस ऑनलाइन गेमिंग में लाने की योजना है। केन्द्र द्वारा बनाए गए नियमों और 28 प्रतिशत जीएसटी पर उन्होंने कहा कि वर्ष की दूसरी छमाही में 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होने के कारण गेमिंग उद्योग को संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार को, वेटिकन ने की घोषणा

वेटिकन सिटी, 22 अप्रैल (हि.स.)। पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार को होगा। वेटिकन ने कहा कि उनके पार्थिव शरीर को कल सुबह सेंट पीटर बेसिलिका में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, ताकि शनिवार को होने वाले उनके अंतिम संस्कार से पहले श्रद्धालु उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें।

एनबीसी न्यूज और वेटिकन न्यूज के अनुसार, होली सी प्रेस कार्यालय ने मंगलवार को घोषणा की कि पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे सेंट पीटर स्क्वायर में होगा। अंतिम संस्कार की रस्में कार्डिनल कॉलेज के डीन कार्डिनल जियोवानी बैटिस्टा रे की निगरानी में शुरू होंगी। इस दौरान दुनिया भर के पैट्रिआर्क, कार्डिनल, आर्कबिशप, बिशप और पुजारी मौजूद रहेंगे। यूचरिस्टिक उत्सव का समापन अल्टिमा कमेंडेटियो और वेलेडिक्टियो के साथ होगा। यह उत्सव पोप फ्रांसिस की आत्मा की शांति के लिए नौ दिनों के शोक और सामूहिक प्रार्थना की शुरूआत को चिह्नित करता है। इसके बाद पोप के पार्थिव शरीर को सेंट पीटर बेसिलिका और फिर सेंट मैरी मेजर बेसिलिका में समाधि स्थल पर ले

पंजाब में आतंकी हमलों का गुनहगार हरप्रीत सिंह कैलिफोर्निया में गिरफ्तार

वाशिंगटन, (एजेंसी) : भारत के पंजाब में आतंकवादी हमलों का गुनहगार हरप्रीत सिंह आखिरकार संयुक्त राज्य अमेरिका में धरा गया। आतंकवादी हरप्रीत सिंह को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) और इनफोर्समेंट एंड रिमूवल आपरेशंस (ईआरओ) ने कैलिफोर्निया की राजधानी सैक्रामेंटो में गिरफ्तार किया है। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने यह खुशखबरी एक्स हैंडल पर साझा की है।

एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने अमेरिका में वांछित भारतीय गैंगस्टर हरप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के लिए संघीय जांच एजेंसी की सराहना की है। उन्होंने आतंकवादी हरप्रीत सिंह की गिरफ्तारी की आधिकारिक घोषणा करते हुए एक्स पर लिखा, न्याय मिलेगा। काश पटेल के अनुसार, हरप्रीत सिंह अमेरिका में सक्रिय एक कथित विदेशी आतंकवादी गिरोह का सदस्य है। वह भारत और अमेरिका में पुलिस थानों पर हुए हमलों की योजना बनाने में शामिल रहा है।

एफबीआई ने अपने फेसबुक पेज पर भी इसकी चर्चा की है। एजेंसी के अनुसार, भारतीय पंजाब में आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार कथित आतंकवादी हरप्रीत सिंह को एफबीआई और ईआरओ ने सैक्रामेंटो में गिरफ्तार कर लिया है। वह दो अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से संबद्ध है। वह अवैध रूप से अमेरिका में घुसा और पकड़े जाने से बचने के लिए बर्नर फोन का इस्तेमाल करता था। उल्लेखनीय है कि बर्नर फोन कीमत में काफी सस्ता होता है। इसे ट्रैक करने में काफी मुश्किल आती है। वह फोन आसानी से बिना किसी दस्तावेज के उपलब्ध हो जाते हैं।

माउंट एवरेस्ट आधार क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ी, एक ही दिन पहुंचे 700 पर्यटक

काठमांडू, (एजेंसी) : दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (सागरमाथा) क्षेत्र में एक ही दिन में मंगलवार को लगभग 700 पर्यटक पहुंचे हैं। बड़ी संख्या में आगंतुकों के आगमन के साथ ही चहल-पहल बढ़ गई है। अधिकांश पर्यटक विदेशी हैं। इनमें से 608, जबकि घरेलू पर्यटक 92 थे।

राष्ट्रीय उद्यान के रेंजर विवेक श्रेष्ठ ने बताया कि मंगलवार शाम पांच बजे तक खुम्बू क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या 700 दर्ज की गई। सागरमाथा आधार शिविर में आने वाले सार्क राष्ट्र के पर्यटक से 1,500 रुपये शुल्क लिया जाता है जबकि अन्य देशों के प्रत्येक विदेशी से 3,000 रुपये लिए जाते हैं। नेपाली नागरिकों के लिए 100 रुपये का प्रवेश शुल्क जमा करना होता है।

सागरमाथा पर्वतारोही टेम्बा छिरी शेर्पा ने बताया कि वसंत ऋतु की शुरुआत के साथ इस क्षेत्र में पर्यटकों की अच्छी तादाद देखी गई, जो इस पर्यटन सीजन के लिए सकारात्मक है। उन्होंने बताया कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण इस क्षेत्र के सभी होटल भरे हुए हैं, जिसके कारण नए आने वाले पर्यटकों को रहने के लिए होटलों में कमरे नहीं मिल रहे हैं। स्थानीय निकाय ने यहां के लोगों को अपने घर में होम स्टे की सुविधा देने की अपील की है।

सागरमाथा आधार शिविर के निकट के लुक्ला एयरपोर्ट में मौसम साफ होने से उड़ानें लगातार हो रही है। तारा एयर के इंचार्ज अमृत मगर के अनुसार स्पष्ट मौसम के साथ लुक्ला के लिए हवाई उड़ानें बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि हमने मौसम ठीक होने के कारण इस एयरपोर्ट पर विमानों की संख्या में बढ़ोतरी पर विचार किया जा रहा है। ट्रेकिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ नेपाल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कर्मा शेर्पा ने कहा कि पर्यटन उद्यमी पर्यटकों के प्रवाह को देखकर खुश हैं। कोविड-19 के बाद यह पहला मौका है, जब एक ही दिन में 700 पर्यटकों का आगमन हुआ है।

बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूनामेंट में लेडी श्री राम कॉलेज ने की विजयी शुरूआत

नई दिल्ली (एजेंसी) : लेडी श्री राम कॉलेज और रामजस कॉलेज ने मंगलवार को पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूनामेंट में अपने अभियान की विजयी शुरूआत की है। महिला वर्ग में लेडी श्री राम कॉलेज ने किरोड़ी मल को 38-28 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की अन्वी को मिला। रामजस कॉलेज ने हंसराज कॉलेज को 39-28 से हराया और रामजस कॉलेज की अनोका प्लेयर ऑफ द मैच बनीं।

पुरुष वर्ग में हंसराज कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 54-40 से हराया और हंसराज कॉलेज के अनुभव प्लेयर ऑफ द मैच बने। किरोड़ी मल कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज को 54-51 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच किरोड़ी मल कॉलेज के अनस बने। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने भारत अकादमी को 69 -63 से हराया और विजई टीम के नितिन हुडा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

हॉकी प्रतियोगिता के चौथे दिन पुरुष वर्ग में मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 7-0 से हराया।इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ पुलकित शर्मा ने 4 गोल और गुरमुख सिंह, भूपिंदर एवं चिरंजीव ने एक-एक गोल किए। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के पुलकित शर्मा को मिला।

महिला वर्ग में के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने भारती कॉलेज को 8-0 से हराया। विजेता टीम इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ से पिंकी एवं मीना ने 2-2 गोल और कंचन, अंचल, नेहा रानी और बिंदु ने एक-एक गोल किया और प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की पिंकी को मिला।

बास्केटबॉल टूनामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि इंटरनेशनल बास्केटबॉल कोच एंड एयरफोर्स वेटेरियन प्रदीप तोमर और मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह ने किया।

आईएसएसएफ विश्व कप में सिमरनप्रीत कौर ने जीता रजत पदक

लीमा, (एजेंसी) : सिमरनप्रीत कौर बरार ने सोमवार को इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप के अंतिम दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला पेरू की राजधानी लीमा के लास पाल्मस शूटिंग रेंज में हुआ।भारतीय निशानेबाज सिमरनप्रीत ने फाइनल के 10 रैपिड-फायर शॉट्स की श्रृंखला में कुल 33 सटीक निशाने लगाए। वह चीन की सन यूजिए से सिर्फ एक अंक पीछे रहीं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

Office of the Civil Surgeon-cum-Chief Medical Officer, Sadar Hospital, Dhanbad, Jharkhand

Notice Inviting Tender

RFP FOR

Selection of agency for the development of Modular OT & Supply of essential items in Sadar Hospital Dhanbad Under District Mineral Fund, Office of the Deputy Commissioner-cum-Chairman, Dhanbad, Govt. of Jharkhand

RFP No: 01 — **Date: 22/04/2025**
Issue Date: 22/04/2025 — **Last Date of Submission of Bids: 17/05/2025**

The Office of the Civil surgeon-cum-Chief Medical Officer, Sadar Hospital, invites Request for Proposal (RFP) for Selection of agency for the development of Modular OT & Supply of essential items in Sadar Hospital Dhanbad Under District Mineral Fund, Office of the Deputy Commissioner-cum-Chairman, Dhanbad, Govt. of Jharkhand.

The Bid document can be downloaded from the website (https://dhanbad.nic.in/) and the responses for this Request for Proposal (RFP) shall be deemed to have done after careful study and examination of this document and full understanding of its modalities, process of execution and items to be delivered. The bids are to be submitted as hard copy by hand or by post (Registered/Speed) or by courier on or before the closing date in the address mentioned in the document. Technical bids submitted by the bidder will be opened in the presence of the Tender Committee Members.

Civil Surgeon-cum-
Chief Medical Officer,
Dhanbad

PR 350837 (Health Med Edu and Family Welfare) 25-26 (D)

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।
(जिला बाल संरक्षण इकाई)
दूरभाष संख्या:–8969169046 ई–मेल–dcpsgiridih2024@gmail.com

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 16.04.2025 थाना–सरिया, हजारीबाग रोड जिला–गिरिडीह से एक बालक रिशभ राज उम्र– 07 वर्ष एवं एक बालिका आंचल कुमारी उम्र– 04 वर्ष पाया गया। उक्त दोनों बालक बालिका को दिनांक 17.04.2025 को बाल कल्याण समिति, गिरिडीह के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। बच्चों के द्वारा अपने पिता का नाम छोटू कुमार एवं माता का नाम प्रियंका देवी बताया गया है। परन्तु अपना पता बताने में असमर्थ हैं।

अतः आप सभी से आग्रह है कि उक्त दोनों बालक/बालिका से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर निम्न फोन नं0 एवं पता पर संपर्क किया जा सकता है।

पता :–जिला बाल संरक्षण इकाई, गिरिडीह।
(नया समाहरणालय, द्वितीय तल, पपरवाटांड, गिरिडीह)
जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी गिरिडीह।–8969169046
विधि–सह–परीक्षा पदाधिकारी, गिरिडीह।–9471572302

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी
गिरिडीह।

PR 350772 (Giridih) 25-26 (D)

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले अजमीना ने पिता को किया याद, बोलीं- पापा के लिए खेल रही हूं

पर्थ, (एजेंसी) : भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा मिडफील्डर अजमीना कुजुर जल्द ही सीनियर टीम में डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय अजमीना ने इस मौके पर अपने पिता को याद करते हुए कहा कि वह अब अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए खेल रही हैं और यही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह पांच मैचों की सीरीज 26 अप्रैल से पर्थ हॉकी स्टेडियम में शुरू होगी। इसमें भारत दो मुकाबले ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ और तीन मुकाबले ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ खेलेगा। इस दौरे के लिए अजमीना को सीनियर टीम में मौका मिला है और वे इस मौके को पूरी तरह भुनाने के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद अजमीना ने एक बयान में कहा, "मैं आभारी हूं कि मुझे अब टीम में शामिल किया गया है। दो साल पहले कैंप में थी लेकिन टीम में नहीं आ पाई थी। अब जब मौका मिला है तो अपना 100 प्रतिशत दूंगी।हालांकि, अजमीना पहली बार भारतीय सीनियर टीम के लिए फील्ड हॉकी खेलने जा रही हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच का अनुभव उनके पास पहले से है। 2024 में एफआईएच महिला हॉकी5एस वर्ल्ड कप में उन्होंने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। उस टूर्नामेंट में भारत उपविजेता रहा था। अजमीना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल किए थे।अजमीना ने बताया, "हॉकी5एस वर्ल्ड कप में अमेरिका को हराना सबसे खास लम्हा था। इससे हमारा आत्मविश्वास बहुत बढ़ा, क्योंकि अमेरिका ने इससे पहले ओलंपिक क्वालिफायर में हमारी सीनियर टीम को हराया था। उस जीत से ऐसा लगा कि हमने सीनियर टीम का सम्मान वापस दिलाया।

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले से ताल्लुक रखने वाली अजमीना 11 साल की उम्र से हॉकी खेल रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता और भाई हॉकी खेलते थे। इसी से उनका भी खेल की तरफ रुझान बढ़ा। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान 2021 में उनके पिता का निधन हो गया था।अजमीना ने भावुक होते हुए कहा, "अब मैं अपने पापा के लिए खेल रही हूं। उन्हें गर्व महसूस कराने के लिए। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

अजमीना इस सीरीज में अपने प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, "मैं अपनी फिटनेस और मिडफील्ड में पासिंग पर खास ध्यान दे रही हूं।

हॉकी इंडिया ने ज्ञान विनिमय सत्र के लिए ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों की मेजबानी की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : हॉकी इंडिया ने मंगलवार को सोनीपत स्थित ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह का नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में एक संवाद सत्र के लिए स्वागत किया। जीतेंद्रनाथ मिश्रा (पीएच.डी., भारतीय विदेश सेवा, सेवानिवृत्त) और डिप्लोमैटिक प्रैक्टिस के प्रोफेसर के नेतृत्व में इस दौरे का उद्देश्य शासन और कूटनीति में खेलों की भूमिका के बारे में समझ को गहरा करना था।

सत्र के दौरान हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने छात्रों से संवाद किया और कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इनमें संघ का आंतरिक शासन, भारत की वैश्विक हॉकी में उपस्थिति, अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के साथ संबंध, लिंग समानता के लिए समर्थन, गरीब खिलाड़ियों के लिए सहायता और भारतीय हॉकी में जमीनी स्तर पर विकास शामिल थे। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हॉकी इंडिया शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करता है जो समाज में खेलों की भूमिका पर चर्चा और सीखने को बढ़ावा देते हैं।

केकेआर की बल्लेबाजी पर अजिंक्य रहाणे बरसे, ब्रावो बोले- खिलाड़ियों ने खो दिया है आत्मविश्वास

कोलकाता, (एजेंसी) : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। सोमवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) के हाथों मिली 39 रन की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की बल्लेबाजी पर सवाल उठाए। रहाणे ने कहा कि गेंदबाज अच्छा कर रहे हैं, लेकिन लगातार नाकाम हो रही बल्लेबाजी हार की वजह है। वहीं टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी माना कि खिलाड़ी आत्मविश्वास खो चुके हैं।

मैच के बाद रहाणे ने कहा, "मुझे गेंदबाजों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमारी बल्लेबाजी इस पूरे टूर्नामेंट में जूझती नजर आई है।

कार्यपालक अभियन्ता राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह का कार्यालय

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 03/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम :–कार्यपालक अभियन्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक 29.04.2025 को 10.30 बजे पूर्वाह्न से 1.00 बजे अपराह्न तक।
3. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यालय कार्यपालक अभियन्ता, रा0 ग्रा0 नि0 कार्यक्रम, गिरिडीह।
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय :– दिनांक 30.04.2025 को 2.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की तिथि :– दिनांक 30.04.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यालय कार्यपालक अभियन्ता, रा0 ग्रा0 नि0 कार्यक्रम, गिरिडीह।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र0	प्रखंड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तारीख
1	2	3	4	5	6	7
1	तिसरी	तिसरी प्रखंड के पंचायत बेलाटान्ड के ग्राम गोहारी में डीप बोरिंग का अधिष्ठापन।	234954.00			
	गिरिडीह	गिरिडीह प्रखंड के ग्राम पचम्बा, वार्ड नं0 03 में प्रमिला देवी के जमीन पर चापाकल अधिष्ठापन।	90502.00			
	गिरिडीह	गिरिडीह प्रखंड के ग्राम ससारोबाद में अतविका टुडू के जमीन खाता नं0 80 प्लॉट नं0 237 पर चापाकल अधिष्ठापन।	90502.00			
	गिरिडीह	गिरिडीह प्रखंड के पुराना पुलिस लाईन बरवाडीह में चापाकल अधिष्ठापन।	90502.00			
	सरिया	सरिया प्रखंड के ग्राम [illegible] पोस्ट [illegible] में राजेन्द्र यादव के जमीन पर चापाकल अधिष्ठापन।	90502.00			
	धनवार	अनुमंडल पुलिस परिसर (वकालतखाना के बगल में) चापाकल अधिष्ठापन।	102689.00			
	धनवार	अनुमंडल पुलिस (कर्मियों/पुलिस कर्मी/सैट जवान) का आवासीय परिसर में चापाकल अधिष्ठापन।	102689.00			
	गावां [illegible]	गावां प्रखण्ड अन्तर्गत पंचायत [illegible] के ग्राम [illegible] में मो0 [illegible] पिता स्व0 [illegible] के घर के बगल में चापाकल का अधिष्ठापन।	90502.00			
	गिरिडीह	गिरिडीह प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम बिशनपुर (पचम्बा) में समता प्रवीन के जमीन पर खाता नं0 [illegible] प्लॉट नं0 646/656 पर चापाकल का अधिष्ठापन।	90502.00			
	गिरिडीह	गिरिडीह प्रखण्ड के ग्राम बिशनपुर (पचम्बा) में बीबी [illegible] फातमा के जमीन पर खाता नं0 34/36, 34/2 प्लॉट नं0 649/757 वगैरह पर चापाकल का अधिष्ठापन।	90502.00			
	गिरिडीह	गिरिडीह प्रखण्ड-अन्तर्गत ग्राम [illegible] में [illegible] शर्मा के जमीन पर डीप बोरिंग का अधिष्ठापन।	234954.00			
	डुमरी	डुमरी प्रखण्ड अन्तर्गत पंचायत [illegible] के ग्राम [illegible] में [illegible] कुमार के जमीन पर डीप बोरिंग का अधिष्ठापन।	234954.00			
		कुल–	1542794.00	30900.00	5000.00	दो माह।

निविदा की शर्तें कार्यपालक अभियन्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह, कार्यालय के सूचना पट्ट एवं गिरिडीह जिला के website www.giridih.nic.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, गिरिडीह

PR 350790 (NREP)25-26*D

झारखण्ड सरकार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना (प्रथम आमंत्रण)
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 –DWSD/Dhanbad-2/02/2025-26
दिनांक 22.04.2025

1. Name of work :- Changing of 1740 Nos. Tubewell of 32 mm dia. Rotten Riser Pipe, Connecting rod, C.I. Cylinder etc. on turn key basis for the year 2025-26 in different Block under D.W. & S. Division No -2, Dhanbad.

प्रखण्ड/प्रशाखा	ग्रुप सं0	नलकूपों की सं0	प्राक्कलित राशि (लाख रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
धनबाद	DHN/RRP-1	85	12.39669	25000.00	2500.00	60 दिन
बलियापुर	BAL/RRP-2	215	31.35633	63000.00	5000.00	60 दिन
पूर्वी टुण्डी	PTUN/ RRP-3	218	31.79386	64000.00	5000.00	60 दिन
टुण्डी	TUN/ RRP-4	297	43.31549	87000.00	5000.00	60 दिन
तोपचांची	TOP/ RRP-5	280	40.83615	82000.00	5000.00	60 दिन
कतरास (प्रशाखा)	KAT/ RRP-6	410	59.79579	120000.00	10000.00	60 दिन
बाघमारा (प्रशाखा)	BAG/ RRP-7	235	34.27320	69000.00	5000.00	60 दिन

2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 23.04.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न तक।
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 30.04.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न तक।
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेंस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 02.05.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न तक।
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 02.05.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, धनबाद।
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम	श्री मुकेश कुमार मंडल पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं0–2, धनबाद।
8	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0	7292898986
9	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0	0651-248045

नोट – (i) केवल ई0–निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
(ii) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार परिमाण विपत्र में अंकित प्राक्कलित राशि के आधार पर अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य मान्य होगा।
(iii) अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल संख्या–2, धनबाद।

PR 350818 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, बोकारो
बाई पास रोड, चास (वैभव होटल के पीछे) बोकारो–827013

अति अल्पकालीन निविदा की सूचना

बोकारो जिले के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय I एवं II के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु खाद्य पदार्थ एवं हरी सब्जी, मछली, चिकेन, दूध, पनीर इत्यादि सामग्री की आपूर्ति हेतु संबंधित विद्यालय में निबंधित इच्छुक संस्थानों/विक्रेताओं से विद्यालयवार एवं पैकेजवार अल्पकालीन मुहरबंद निविदा निम्नवत् आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक निविदादाता संबंधित विद्यालय से निविदा प्रपत्र दिनांक 23.04.2025 से दिनांक 30.04.2025 तक (विद्यालय अवधि में) प्राप्त कर संबंधित विद्यालय में दिनांक 04.05.2025 के अपराह्न 03:00 बजे तक भरकर जमा करना सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय स्तरीय क्रय समिति के समक्ष दिनांक 05.05.2025 को पैकेजवार निविदा खोलने की कार्रवाई की जाएगी।

निविदा हेतु संबंधित विद्यालय का नाम एवं पता निम्नलिखित रूप से है :–

क्र0 सं0	विद्यालय का नाम एवं प्रखंड	पता	पैकेज संख्या
1	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय – I, चास	SC/ST कल्याण छात्रावास, सेक्टर 2डी, बोकारो स्टील सिटी	पैकेज सं0 01 एवं 02,03,04
2	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय – II, चास	उत्क्रमित म0वि0 तेतुलिया कैम्पस, बारी को–ऑपरेटिव कॉलोनी,बोकारो	पैकेज सं0 01 एवं 02,03,04

वर्ष 2025–26 का पैकेज विवरणी – पैकेज संख्या 1 – खाद्य पदार्थ एवं अन्य सामग्री एवं पैकेज संख्या 02 – हरी सब्जी, मछली, चिकेन, दूध, पनीर पैकेज संख्या 03– पोशाक एवं अन्य वस्त्र पैकेज संख्या 04– स्टेशनरी इत्यादि संबंधित विद्यालय से पूर्ण एवं आवश्यक निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए (प्रत्येक पैकेज के लिए) विद्यालयवार NSCBAV VIDYALAYA BOKARO I एवं NSCBAV VIDYALAYA BOKARO II के नाम से जारी तथा बोकारो में भुगतेय होना चाहिए) (Non Refundable) 500/– रूपये (पाँच सौ रूपये मात्र) का डिमांड ड्राफ्ट देना अनिवार्य है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन अथवा रद्द करने का अधिकार विद्यालय स्तरीय क्रय समिति के पास सुरक्षित होगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,बोकारो

PR 350777 Health Med Edu and Family Welfare(25-26).D

झारखण्ड सरकार कार्यालय, असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद
सदर अस्पताल परिसर कोर्ट मोड़ धनबाद–826001
फोन नम्बर–9431711098 ई-मेल cs.dhanbad@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

सरकारी अस्पतालों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य बीमा योजनाओं से अधिकतम Claim की राशि प्राप्त कर सदर अस्पताल धनबाद के बेहतर प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को Indian Public Health के मानक के अनुरूप करने के लिए अस्पताल प्रबंधन हेतु दिशा–निर्देश विभागीय ज्ञापांक–58(21) दिनांक–11.04.2025 द्वारा निर्गत है। उक्त दिशा–निर्देश के आलोक में झारखण्ड राज्य अन्तर्गत सदर अस्पताल धनबाद में विशेषज्ञ/अति विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा Consultant के रूप में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पैनल निर्माण हेतु Expression of Interest आमंत्रित किए जाते है। यह विज्ञप्ति विशेषज्ञ/अति विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल निमार्ण हेतु जारी किया किया जा रहा है। यह प्रक्रिया किसी निश्चित अवधि तक सीमित न होकर सतत् (Continue) जारी रहेगी, जिससे इच्छुक चिकित्सक किसी भी समय आवेदन कर सकते है।

चयन समिति द्वारा पैनल को आव यकतानुसार अनुमोदित किया जायेगा। तदोपरांत संबंधित अस्पताल द्वारा इनसे सेवा ली जायेगी।

निम्नांकित विशेषज्ञता/अति विशेषज्ञता विभागों हेतु विशेषज्ञ/अति विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवायें Consultant के रूप में वांछित हैः–क्र0अति विशेषज्ञता विभाग का नाम क्र0 विशेषज्ञता विभाग का नाम 1. Cardiology 2.Neurology 3.Medical Gastroenterology 4.Medicine (Physician) 5. ENT 6 . Anesthetist 2. आवश्यक योग्यता एवं आयु सीमा :–

a) विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में Consultant के लिए– MBBS, MD/MS/DNB (Specialty)
b) अतिविशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में Consultant के लिए– DM/MCH/DNB (Superspecialty)

3. पैनल निर्माण एवं चयन प्रक्रिया :–
a) इच्छुक चिकित्सकों का चयन–Walk-in-Interview के माध्यम से किया जाएगा।
b) योग्य चिकित्सकों की सूची तैयार कर पैनल में शामिल किया जाएगा।
c) अस्पताल आव यकतानुसार उनसे सेवाएँ प्राप्त करेगी।
d) यह प्रक्रिया निरंतर (Rolling basis) पर जारी रहेगी अर्थात इच्छुक चिकित्सक कभी भी आवेदन कर सकते है और निर्धारित तिथियों पर आयोजित साक्षात्कार में भाग ले सकते है।
e) सरकारी नौकरी में कार्यरत चिकित्सक इन पदों के लिए योग्य नहीं होंगे।

5. सेवा की शर्ते एवं Remunerations–
(क) अतिविशेषज्ञ/विशेषज्ञ चिकित्सकों (Superspeciality /Specialty Consultants) की ली जाने वाली सेवाओं के लिए विभागीय संकल्प सं0–58(21) दिनांक–11.04.2025 के कंडिका–08 में निहित प्रावधान के अनुसार विशेष चिकित्सकों को 300 रू0 प्रति मरीज एवं अति विशेषज्ञ चिकित्सकों को 500 रू0 प्रति मरीज पारिश्रमिक देय होगा, परन्तु यह राशि प्रति विशेषज्ञ/ अति विशेषज्ञ चिकित्सक प्रतिमाह 4,00,000/–(चार लाख) से अन्यून होगी तथा इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा किया जाने वाला सं ोधन स्वतः प्रभावी होगा।
(ख) Consultant चिकित्सकों की सेवा का मूल्यांकन उनके Performance के आधार पर समय–समय पर किया जायेगा। Performance असंतोशजनक पाये जाने पर संबंधित चिकित्सकों को पैनल से बाहर करते हुए उनकी सेवा समाप्त कर दी जायेगी।

6. Walk-In-Interview का स्थान :– उपायुक्त कार्यालय धनबाद में प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को अपराह्न 12:30 बजे साक्षात्कार हेतु निर्धारित की जाती है। (अवका ा की स्थिति मे उसके अगले दिन साक्षात्कार की जाएगी।
7. सभी इच्छुक उम्मीदवार अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकेंगे। आवेदन पत्र में अंकित सभी वांछित सूचनाएँ पूर्ण रूपेण भरकर, सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उनकी स्व–अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर ससमय वाक–इन–इन्टरव्यू में उपस्थित होंगे।
8. इस विज्ञापन को स्थगित करने, किसी आवेदन को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने एवं रिक्ति के अवशेष रहने की अवस्था में पुनः विज्ञापन प्रकाशित करने का सर्वाधिकार स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को सुरक्षित रहेगा।
9. उक्त से संबंधित जानकारी के लिए वेबसाईट–www.dhanbad.nic.in पर देखा जा सकता है।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य
चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद

सदर अस्पताल धनबाद अन्तर्गत स्पेशियलिटी एवं सुपरस्पेशियलिटी विभागों में निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ/अति विशेषज्ञ चिकित्सकों को Consultant के रुप में सेवा प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र

1. आवेदित पद/विभाग का नाम–
2. आवेदक का नाम–
(क) हिन्दी में–........................
(ख) अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में–........................
3. पिता/पति का नाम–........................
4. जन्मतिथि– (अंक में)........................
(शब्द में)........................
5. पत्राचार का पता–वर्तमान पता/मोहल्ला........................
पोस्ट–..................थाना–..................
जिला–..................राज्य–..................पिनकोड–..................
ई–मेल–..................मो0नं0..................

स्वहस्ताक्षरित फोटो चिपकाएं

6. शैक्षणिक योग्यता–

क्र0सं0	उत्तीर्ण परीक्षा	बोर्ड/वि0 वि0/संस्था का नाम	वर्ष	प्राप्तांक	प्रतिशत	श्रेणी
1	एम0बी0बी0एस0					
2	एम0डी0/एम0एस0/डी0एन0बी0/डिप्लोमा इत्यादि					
3	DM/MCH/DNB (Superspecialty)					

7. आवेदक सभी प्रमाण पत्रों की स्वअभिप्रमाणित प्रति एवं अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करेंगे।
8. अनुलग्नकों की सूची–
a) ....
b) ....
c) ....
d) ....

घोषणापत्र

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि आवेदन पत्र में उल्लिखित सभी विवरणी सत्य है। किसी प्रकार की गलत सूचना एवं अनुमान्य अर्हता/अनुभव नहीं पाये जाने पर आवदेन अस्वीकृत करने या किसी भी निर्णय के लिये चयन समिति सक्षम होगा तथा जो मुझे स्वीकार होगा।

स्थान:–
दिनांक:–

आवेदक का हस्ताक्षर

PR.NO.350828 Health Med Edu and Family Welfare(25-26):D

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ में हर घंटे पांच नाबालिगों के साथ दुराचारः सुप्रिया श्रीनेत

रायपुर, (एजेंसी): रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर आज, मंगलवार की सुबह कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पत्रकारों को बताया कि नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर देशभर में कांग्रेस द्वारा प्रेस वार्ताएं की जा रही हैं, जिससे सच को जनता के सामने रखा जा सके। छत्तीसगढ़ में हर घंटे औसतन पांच नाबालिगों के साथ दुराचार की घटनाएं सामने आ रही हैं जो बेहद चिंता का विषय है। साथ मंत्रिमंडल के विस्तार पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह भाजपा का आपसी मामला हो सकता है। इसका असर साफ तौर पर प्रशासनिक व्यवस्था पर दिखाई दे रहा है जो पूरी तरह ठप नजर आ रहा है।

चुनाभट्टी पुलिस ने 10 किलोग्राम ड्रग्स सहित 2 तस्करों को गिरफ्तार किया

मुंबई, (एजेंसी):चुनाभट्टी थाना पुलिस ने 10 किलोग्राम ड्रग समेत दो लोगों को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में गहन छानबीन कर अन्य तस्करों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

चुनाभट्टी पुलिस ने शनिवार रात गश्त के दौरान 30 वर्षीय रहीम शेख को संदिग्ध अवस्था में घूमते पकड़ा था। तलाशी के दौरान उसके पास से पुलिस ने 1.9 किलोग्राम चरस बरामद की थी। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान शेख ने खुलासा किया कि ड्रग्स गुजरात के वलसाड से मंगाई गई थी। इस सुराग के बाद पुलिस वलसाड पहुंची और 32 वर्षीय नितिन टंडेल के घर की तलाशी ली। नितिन टंडेल के घर में 8.146 किलोग्राम अफगान मूल की चरस बरामद हुई। इस बरामदगी के बाद पुलिस टंडेल को गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह चुनाभट्टी पुलिस की टीम ने कुल 10 किलोग्राम से ज्यादा उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 10 करोड़ रुपये आंकी गई है। चुनाभट्टी पुलिस व्यापक ड्रग वितरण नेटवर्क का पता लगाने के लिए इस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

इंदौर में फिर मिले कोरोना के दो मरीज, बुजुर्ग महिला की मौत, युवक का इलाज जारी

इंदौर,(एजेंसी): मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एक बार फिर कोरोना के दो मरीज मिले हैं। इनमें एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। दोनों को शहर के अरबिंदो अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां सोमवार को महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं संक्रमित युवक का इलाज जारी है। महिला की उम्र 74 साल थी, जो किडनी की बीमारी से पीड़ित थी। जबकि युवक लंबे समय से सर्दी-खांसी से पीड़ित था। युवक ने पहले दूसरे अस्पताल में दिखाया, लेकिन फर्क नहीं पड़ने पर वह अरबिंदो अस्पताल पहुंचा, जहां उसकी कई प्रकार की जांचें हुईं, जिसमें कोविड की पुष्टि हुई है। युवक को अस्पताल के अलग वार्ड में रखा गया है। उसकी हालत ठीक बताई गई है। कोरोना वायरस की रोकथाम की पूरी गाइडलाइन का पालन किया जा रहा है।

अरबिंदो अस्पताल के निदेशक डॉ. विनोद भंडारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ मरीज ऐसे होते हैं, जिनकी सर्दी-खांसी जल्द ठीक नहीं होती है। ऐसे में उनकी एक विशेष फ्लू पैनल जांच होती है, जिसमें कई प्रकार की जांचें होती हैं। इसी में कोविड की भी जांच होती है। इसमें युवक कोविड पॉजिटिव पाया गया। उसे अलग वार्ड में आइसोलेट किया गया है। उसकी हालत अब ठीक है। अभी उसकी हालत ठीक है।

उन्होंने बताया कि 74 वर्षीय महिला इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र की रहने वाली थी। उसे किडनी की बीमारी के कारण भर्ती किया गया था। उसे सेप्टिक सेप्टिक था। उसे कोमार्बिड पेशेंट थी। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए, उसकी भी फ्लू पैनल जांच की गई। इसमें वह भी कोविड पॉजिटिव पाई गई। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉ. भंडारी ने स्पष्ट किया कि उसे कोविड था लेकिन मौत का कारण किडनी सहित अन्य बीमारियां थीं।

पहलगाम में आतंकवादी हमला, एक शख्स की मौत, 5 लोग घायल

अनंतनाग, (एजेंसी): अनंतनाग जिले के पहलगाम के बैसरन गांव में आज दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर हमला किया गया है इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि कम से कम पांच लोग घायल हो गए हैं। सुरक्षा बलों को मौके पर भेज दिया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने आज दोपहर बैसरन गांव में पर्यटकों के एक समूह पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि घटना में पांच लोग घायल हो गए हैं, जबकि सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं। इस बीच एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि दो घायल व्यक्तियों को पास के अस्पताल में लाया गया है और उनकी हालत स्थिर है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

मप्र के दमोह में बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में गिरी, एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत

दमोह, (एजेंसी): मध्य प्रदेश के दमोह जिले में नोहटा थाना अंतर्गत ग्राम सिमरी के पास महादेव घाट पर मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। इस हादसे में बोलेरो में सवार एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें दमोह के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों में तीन बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार जबलपुर के भीटा फुलर गांव का परिवार बांदकपुर से जागेश्वर धाम के दर्शन करने के बाद वापस लौट रहा था। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बनवार चौकी क्षेत्र में महादेव घाट के पास यह हादसा हो गया। बोलेरो में 15 लोग सवार थे। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों ने दमोह जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, पांच अन्य घायलों को दमोह जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दमोह से जबलपुर पहुंचाया गया।

कलेक्टर सुधीर कोचर ने बताया कि महादेव घाट पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत एक पुल बना है। इस पुल के एप्रोच रोड पर आते ही बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, गाड़ी तेज स्पीड के कारण अनियंत्रित हुई। वहीं, पुलिस अधीक्षक श्रुतिकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि प्राथमिक तौर पर सामने आया है कि जिस टर्न पर हादसा हुआ, वह खतरनाक मोड़ है। गाड़ी की स्पीड भी ज्यादा थी। सड़क पर पहियों के निशान मिले हैं। कमेटी मामले की जांच करेगी।

पुलिस के मुताबिक मरने वालों में पांच महिलाएं- लौंग बाई, हल्की बाई, संपत बाई, गुड्डी बाई और 60 वर्षीय वैजयंती बाई लोधी शामिल हैं। पांचों आपस में बहनें थीं। वहीं, हादसे में तीन बच्चों की मौत हुई है। इनमें 10 वर्षीय तमन्ना, 12 वर्षीय रचना और आठ वर्षीय शिब्बू पुत्र हरि शामिल हैं। शिब्बू गुड्डीबाई का नाती था, रचना मृतक महिलाओं के भाई कल्याण सिंह की बेटी थी। इसके अलावा रज्जो सिंह (55), वैभव सिंह (12), रविंद्र (22), आयुष और अंकित घायल हुए हैं

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने परिवार के साथ आमेर किले का किया भ्रमण

जयपुर,(एजेंसी):चार दिवसीय भारत दौरे पर आए संयुक्त राज्य अमेरिका उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मंगलवार सुबह अपने परिवार के साथ जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आमेर किले में वेंस का भव्य स्वागत किया। वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा वेंस, बेटे विवेक, इवान और बेटी मीराबेल भी मौजूद रहे।

आमेर किले के जलेब चौक में हथिनियां पुष्पा और चंदा ने पारंपरिक शैली में उनका स्वागत किया। साथ ही लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी, घूमर और कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत कर मेहमानों का मन मोह लिया। मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति वेंस को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके सुखद प्रवास की शुभकामनाएं दीं, वहीं उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस का स्वागत किया।

वेंस परिवार ने करीब डेढ़ घंटे तक आमेर फोर्ट का भ्रमण किया। उन्होंने दीवान-ए-आम, गणेश पोल, मान सिंह महल और विश्व प्रसिद्ध शीशमहल को देखा। शीशमहल की दीवारों पर लगे बेल्जियम से आयातित कांच और कीमती पत्थरों की सजावट ने उन्हें खासा प्रभावित किया। वेंस बेटी मीराबेल को गोद में लिए किले का भ्रमण करते नजर आए। किले से लौटते समय उनका काफिला जयपुर के प्रतिष्ठित हवा महल के सामने से गुजरा। इसके बाद वे रामबाग पैलेस लौटे, जहां वे अपने परिवार के साथ ठहरे हुए हैं। सुबह वे होटल के गार्डन में नंगे पांव टहलते भी देखे गए। दोपहर 2:45 बजे वेंस राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित अमेरिकी बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगे और उद्बोधन करेंगे। इसके बाद उनकी राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर से मुलाकात प्रस्तावित है।

अमरेली में ट्रेनिंग सेंटर का प्लेन क्रैश, पायलट की मौत

प्लेन क्रैश के बाद ब्लास्ट होने से सहमे लोग

अमरेली, (एजेंसी): गिरिया रोड पर आवासीय क्षेत्र में मंगलवार को ट्रेनिंग सेंटर का एक प्लेन क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में पायलट की मौत हो गई। प्लेन क्रैश होने के बाद धमाके की आवाज से आसपास क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई। फायर ब्रिगेड व पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

पुलिस उपाधीक्षक चिराग देसाई ने बताया कि अमरेली में पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का प्लेन मंगलवार को अमरेली तहसील पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत शास्त्रीनगर में क्रैश हो गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पायलट अनिकेत महाजन ने ट्रेनिंग के दौरान खुद ही चार बार टेकऑफ किया फिर लैंड किया लेकिन बाद में टेकऑफ के बाद यह प्लेन क्रैश हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर फायर, पुलिस और डिजास्टर की टीम मौके पर पहुंची। इस दुर्घटना में पायलट अनिकेत महाजन की मौत हो गई। ट्रेनी पायलट अनिकेत अकेला प्लेन उड़ा रहा था।

फायर ऑफिसर एससी गढवी ने बताया कि दिन के 12.30 बजे अमरेली एयरपोर्ट के अंदर संचालित ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का प्लेन क्रैश हुआ। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंच गई थी। रेस्क्यू टीम ने प्लेन में फंसे पायलट को बाहर निकाल कर एम्बुलेंस को सौंप दिया, लेकिन पायलट की मौत हो गई। प्लेन क्रैश होने के बाद धमाके की आवाज हुई और आग लग गई। उन्होंने बताया कि फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

जामनगर में 2 अप्रैल को हुआ था फाइटर प्लेन क्रैश

जामनगर के कालावड रोड पर सुवरडा गांव के समीप 2 अप्रैल को एक फाइटर प्लेन क्रैश हुआ था। इस दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई थी। वहीं एक अन्य पायलट को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया था।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायपुर,(एजेंसी): ब्राह्मण समाज को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में बॉलीवुड के फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप के खिलाफ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी पंडित नीलकंठ त्रिपाठी ने दर्ज कराई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि रायपुर पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 302 के तहत मामला दर्ज किया है।

ब्राह्मण समाज को लेकर फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप ने कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद सोमवार शाम हिंदू समाज से जुड़े लोगों ने कोतवाली थाना में ज्ञापन सौंपा था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 और 302 के तहत मामला दर्ज किया है।

उल्लेखनीय कि अनुराग कश्यप की फिल्म 'फुले', जो समाज सुधारक जोड़ी ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है, 11 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। लेकिन फिल्म पर जातिवाद को बढ़ावा देने के आरोप लगाए गए और सेंसर बोर्ड ने भी फिल्म में कई बदलाव करवाए। इसके बाद, फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई। इससे परेशान होकर अनुराग ने केंद्र सरकार, ब्राह्मण समुदाय और सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन पर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने ब्राह्मण समाज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी टिप्पणी के कारण यह विवाद बढ़ा और अब उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इस विवाद के बीच, अनुराग कश्यप ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मैं गुस्से में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को गलत बोल दिया। यह वही समाज है जिसके कई लोग मेरी जिंदगी में अहम भूमिका निभा चुके हैं। आज वे सभी मुझसे आहत हैं, यहां तक कि मेरा परिवार और मेरे करीबी सहयोगी भी। मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं।

उन्होंने लिखा, ‎‎ह्लअब मैं इस बात पर काम करूंगा कि भविष्य में अपने गुस्से पर काबू रखूं और जब भी कोई मुद्दा उठाना हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूं।ह्न सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में अगले चार दिनों तक भीषण गर्मी और लू की चेतावनी

रायपुर, (एजेंसी): छत्तीसगढ़ में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है और प्रदेश में औसतन तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तापमान चल रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना जताई है। अगले 48 घंटों में तापमान में 1-2 डिग्री की और वृद्धि हो सकती है। मौसम विभाग ने मौसम के इस बदलाव के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और द्रोणिकाओं का प्रभाव होना बताया है। मौसम विभाग ने 23 अप्रैल से 25 अप्रैल तक मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर लू चलने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग और इससे सटे इलाकों में अगले चार दिनों तक भीषण गर्मी और लू की स्थिति बनी रहेगी।

महापुरुषों का अपमान और दलितों पर हो रहे अत्याचारों का संज्ञान लें सरकारें: मायावती

लखनऊ, 22 अप्रैल (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को महापुरुषों के अपमान और दलितों पर हो रहे अत्याचार को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डा.आंबेडकर का नाम सिर्फ दलितों के वोट पाने के लिए लिया जाता है, लेकिन उन्हें सम्मान नहीं दिया जाता। समाज को ऐसी स्वार्थी सरकारों से सावधान रहना चाहिए।बसपा प्रमुख ने एक्स पर लिखा कि डा.आंबेडकर की जयंती पर इस बार देश के कई राज्यों में उनकी प्रतिमाओं का अनादर हुआ है। कार्यक्रम व जुलूस पर सामंती तत्वों के हमलों में अनेक लोग हताहत हुए। ऐसी घटनाएं अति-शर्मनाक हैं और इससे सरकारों के दोहरे चरित्र का प्रमाण देखने को मिलता है।

मध्य प्रदेश के मुरैना में हुई घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आंबेडकर जुलूस के दौरान हमला हुआ। इसमें एक दलित की मौत हो गई और अनेक लोग घायल हुए। दोषियों के विरुद्ध अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे राज्य सरकार भी इसमें संलिप्तता को लेकर कटघरे में है।ह्यउन्होंने कहा कि दलितों पर हो रहे अत्याचार और महान संतों-महापुरुषों के अपमान की घटनाओं का संज्ञान लेकर केंद्र और राज्य सरकारें सख्त कार्रवाई करें। इसे इसे रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे।मायावती ने कहा कि ऐसी जातिवादी घटनाओं से स्पष्ट है कि केन्द्र व राज्य सरकारें डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती आदि पर जो कार्यक्रम आयोजित करती हैं। वह सब दलितों के वोट के स्वार्थ की खातिर पूर्ण छलावा है। दलित समाज ऐसे दोहरे चाल, चरित्र व चेहरे वाली पार्टियों से जरूर सावधान रहें।

युवा कांग्रेस ने सांसद निशिकांत दुबे के विवादित बयान के विरोध में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी): भारतीय युवा कांग्रेस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के विवादित बयान के विरोध में रायसीना रोड स्थित संगठन के मुख्यालय के बाहर आज प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर नारे लिखे हुए थे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से निशिकांत दुबे को बर्खास्त करने की मांग की।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा देश के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट पर दिया गया बयान न केवल शर्मनाक है बल्कि यह हमारे लोकतंत्र की नींव पर सीधा प्रहार है। भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है और इसे किसी भी कीमत पर सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है।दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका पर इस प्रकार के हमले लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश है। निशिकांत दुबे के बयान को उनका निजी बयान बताकर भाजपा ने अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि अगर भाजपा का इस बयान से कोई लेना देना नहीं है तो अभी तक निशिकांत दुबे के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई?अक्षय लाकड़ा ने कहा कि निशिकांत दुबे जैसे लोगों को इनके विवादित बयानों के लिए सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। ये सदन में महिला सांसदों से लेकर देश की जनता के लिए अपशब्दों का प्रयोग कर चुके हैं लेकिन बस अब और नहीं। हम यह मांग करते हैं कि भाजपा अध्यक्ष और प्रधानमंत्री मोदी अपने सांसदों के इन बयानों के लिए देश की जनता और सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगें और भाजपा अगर सही में इन बयानों से कोई सरोकार नहीं रखती है तो तुरंत ऐसे व्यक्ति को ‍ह्नकारण बताओ नोटिसह्न भेजे और अपनी पार्टी से बर्खास्त करे।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने निशिकांत दुबे का पुतला जलाया। प्रदर्शनकारी निशिकांत दुबे के आवास पर जाकर उन्हें संविधान की कॉपी भेंट करना चाहते थे लेकिन दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया।

हिंदू समाज नहीं जागा तो फिर हो सकता है विभाजनः शांता कुमार

पालमपुर,(एजेंसी): पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता शांता कुमार ने एक बार फिर देश में जातिगत भेदभाव और दलितों पर बढ़ते अत्याचार पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यही सामाजिक विघटन भारत की ऐतिहासिक गुलामी का प्रमुख कारण बना था और दुर्भाग्यवश आज भी यह ह्लमहारोगह्व देश में मौजूद है।शांता कुमार ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ह्लवेद, उपनिषद, राम और कृष्ण के भारत को सदियों तक गुलामी के दिन देखने पड़े क्योंकि समाज जातियों में बंटा हुआ था। आज भी जातिगत भेदभाव के कारण दलितों को समाज में दुत्कारा जाता है और यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी रही है।ह्व उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत में हर दिन औसतन 150 दलित अत्याचार के मामले दर्ज होते हैं। वर्ष 2024 में कुल 51,000 से अधिक केस सामने आए। उन्होंने यह भी कहा कि गरीब दलित परिवार अब भी सामाजिक समानता से वंचित हैं—घोड़ी चढ़कर शादी करने पर भी उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ता है।शांता कुमार ने हिंदू समाज के नेताओं से आह्वान किया कि वे इस गंभीर समस्या पर विचार करें। उन्होंने कहा, ह्लहमने अपने ही समाज के गरीबों को दलित कह कर अलग किया, वहीं विदेशी ताकतों ने उन्हें अपनाया। इसी सामाजिक बहिष्कार के चलते लाखों लोगों ने धर्म बदला, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश बने।ह्व उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान का उल्लेख करते हुए कहा, ह्लयदि हिंदू समाज अब भी नहीं जागा, तो एक और विभाजन की नौबत आ सकती है। कट्टरपंथी मानसिकता से प्रेरित कुछ मुस्लिम समुदाय के लोग चार-चार शादियां कर बीस-बीस बच्चे पैदा कर रहे हैं। इनमें से कुछ घुसपैठिए के रूप में देश में आते हैं और इस कार्य में उन्हें विदेशी फंडिंग भी मिलती है।ह्व

शांता कुमार ने चेतावनी दी कि देश के भीतर बढ़ती जनसंख्या असंतुलन और सामाजिक विघटन अगर समय रहते नहीं रोका गया तो निकट भविष्य में भारत को एक और विभाजन का सामना करना पड़ सकता है।

ईको टसर ने बिहार व झारखंड में लॉन्च किए तीन नए यार्न स्पिनिंग समूह

ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : ईको टसर ने बिहार और झारखंड में तीन नए यार्न स्पिनिंग समूह लॉन्च किए हैं, जो ग्रामीण महिलाओं को सस्टेनेबल सिल्क यार्न उत्पादन के माध्यम से सशक्त बनाने के मिशन पर काम कर रहा है। यह पहल बांका (बिहार) और दुमका (झारखंड) जिलों की 85 महिलाओं को लाभ पहुंचा रही है और ईको टसर के 2026 तक 2,000 महिलाओं को सशक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिका की प्रमुख होम गुड्स रिटेलर वेस्ट एल्म की प्रेसिडेंट मिस डे कॉर्नब्लुथ ने वर्चुअल रूप से इन समूहों का उद्घाटन किया। वेस्ट एल्म और ईको टसर की साझेदारी ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में, ईको टसर बिहार और झारखंड में 46 महिलाओं के साथ काम कर रहा है और असम में 800 से अधिक महिला कारीगरों को एरी रेशम यार्न उत्पादन में सहयोग प्रदान कर रहा है। वर्ष 2025-26 में, ईको टसर जनजातीय एवं ग्रामीण विकास फाउंडेशन (टीआरडीएफ) के साथ मिलकर 700 और महिलाओं को जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं को सस्टेनेबल सिल्क यार्न उत्पादन के माध्यम से सशक्त बनाने के मिशन को और मजबूती मिलेगी। महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित एनजीओ प्रदान का सहयोग प्राप्त हो रहा है। नवगठित स्पिनिंग समूहों में बांका के बौंसी ब्लॉक के तीन गांवों की 35 महिलाएं और

दुमका के चार गांवों की 50 महिलाएं शामिल हैं इन महिलाओं को मुफ्त में कताई उपकरण प्रदान किए गए हैं और रेशम यार्न उत्पादन की व्यावहारिक प्रशिक्षण दी गई है। इस पहल से महिलाएं अपने घर से ही काम कर सकती हैं और एक स्थायी आंशिक आय अर्जित कर सकती हैं। इससे उन्हें मौसमी पलायन जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। ईको टसर के संस्थापक खितिश पंड्या ने कहा कि रोजगार के अवसर महिलाओं के पास लाए जाने चाहिए, न कि उन्हें अवसरों की तलाश में घर से बाहर जाने की मजबूरी हो। रेशम यार्न उत्पादन न केवल उन्हें आजीविका प्रदान करता है, बल्कि आत्म-सम्मान, स्वतंत्रता और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ने की शक्ति भी देता है। इन नए समूहों की शुरुआत के साथ 85 महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में पहला कदम बढ़ा चुकी हैं। वे अपने परिवार और समुदाय के बीच रहकर ही यह काम कर रही हैं। खितिश पंड्या ने मिस डे कॉर्नब्लुथ और वेस्ट एल्म की पूरी टीम के प्रति आभार प्रकट किया, जो 2008 से ईको टसर के सस्टेनेबल वस्त्रों का समर्थन कर रहे हैं। वेस्ट एल्म ने हैंड-स्पन यार्न से बने उत्पादों की नियमित रूप से खरीद की है, जिन्हें भारत के वंचित क्षेत्रों की महिलाएं तैयार करती हैं। महिलाएं 2,000 से 5,000 तक की मासिक आय अर्जित कर सकती हैं, जो उनके कार्य के घंटों पर निर्भर करती है। ईको टसर की निश्चित पुनर्खरीद व्यवस्था महिलाओं को सुनिश्चित आमदनी और भरोसेमंद बाजार तक सीधी पहुंच प्रदान करती है। इस मॉडल से महिलाएं स्थिर और सुरक्षित आय अर्जित कर सकती हैं। ईको टसर का समग्र दृष्टिकोण प्रशिक्षण, उपकरण वितरण, कच्चे माल की उपलब्धता और सुनिश्चित बाजार संपर्क को शामिल करता है। इस मॉडल से ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए सम्मानजनक और टिकाऊ आजीविका के अवसरों का सृजन हो रहा है ईको टसर का मॉडल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस मॉडल के माध्यम से, ईको टसर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रहा है। आदिवासी रेशमी कोकून उत्पादकों, महिला यार्न निमार्ताओं, बुनकरों, कारीगरों और वस्त्र मूल्य श्रृंखला के अन्य सूक्ष्म उद्यमियों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए प्रतिबद्ध है। ईको टसर 100% सस्टेनेबल और निष्पक्ष व्यापार मॉडल पर काम करता है।

यह संगठन ग्रामीण महिलाओं को घर बैठे काम करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे मौसमी प्रवासन में कमी आ रही है। ईको टसर द्वारा निर्मित हैंड-वोवन टसर सिल्क और लिनन साड़ियाँ न केवल सस्टेनेबल हैं, बल्कि हर रोज पहनने से लेकर खास अवसरों तक के लिए एक टाइमलेस स्टाइल का प्रतीक हैं। ईको टसर का उद्देश्य आदिवासी रेशमी कोकून उत्पादकों, महिला यार्न निमार्ताओं, बुनकरों और कारीगरों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है ईको टसर सस्टेनेबल विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसके उत्पाद इस प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। ईको टसर का यह मॉडल न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से भी जिम्मेदार है।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद ने शुरू की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा

स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद ने मंगलवार से बाह्य विभाग की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शुरू की है, जिसका उद्घाटन डॉ. जिम्मी अभिषेक द्वारा किया गया। सेवा में अब तक 9 मरीजों ने परामर्श लिया है और उन्हें आवश्यकता एवं उपलब्धता के अनुसार मुफ्त दवा और मलहम प्रदान किए गए हैं। यह पहल धनबाद के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गणेश चक्रवर्ती ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें वे प्रत्येक गुरुवार को निःशुल्क ऑडियोमेट्री परीक्षण सेवा प्रदान करेंगे। इस सेवा में बहरेपन की जांच, ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों और हकलेपन से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए स्पीच थेरेपी शामिल होगी। ऑडियोमेट्री परीक्षण एक सरल, गैर-आक्रामक और दर्द रहित प्रक्रिया है जो सुनने की क्षमता का मूल्यांकन करती है। डॉ. मेजर चंदन प्रत्येक बुधवार को बाह्य विभाग में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेंगे। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सेवाओं का उद्देश्य लोगों को उनके सुनने और बोलने की क्षमता से जुड़ी समस्याओं का निदान और उपचार करने में मदद करना है। मौके पर चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष स्वेताम्बरा पाठक और कार्यकारिणी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेन्द्र सिंह शामिल हैं।

नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट ने दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य की जांच शिविर का आयोजन किया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम में लगातार तापमान की बढ़ोतरी को देखते हुए सी एच सी सदस्य डॉ. अलका सिंह ने उपस्थित बच्चों के स्वास्थ्य की सामान्य जांच की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को गर्मी में धूप से बचने और पानी का अधिक सेवन करने की सलाह दी, जिससे डिहाइड्रेशन से बचा जा सके। डॉ. सिंह ने बच्चों को मौसमी फलों का सेवन करने की भी सलाह दी, जिससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त हो सके। सचिव अनीता अग्रवाल ने बताया कि पहला कदम में दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य की जांच हर माह की जाती है, जिससे बच्चे स्वस्थ रह सकें।स्कूल प्रशासन दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखता है और उनकी सेहत को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाता है। डॉ. अलका सिंह ने बच्चों को गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी।

चोरी की वारदात में 25 हजार के केबुल पर चोरों का किया हाथ साफ

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौरा : भौरा क्षेत्र के 23/8 खदान में सोमवार रात चोरों ने धावा बोलकर लगभग 100 फीट केबुल चोरी कर ली। एक दर्जन से अधिक चोरों के दल ने स्टोर का ताला तोड़कर केबुल चोरी की। चोरी हुए केबुल की कीमत लगभग 25 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि खदान परिसर में सीआईएसएफ के दो सशस्त्र जवान तैनात रहते हैं। बावजूद इसके चोरी की घटना होना जवानों की कर्तव्यनिष्ठा पर संदेह पैदा करता है। एक दर्जन से अधिक चोरों का दल शामिल था। लगभग 25 हजार रुपये।सीआईएसएफ जवानों की तैनाती के बावजूद चोरी होना कर्तव्यनिष्ठा पर संदेह पैदा करता है। यह घटना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की आवश्यकता को उजागर करती है।

हनुमंत सह शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : डिगवाडीह 10 नंबर बीसीसीएल कॉलोनी में तीन दिवसीय हनुमंत सह शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन मंगलवार से शुरू हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र की महिलाओं ने कलश शोभायात्रा निकाली, जिसमें नगर भ्रमण करते हुए सिंफर डिगवाडीह तालाब से जल उठाया गया। कलश शोभायात्रा का आयोजन,बुधवारवेदी पूजन, प्राण प्रतिष्ठा एवं आरती,गुरुवार अभिषेख, हवन व प्रसाद वितरण किया गया। यजमान सुभाष तांती और वीणा देवी,पुरोहित रंजय कुमार शास्त्री और राम रतन पांडेय ने मंत्रो उच्चारण के साथ किया । मौके पर प्रह्लाद तांती,सतीश तांती,विकास तांती,विक्रम तांती,मोती मंडल, रंजीत पासवान आदि मौजूद थे।

जेलगोरा मानस मंदिर में नौ दिवसीय महाधिवेशन का समापन, प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक के साथ हुई धार्मिक भव्यता

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : जेलगोरा मानस मंदिर में नौ दिवसीय महाधिवेशन का समापन प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक के साथ हुआ। इस अवसर पर सुबह होली और दिवाली एक साथ मनाई गई। अशोकानंद महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि दुनिया के तमाम राजाओं में से अधिकांश भौतिक रूप से याद किए जाते हैं, जबकि प्रभु श्री राम लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति हर दिल में वास करता है, उसकी कृति युगों तक याद रहती है। मौके पर गणेश साव,परशुराम पांडेय,योगेंद्र सिंह,अशोक वर्मा,सुनील वर्मा,के जी रजक,विजय प्रसाद,अनभावत पंडित,दिवाकर प्रसाद आदि थे।

घर बनाने के लिए बैंक से पैसे निकाले, उचक्कों ने 50 हजार भरा थैला किया गायब

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर: एसबीआइ बलियापुर शाखा से पैसे निकाल कर बलियापुर हटिया पहुंचे दुधिया गांव के 68 वर्षीय देबू रजवार का 50 हजार रुपए से भरा प्लास्टिक का थैला उच्चकों ने गायब कर दिया, जानकारी के अनुसार देबू रजवार अपनी विवाहिता पुत्री कौशल्या देवी के साथ बलियापुर एसबीआइ शाखा पहुंचे और कौशल्या के खाते से 50 हजार रुपए की निकासी की, रुपये निकासी के बाद उसने पुरी रकम एवं बैंक खाता को एक प्लास्टिक के थैला में रख दोनों पिता-पुत्री बलियापुर हटिया पहुंचे, बाजार में उन्होंने 100 पीस प्लास्टिक के गिलास एवं डेढ़ सौ चाय पीने वाली कागज की प्याली खरीदी और इसी थैला में भरकर हटिया की ओर निकले, भुक्तभोगी श्री रजवार ने बताया कि हटिया मोड़ के पास उसे लगा कि पीछे से उनके पीठ पर किसी ने हाथ फेर दिया,

गोपीनाथडीह में बबलू किस्कू की मौत, परिवार पर दु:ख की पहाड़

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : गोपीनाथडीह निवासी बबलू किस्कू (35 वर्ष) का शव कुम्हार कोड़ा जोड़िया रेलवे लाइन के समीप से बरामद किया गया। परिजनों का कहना है कि रविवार को शाम चार बजे घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। मंगलवार को दिन में शव को तैरते देखा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। मृतक तीन भाईयों में छोटा था। दो भाइयों की पहले ही मौत हो चुकी है - एक रेलवे में कटने से और दूसरा आत्महत्या से।परिवार का एकमात्र सहारा की मौत से परिवार पर दुःख की पहाड़ टूट पड़ी है। घटनास्थल पर मुखिया प्रतिनिधि कन्हाई बनर्जी, बलराम बनर्जी, गणेश चटर्जी, मिथुन मंडल, महादेव टुडू, श्रवण हांसदा, भाभी रानी मरांडी, सुनीता कुमारी, मनीषा किस्कू आदि मौजूद थे।

झरिया में कॉमरेड लेनिन की 155वीं जयंती मनाई गई

झरिया : लोदना स्थित कॉमरेड यमुना सहाय स्मृति भवन प्रांगण में मंगलवार को महान समाजवादी और साम्यवाद के प्रणेता कॉमरेड लेनिन की 155वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता कॉमरेड सुरेश प्रसाद गुप्ता ने लेनिन की जीवनी और उनके संघर्षों पर चर्चा की। लेनिन ने मार्क्सवाद के सिद्धांतों को प्रयोग करते हुए रूस में दुनिया का पहला समाजवादी समाज स्थापित किया। उन्होंने दुनिया के देशों के समक्ष यह साबित कर दिया कि मार्क्सवाद का प्रयोग करके ही दुनिया को एक नई दिशा और नए समाज की स्थापना की जा सकती है। लेनिन ने साम्राज्यवाद के बारे में सूचित किया था, जो वर्तमान समकालीन परिस्थितियों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है।मौके पर नारायण चक्रवर्ती, भगवान दास पासवान, शिव बालक पासवान, नौशाद अंसारी, रामवृक्ष धारी, यदु प्रसाद, गोपाल लाल, सुरेंद्र पासवान, मनोज पासवान, नीरज पासवान, राजाराम भुईंया, रामनरेश कुमार, उमेश पासवान, मधेश्वर पासवान, विनोद पासवान, गौतम कुमार, विनोद धारी, मधु बनर्जी, भोला माली, अनिल भुईंया, अशोक बनर्जी आदि थे।

झरिया में विद्युत आपूर्ति की लचर व्यवस्था के खिलाफ डीवीसी का पुतला फूंका

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : झरिया के निवासियों और पूर्व पार्षद अनूप साव ने डीवीसी चेयरमेन का शव यात्रा निकालकर और पुतला फूंका कर विद्युत आपूर्ति की लचर व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। अनूप साव ने कहा कि विद्युत आपूर्ति की खराब स्थिति के कारण झरिया के उपभोक्ता परेशान हैं और उन्हें 10 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है। झरिया में विद्युत आपूर्ति की लचर व्यवस्था के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। पूर्व पार्षद अनूप साव और झरिया वासियों ने मिलकर डीवीसी चेयरमेन का शव यात्रा निकालकर और पुतला फूंका कर विरोध प्रदर्शन किया। अनूप साव ने कहा कि यदि विद्युत आपूर्ति में जल्द सुधार नहीं किया गया, तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन से झरिया के निवासियों की विद्युत आपूर्ति की समस्या को लेकर चिंता और आक्रोश स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस समस्या का समाधान करने के लिए क्या कदम उठाता है।

झरिया में सीमा कुमारी की भूख हड़ताल पर चिकित्सकों की टीम पहुंची

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : जोड़ापोखर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चास नाला की एक चिकित्सक टीम मंगलवार को गोलकडीह कार्यालय के समीप पहुंची और पिछले 16 दिनों से भूख हड़ताल कर रही सीमा कुमारी का स्वास्थ्य जांच किया। टीम चासनाला चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर मिहिर कुमार के आदेश पर यहां आई है। सीमा कुमारी का बीपी, शुगर और हेमोग्लोबिन का जांच किया गया है। टीम में डॉक्टर टी चटर्जी, शैलेंद्र कुमार और सीएचओ अजीत चौधरी शामिल थे। 25 अप्रैल से लोदना क्षेत्र और बस्ताकोला क्षेत्र का ट्रांसपोर्टिंग एवं डिस्पैच ठप करने का निर्णय बीसीकेयू ने लिया है। नेताओं का कहना है कि सीमा को पिता की मृत्यु के बदले में कुइयां कोलियरी में प्रोविजनल नियोजन मिला था, लेकिन 17 महीने काम करने के बाद प्रबंधन ने उम्र विवाद का हवाला देकर काम से बैठा दिया।

बलियापुर में नाबालिग किशोरी के अपहरण मामले में आरोपी को बाल कारा भेजा गया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : बलियापुर थाना में नाबालिग किशोरी के अपहरण मामले में आरोपी को बाल कारा भेज दिया गया है। यह मामला रांगामाटी से चार नाबालिग किशोरियों को भगाने के आरोप से जुड़ा है। पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को बाल कारा भेज दिया और नाबालिग किशोरी को 164 बयान एवं मेडिकल जांच के लिए धनबाद भेजने की तैयारी की जा रही है। नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला दर्ज किया गया। आरोपी को बाल कारा में भेज दिया गया है। नाबालिग किशोरी को 164 बयान और मेडिकल जांच के लिए धनबाद भेजा जाएगा।

एफसीआईएल की जमीन खाली कराने के खिलाफ ग्रामीणों ने किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

नई पत्रवार्ता पप्रतिनिधि

सिंदरी : गौशाला क्षेत्र में फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआईएल) की जमीन पर बसे लगभग सौ परिवारों ने मंगलवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ये परिवार चार पीढ़ियों से इस भूमि पर रह रहे हैं और पुनर्वास की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। सिविल जज चतुर्थ, धनबाद द्वारा दिए गए फैसले के तहत एफसीआईएल प्रबंधन ने 23 अप्रैल को जमीन खाली कराने के लिए बुलडोजर चलाने की तैयारी की है। ग्रामीण एफसीआईएल प्रबंधन से पुनर्वास की मांग कर रहे हैं। गौशाला बाजार में एफसीआईएल प्रबंधन का पुतला दहन किया गया और जुलूस निकालकर विरोध दर्ज कराया गया। प्रभावितों की ओर से राम नाथ शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, राजेश गुप्ता तथा वामपंथी नेता विकास कुमार ठाकुर ने नेतृत्व किया।

दो प्रमुख कोलियरी का एकीकरण श्रम शक्ति का सही उपयोग व मजदूरों के हित में निर्णय

भौरा उत्तर व दक्षिण कोलियरी का विलय, यूनियन नेताओं ने दिया समर्थन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौरा : भौरा क्षेत्र की दो प्रमुख कोलियरी, भौरा उत्तर और दक्षिण, को 1 अप्रैल से एकीकृत कर दिया गया है। अब यह कोलियरी ₹अमलगमेटेड उत्तर एवं दक्षिण कोलियरी₹ के नाम से जानी जाएगी। खान सुरक्षा महानिदेशालय और मुख्यालय के आदेश पर दोनों कोलियरी को मिलाकर एक किया गया है।भौरा दक्षिण कोलियरी में लगभग 600 कर्मचारी थे, जबकि उत्तर में लगभग 300 कर्मचारी थे।

दोनों कोलियरी में कुल 20 अधिकारी और लगभग 40 क्लर्क कार्यरत थे, जो अब एक ही स्थान पर काम करेंगे। मुख्यालय के आदेश के बाद कार्यालय में नया बोर्ड लगा दिया गया है। इस एकिकरण पर यूनियन नेताओं ने अपनी राय दी है, जो विभिन्न दृष्टिकोणों को दशार्ती है। धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के नेता एलएन प्रसाद का कहना है। इस एकीकरण से श्रम शक्ति का सही उपयोग होगा। श्रम शक्ति की कमी पूरी हो जाएगी। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ के अध्यक्ष एसके साही ने कहा कि कंपनी ने सही निर्णय लिया है। इससे कंपनी और मजदूरों दोनों को फायदा होगा। मजदूरों का काम सही ढंग से होगा।राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ के संगठन सचिव मुन्ना यादव ने कहा कि भौरा उत्तर और दक्षिण कोलियरी की सभी डिपार्टमेंटल खदानें और उत्खनन बंद हैं। इस एकीकरण से श्रम शक्ति की कमी पूरी हो सकेगी। मजदूरों का काम समय पर होगा।

एमएसीपी, सेवानिवृत्ति आयु वृद्धि व शिशु शिक्षण भत्ता के लिए बीडीओ को सौंपा स्मार पत्र

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स फाउंडेशन प्रखंड कमेटी बलियापुर ने मंगलवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष ध्यानाकर्षण रैली आयोजित की और 11 सूत्री स्मार पत्र बीडीओ प्रभाष चंद्र दास को सौंपा। इस पत्र में प्रमुख मांगें शामिल हैं। शिक्षकों के लिए एमएसीपी (मॉडिफाइड एश्योर्ड कैरियर प्रोग्रेशन) योजना लागू करने की मांग की गई है, जिससे शिक्षकों को पदोन्नति और वेतन वृद्धि में मदद मिलेगी। राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग की गई है, जिससे वे अधिक समय तक काम कर सकें और अपने अनुभव का लाभ राज्य को दे सकें।

Page 12_Page 3.qxd 4/22/2025 10:05 PM Page 1

पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने सर्किट हाउस में की बैठक

पर्यावरण का संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने मंगलवार को सर्किट हाउस में सारठ विधायक उदय शंकर सिंह की अध्यक्षता में तथा विधायक सिसई, जिग्गा सुसरण होरो, पोटका विधायक संजीव सरदार तथा बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह की उपस्थिति में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर जिले के पदाधिकारियों के साथ बैठक की.बैठक के दौरान

समिति ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, मैथन पावर लिमिटेड सहित अन्य इकाइयों में पर्यावरण एवं प्रदूषण से संबंधित प्राप्त जन आवेदनों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की. बैठक संपन्न होने के बाद समिति की सदस्य श्रीमती श्वेता सिंह ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं.उन्होंने कहा कि बैठक में कोयले के खनन और ओवर बर्डन डंप करने में निर्धारित मापदंड और नियमों का पालन करने, आमजनों को इससे परेशानी नहीं हो यह सुनिश्चित करने, खनन के बाद परिवहन के दौरान कोयला लदे वाहनों को तिरपाल से ढंकने, पेड़ पौधे को सुरक्षित रखने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई है. वहीं बैठक से पहले उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने सर्किट हाउस पहुंचकर समिति के अध्यक्ष सह विधायक सारठ उदय शंकर सिंह का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया. बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सहायक आयुक्त उत्पाद, सहायक श्रम अधिक्षक प्रवीण कुमार, सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

संक्षिप्त खबर

दो बाइक के बीच टक्कर में युवती सहित तीन घायल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : थाना क्षेत्र के हरिणा- चंद्रपुरा हीरक रोड स्थित सावरबांध तालाब के समीप मंगलवार को सुबह दो बाइक के बीच सीधी टक्कर में फुसरो हथिया पत्थर निवासी रोहन कुमार और पूजा कुमारी एवं सोनोडीह बस्ती निवासी सुख सागर महतो घायल हो गये. बताया जाता है कि रोहन और पूजा धनबाद बारात गये थे. बाइक संख्या जेएच 01 एफब्यू 0112 से घर लौटते वक्त विपरीत दिशा से आ रही बाइक संख्या जेएच10 सीके 7110 से उनकी सीधी टक्कर हो गयी. दुर्घटना में युवती सहित दोनों बाइक सवार घायल हो गये. बताया जा रहा है कि सुखसागर राशन लेकर घर जा रहे थे. घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गयी. सुखसागर का इलाज एवं क्षतिग्रस्त बाइक की मरम्मत कराने की मांग को लेकर लोगों ने दुल्हा दुल्हन की गाड़ी को रोक दिया. दुल्हे की कार रोहन के साथ ही चल रहा था. घंटों भर सड़क पर हो हंगामा होती रही. सुचना पाकर मौके पर बाघमारा पुलिस पहुंची और दोनों बाइक को जब्त कर लिया. बाद में बाराती लोगों द्वारा इलाज एवं बाइक मरम्मत कराने की खर्च देने पर मामला रफा दफा हो गया.

यूपी के नोएडा पुलिस ने 26 करोड़ के ठगी मामले के आरोपी मनींद्र कुमार को किया गिरफ्तार

नोएडा पुलिस कतरास पुलिस के सहयोग से निचितपुर बस्ती से पकड़ वापस लौटी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : यूपी के गौतमबुद्ध नगर 58 सेक्टर नोएडा थाना की पुलिस कतरास थाना पहुंची. नोएडा पुलिस कतरास पुलिस को साथ लेकर निचितपुर गांव पहुंचकर 26 करोड़ ठगी के आरोपी मनींद्र कुमार को गिरफ्तार किया.ठगी के आरोपी मनींद्र कुमार को गिरफ्तार कर आवश्यक पूछताछ कर मंगलवार शाम को अपने साथ नोएडा ले गई. मामले के अनुसंधानकर्ता इंस्पेक्टर प्रभारी डीसीआरबी नोएडा के राम प्रकाश गौतम ने जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी मनिंद्र के खिलाफ नोएडा में छह कांड अंकित है. कहा कि कांड संख्या 365/19, 03/2020, 04/2020, 06/2020, 07/2020, 234/2020 धारा 420, 467, 468, 120 आईपीसी के तहत मामला दर्ज है.उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि एमआईपी बाई केम नामक कंपनी में मनींद्र एकाउंटेंट व प्रमोटर के पद पर रहते हुए अपना तीन बार फर्जी दस्तावेज का प्रयोग कर लोगों को ठगने का काम किया है.उन्होंने कहा कि ठगी के दौरान फरियादियों को यह प्रलोभन दिया गया कि 62100 लगाओ एक बाइक और दस हजार रुपया महीना पाओ. ऐसे में कितने के चेक बाउंस भी हुए है. बताया कि मामला अप्रैल 2018 से शुरू हुआ जो वर्ष 2019 मई तक आरोपी लोगों को ठगत रहा. कहा आरोपी का फर्जी दस्तावेज दो दिल्ली का व एक कतरास का पाया गया है. ठगी करने के मामले में 14 अन्य आरोपी को जेल भेजा जा चुका है.

सिजुआ क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध, बीसीसीएल से ठोस कार्रवाई की मांग

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरासः भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की सिजुआ क्षेत्र संख्या-5 में धूल प्रदूषण की गंभीर समस्या के खिलाफ मंगलवार को स्थानीय ग्रामीणों ने मोदीडीह कोल डंप के सामने जोरदार प्रदर्शन किया.विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए,जिन्होंने हाथों में झाड़ू और तख्तियां लेकर बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर की गई नारेबाजी. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में कोयला परिवहन के दौरान भारी वाहन बिना ढके चलते हैं, जिससे सड़कों पर लगातार धूल उड़ती रहती है.

साथ ही ओवर बर्डन (ओबी) की कटाई और खनन गतिविधियों से क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति और भी भयावह हो गई है. ग्रामीणों का कहना है कि इस धूल भरे वातावरण के कारण उन्हें सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन और अन्य बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है. एक स्थानीय महिला ने गुस्से में कहा कि हर दिन घर की सफाई के बावजूद धूल की मोटी परत जमा हो जाती है. बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है. अगर बीसीसीएल ने जल्द कोई कदम नहीं उठाया, तो हमें उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा.प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा. हालांकि, मंगलवार का विरोध शांतिपूर्ण रहा लेकिन प्रदर्शनकारियों ने साफ संकेत दे दिया कि अब सिजुआ के लोग और अधिक धूल और प्रदूषण बर्दाश्त नहीं करेंगे.

विश्व पृथ्वी दिवस पर दामोदरपुर उत्क्रमित विद्यालय में संगोष्ठी का किया गया आयोजन

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद जिला विधिक प्राधिकार के सचिव दुसंतों टोप्पो के निदेश पर दामोदरपुर स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में मंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अनुराधा कुमारी मुख्य रूप में उपस्थित थी. विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस संगोष्ठी में सभी शिक्षकों के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे.वैधानिक स्वयंसेवक पूजा झा,पुनम कुमारी,सावित कुमारी, योगेश कुमार व विनय कुमार सिंह ने पृथ्वी दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है और इसकी सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है. उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में जागरूक किया. उन्होंने कहा कि युवाओं की भूमिका पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण है. यदि आज की पीढ़ी सतर्क और जागरूक हो जाए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ पृथ्वी सुनिश्चित की जा सकती है. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत करना और पृथ्वी को बचाने की दिशा में उनके योगदान को प्रोत्साहित करना रहा.संगोष्ठी के अंत में विद्यार्थियों ने पृथ्वी संरक्षण से संबंधित संकल्प भी लिया.

पृथ्वी दिवस पर कोलफील्ड चिल्ड्रेन क्लासेस के बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

बच्चों ने मटके पर संदेश लिख पृथ्वी को दोहन से बचाने का दिया संदेश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादः झरिया में कोयला चुनने वाले बच्चों ने कोलफील्ड चिल्ड्रेन क्लासेस के बैनर तले पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक अनूठी जागरूकता रैली निकाली गई.

विद्यार्थियों ने अपने हाथों से मटके पर किए गए कलाकारी वाला पृथ्वी का मॉडल लेकर, कुछ बच्चे 'पशुओं की मुखटा' पहने , कुछ बच्चे पृथ्वी दिवस की तख्तियां लिए हुए नारे लगाते हुए चल रहे थे. जिसमें मुख्य नारे 'ध्धरती मां क्या चाहती है- मेरा पुराना रूप लौटा दो''

"धरती मां क्या चाहती है- मेरी हवा को शुद्ध कर दो"

"पेड़ लगाओ और धरती बचाओ" इस तरह के जागरूकता नारे से कोयलांचल गुंजयमान हो उठा.

रैली राजापुर कोलियरी क्षेत्र के पास रजवार बस्ती और कोयरीबांध और सहनपहाड़ी क्षेत्र से गुजरी, जहां भूमि पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है. रैली के उपरांत एक कार्यक्रम 'वसुंधरा वंदना' आयोजित किया गया, जहां पृथ्वी के पांच तत्वों 'वायु, पृथ्वी, जल, अग्नि और आकाश' को धन्यवाद दिया गया.

कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेस के संस्थापक पिनाकी रॉय ने कहा, यह जागरूकता रैली सबसे निवेदन करता है कि पृथ्वी को बचा ले, सुरक्षित रखें यह हमारी मां है इसे बर्बाद ना करें.सभी को मालूम है कि प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग , पेड़ पौधे काटना , जहरीला धुआं सबके लिए खतरनाक है और असंतुलित कोयला खनन से पृथ्वी बर्बाद हो रही है'. यदि पृथ्वी का स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो मानव का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा.कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेस के विद्यार्थी सुमन कुमारी कहती है झरिया में कोल माइंस होने के कारण यहां बहुत प्रदूषण है, लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत होती है इसके बावजूद दिन व दिन कोयला खानों की संख्या बढ़ रही है. जिसके कारण लोगों का दिक्कतें भी बढ़ रही है झरिया में परिवर्तन हो इसी उद्देश्य से हमलोग आज अर्थ डे में जागरूकता रैली निकाले हैं.कार्यक्रम में पिनाकी रॉय, कला शिक्षक संजय पंडित, शिक्षिका मौसमी रॉय के अलावा केंदुआ इकाई के बच्चे सुमन कुमारी, दुर्गा कुमारी, राजवीर कुमार, राधिका कुमारी, अंजलि कुमारी, मुस्कान कुमारी, दुर्गी कुमारी। सहानापहाड़ी की छात्रा सोनाली कुमारी, सपना कुमारी और खुशी कुमारी, तथा दीपुधोरहा(लादना) के बच्चे मोनु कुमार, कोमल कुमारी, रिंकी कुमारी, सिमरन कुमारी, अमन कुमार, देव कुमार, ललिता कुमारी, जबकि झरिया के तानिया कुमारी, नंदनी कुमारी, सोनु निगम, पंकज कुमार, नंदन कुमार एवं बस्ताकोला से पायल कुमारी, निधि कुमारी, लवली कुमारी, काजल कुमारी खुशी कुमारी उपस्थित थे. 50 से अधिक बच्चों ने पृथ्वी दिवस मनाया.

जेपी ग्रुप का इंस्टीट्यूशंस के अर्थ डे में शामिल हुए विधायक राज सिन्हा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादःमंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस पर बलियापुर रोड स्थित जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में हैप्पी अर्थ डे मनाया गया. इस मौके पर मुख्य रूप से धनबाद विधायक राज सिन्हा उपस्थित हुए। जहां उन्हें पौधा देकर अर्थ डे दिवस की बधाई दी गई. इस मौके पर जेपी हॉस्पिटल एवं जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस परिसर के चारों ओर विधायक राज सिन्हा, जेपी हॉस्पिटल और जेपी इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष प्रदीप मंडल व प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल, डायरेक्टर डॉ. किमी मंडल भाजपा के जिला महामंत्री मानस प्रसुन, प्रबीर मंडल, जेपी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या शोभना भट्टाचार्य,फार्मेसी की प्राचार्य नीलम सिंह ने विभिन्न फलों, फूलों एवं जनउपयोगी औषधियों का पौधा रोपण किया.

इस मौके पर राज सिन्हा ने कहा आज के जीवन शैली के कारण दिन प्रतिदिन हमारी पृथ्वी दूषित हो रही है जिस कारण हम लोग प्रकृति का प्रकोप झेल रहे हैं, आज के इस परिवेश में हमें पृथ्वी के संरक्षण के प्रति बहुत ही सजग होना होगा नहीं तो भविष्य में इसके बहुत दुष्परिणाम होंगे. अब हर व्यक्ति को आवश्यक रूप से वृक्षारोपण पर ध्यान देना चाहिए तभी हम पृथ्वी को सही मायने में प्रदूषण मुक्त कर सकते हैं. जेपी हॉस्पिटल और जेपी इंस्टीट्यूशन का हर वर्ष के अंतराल में पौधारोपण कार्यक्रम और इसके प्रेरणा का प्रयास बहुत ही सराहनीय है.

अध्यक्ष प्रदीप मंडल ने कहा हर वर्ष के अंतराल में पौधारोपण का कार्यक्रम जेपी ग्रुप द्वारा किया जाता है.प्रबंध निदेशक नित्यानन्द मंडल ने कहा अपने घरों, ऑफिस एवं उपयुक्त स्थानों पर नियमित रूप से पौधा रोपण करें, साथ ही पौधे को भली भांती सुरक्षित एवं संरक्षित रखें एवं विभिन्न मौकों पर लोगों को पौधा भेंट कर पौधारोपण करने की प्रेरणा दें. भविष्य में इसका परिणाम पर्यावरण के मद्दे नजर बहुत सुखद होगा और हमारा आसपास हरा भरा होगा.

वाहन में लदे 13 गायों को ग्रामीणों ने तस्करों से कराया मुक्त, पुलिस को किया हवाले

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : पंडरा-कंचनडीह रोड पर अहले सुबह करीब साढ़े चार बजे एक 407 वाहन में लादकर गायों को ले जाया जा रहा था, लेकिन जैसे ही वाहन पांडरा गांव के समीप पहुंचा वाहन का पिछला चक्का खुल गया. जिस कारण वाहन ब्रेकडाउन हो गया. जैसे ही आसपास के ग्रामीणों को इसकी सूचना मिली ग्रामीणों ने वाहन में झांककर देखा तो पाया कि वाहन में गाय लदी हुई थी. ग्रामीणों को देखते ही वाहन चालक एवं अन्य लोग भाग खड़े हुए. ग्रामीणों का कहना है कि हमेशा इस सड़क से पशु तस्करी होती रहती है, आज सुबह साढ़े चार बजे पुलिस को सूचना दी गई लेकिन पुलिस मौके पर पांच घंटे बाद पहुंची तब ग्रामीणों ने गायों को पुलिस के हवाले कर दिया.

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की शिकायतें

छात्रों ने शिक्षक पर लगाया फीस लेकर भाग जाने का आरोप

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया. इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों ने उपायुक्त को अपनी समस्या बताई.जनता दरबार में बलियापुर इंस्टिट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी के छात्रों ने उपायुक्त को बताया कि वहां के एक शिक्षक, जो कोचिंग सेंटर भी चलाता है, सैकड़ों छात्र उनसे ट्यूशन पढ़ते हैं. इंस्टिट्यूट में छात्रों की ट्यूशन फीस जमा कराने के लिए उक्त शिक्षक ने लगभग 70 छात्रों से 10 -10 हजार रूपए लिए. छात्रों ने आरोप लगाया कि शिक्षक

ने इसमें से केवल 2 हजार रुपए ही इंस्टिट्यूट में जमा कराए. बाकी रकम लेकर भाग गए.इस संबंध में बलियापुर थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है. छात्रों ने उपायुक्त से रकम वापस दिलाने की गुहार लगाई.वहीं एक अन्य व्यक्ति ने उपायुक्त को बताया कि उनके पिता भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड में कार्यरत थे, उनके पेंशन की राशि बैंक में जमा हो रही थी. पिता की मृत्यु के बाद भूलन बरारी के कार्मिक पदाधिकारी बैंक में आवश्यक कागजात नहीं भेज रहे हैं.इसके कारण बैंक एकाउंट से राशि नहीं निकाल पा रहे हैं. उपायुक्त ने इस मामले पर भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के निदेशक कार्मिक से बात कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया.

एक अन्य बुजुर्ग ने उपायुक्त को बताया कि बैंक ऑफ इंडिया की चिरकुंडा शाखा में पत्नी का खाता था, पत्नी की मृत्यु के बाद सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भी राशि वापस करने में बैंक आनाकानी कर रही है. उपायुक्त ने एलडीएम को फोन कर समस्या का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया.जनता दरबार में जमीन अधिग्रहण के बाद मुआवजा नहीं मिलने, अबुआ आवास स्वीकृत हो जाने के बावजूद भाई के द्वारा निर्माण कार्य नहीं करने देने, जमीन का म्यूटेशन नहीं करने, जमीन मापी में बाधा उत्पन्न करने सहित अन्य शिकायत प्राप्त हुई.जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे.

रैयतों ने बाघमारा अंचल कार्यालय में पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत दिया धरना

पर्चा बांटकर कहा कि 29 अप्रैल को निकालेंगे सीओ का शवयात्रा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को रैयतों ने ग्राम स्वराज अभियान की अगुवाई में बाघमारा अंचल कार्यालय के परिसर में सांकेतिक धरना दिया और अंचल सह प्रखंड कार्यालय आने लोगो के बीच पर्चा बांटकर सीओ का आगामी मंगलवार 29 अप्रैल को पुतला शवयात्रा निकालने का कारण बताया. अंचल कार्यालय में सीओ का पुतला शवयात्रा निकालने की चर्चा गर्म है. रैयतों का कहना है कि अंचल कार्यालय में जमीन डिजिटलाइजेशन, म्यूटेशन, मापी एवं लगान अद्यतन के काम सुचारू पूर्वक नहीं होता है . सीओ इसमें

मनमानी करते है और दलाल के द्वारा रिश्वत की मांग करते है. सूचना अधिकार के तहत उनके आवेदन की जानकारी नहीं देते है. मीडिया में झूठी बातें बोलते है. सीओ का व्यवहार क्रूर अंग्रेज अधिकारी जैसा है. मौके पर कमल महतो, दिलीप महतो, गौरी लाल महतो, रुपेश रवानी, विकास रजवार, प्रदीप रजवार, मणिलाल साव, मंत्र महतो, भुवन महो,सहित अन्य लोग मौजूद थे.

पत्रकारों पर हमला मामले में पुलिस कार्रवाई सुस्त के खिलाफ धनबाद प्रेस क्लब में बैठक

24 अप्रैल को समाहरणालय के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन व विरोध का निर्णय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद प्रेस क्लब ने गांधी सेवा सदन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. जिसमें पत्रकारों पर 16 अप्रैल को हमले के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर चर्चा की गई. हमला कांग्रेस नेता राशिद राजा अंसारी, उनके बेटे और भाइयों ने पत्रकारों पर किया था. इस हमले में पत्रकारों के मोबाइल छीन लिए गए और उन्हें गाली-गलौज और पिटाई का सामना करना पड़ा था. घटना के बाद एफआईआर दर्ज कराई गई है. कांग्रेस के नेता राशिद राजा अंसारी उनके भाई और बेटे के द्वारा कांग्रेस के दूसरे गुट से उलझ पड़े आपस में झगड़ रहे थे, जिसका कवरेज पत्रकारों ने करना शुरू कर दिया था. इससे नाराज होकर उन्होंने पत्रकारों पर हमला किया.पत्रकारों पर हमले के मामले में गिरफ्तारी नहीं होने पर प्रेस क्लब के द्वारा बैठक में चर्चा की गई अगर गिरफ्तारी नहीं होती है, तो जिला प्रशासन को एक पत्र देकर गुरुवार 24 अप्रैल को समाहरणालय के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन और विरोध किया जाएगा. जिसमें पत्रकारों पर हमला करने वालों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग होगी. पत्रकारों को न्याय दिलाने के लिए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की जाएगी. प्रेस क्लब के पदाधिकारी ने सभी पत्रकारों को एकजुट होने को कहा है, प्रेस क्लब के बैठक में पदाधिकारी ने कहा कि इस मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि आखिर ऐसी घटना को अंजाम देने वालों पर गिरफ्तारी अभी तक क्यों नहीं हो पा रही है .पत्रकारों का कहना है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई न.JHAHIN/2015/63780.